जबलपुर

शनिवार, 7 जून 2025

- ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष-11
- वर्ष : 20, अंक : 38
- पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 34
न्यून. 21

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

सुप्रीम कोर्ट ने दी इजाजत
3 अगस्त को होगी नीट पीजी की परीक्षा

नई दिल्ली। 3 अगस्त को सिंगल शिफ्ट में नीट पीजी 2025 की परीक्षा आयोजित होगी। सुप्रीम कोर्ट ने एनबीई के आवेदन को मंजूर कर लिया है। शुक्रवार की सुनवाई के दौरान वकील ने कहा कि सिंगल शिफ्ट में परीक्षा कराने की वजह से तिथि को आगे बढ़ाना पड़ रहा है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आपको इतना समय क्यों लग रहा है? इस पर एनईबी के वकील ने कहा कि कुल 2 लाख 50 हजार के करीब उम्मीदवार हैं।

वर्ल्ड बैंक ने बदले मापदंड, जिसके चलते भारत में कम हुए गरीब

10 साल में गरीबी दर 27.1 से घटकर हुई 5.3 प्रतिशत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विश्व बैंक के अनुमान के अनुसार, 2.15 डॉलर की डेली खपत पर – 2017 की कीमतों के आधार पर पिछली गरीबी रेखा – अत्यधिक गरीबी में रहने वाले भारतीयों की हिस्सेदारी 2.3 प्रतिशत है, जो 2011-12 में 16.2 प्रतिशत से काफी कम है। 2.15 डॉलर हरदिन की गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों की संख्या 2022 में 33.66 मिलियन दर्ज की गई है, जो 2011 में 205.93 मिलियन से बहुत ज्यादा कम है।वर्ल्ड बैंक द्वारा 2021 की कीमतों में वैश्विक मुद्रास्फीति को एडजस्ट करने के लिए अपनी अत्यधिक गरीबी रेखा को रिवाइज करने के बावजूद, भारत ने अच्छा प्रदर्शन किया है। विश्व बैंक का अनुमान है कि 3 डॉलर प्रतिदिन की लिमिट पर, 2022-23 के लिए भारत की अत्यधिक गरीबी दर 2.3 प्रतिशत (2.15 डॉलर प्रतिदिन की गरीबी रेखा पर) से बढ़कर 5.3 प्रतिशत हो गई है।

गरीबी रेखा को $2.15 प्रतिदिन से बढ़ाकर किया है $3 प्रतिदिन

सूत्रों के अनुसार, 2017 से 2021 तक घरेलू मुद्रास्फीति के लिए पहले की $2.15-प्रतिदिन लाइन को एडजस्ट करने से, गरीबी रेखा की सीमा लगभग $2.60 हो जाती है – जो वास्तविक रूप से नए $3 प्रतिदिन के बेंचमार्क से अभी भी कम है। रिवाइज्ड निम्न-मध्यम-आय श्रेणी (एलएमआईसी) गरीबी रेखा $4.20 प्रति दिन (2017 की कीमतों में $3.65 से) के नीचे रहने वाले भारतीयों की हिस्सेदारी भी 2011-12 में 57.7 प्रतिशत से गिरकर 2022-23 में 23.9 प्रतिशत हो गई। रिवाइज्ड एलएमआईसी गरीबी रेखा के तहत रहने वाले लोग 11 सालों की अवधि में 732.48 मिलियन से घटकर 342.32 मिलियन हो गए हैं। रिवाइज्ड निम्न-मध्यम-आय श्रेणी (एलएमआईसी) गरीबी रेखा $4.20 प्रति दिन (2017 की कीमतों में $3.65 से) के नीचे रहने वाले भारतीयों की हिस्सेदारी भी 2011-12 में 57.7 प्रतिशत से गिरकर 2022-23 में 23.9 प्रतिशत हो गई। रिवाइज्ड एलएमआईसी गरीबी रेखा के तहत रहने वाले लोग 11 सालों की अवधि में 732.48 मिलियन से घटकर 342.32 मिलियन हो गए हैं।

◀ भारतीय रेलवे ने इतिहास रचा-अब भारत कन्याकुमारी से कश्मीर तक जुड़ा
◀ पीएम ने चिनाब ब्रिज पर लहराया तिरंगा, आतंकियों को दिया कड़ा संदेश

पीएम मोदी ने दुनिया के सबसे ऊंचे ब्रिज का किया शुभारंभ कटड़ा से श्रीनगर के बीच वंदे भारत को भी दिखाई हरी झंडी

कश्मीर में 'वंदे भारत'

पीएम ने कहा- एफिल टावर नहीं, अब चिनाब ब्रिज नया पर्यटन स्थल, यह भारत की एकता, इच्छाशक्ति और इंजीनियरिंग का अद्भुत प्रतीक

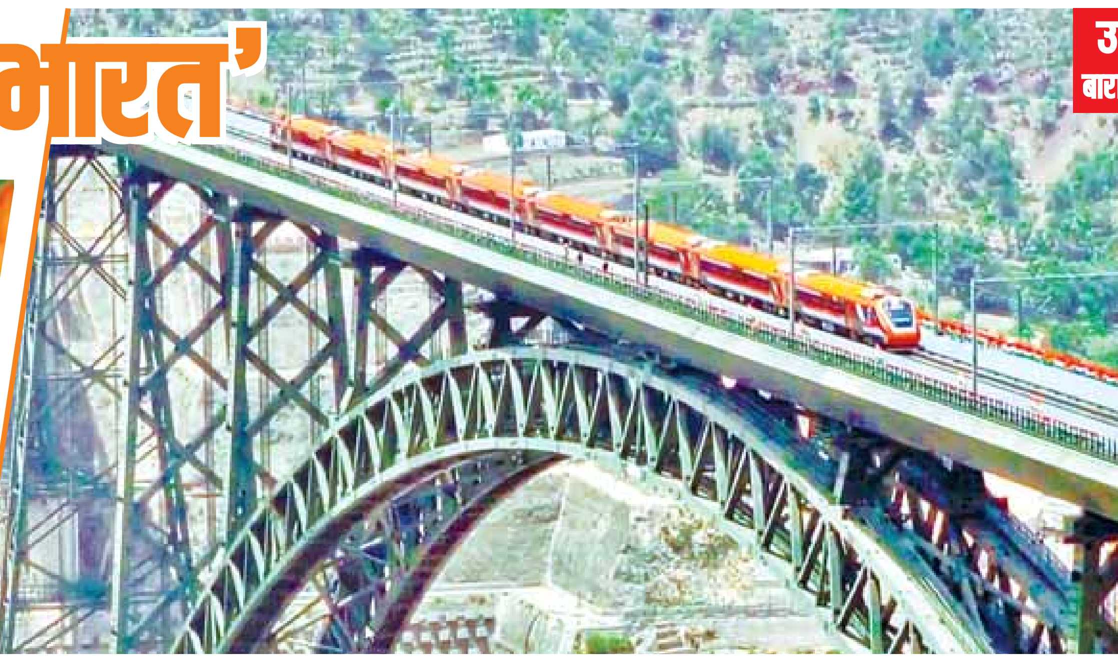

उधमपुर-श्रीनगर बारामूला रेल लिंक प्रोजेक्ट

लागत
43,780 करोड़
लंबाई
272 किलोमीटर
वक्त लगा
30 साल
सफर का समय
10 घंटे की दूरी 3 घंटे में

एफिल टावर से भी 35 मीटर ऊंचा चिनाब ब्रिज 359 मीटर ऊंचाई के साथ दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज

एजेंसी ▶▶ जम्मू

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चिनाब नदी पर बने दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे आर्च ब्रिज को राष्ट्र को समर्पित किया। उन्होंने इसे भारत की एकता, इच्छाशक्ति और इंजीनियरिंग का अद्भुत प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि 46,000 करोड़ रुपयए के प्रोजेक्ट जम्मू-कश्मीर में विकास की नई रफ्तार लाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कटड़ा में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि ये कार्यक्रम भारत की एकता और भारत की इच्छाशक्ति का विराट उत्सव है।

पाकिस्तान न सिर्फ मानवता का विरोधी, बल्कि टूरिज्म और गरीब की रोटी तक का दुश्मन

मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार जम्मू-कश्मीर में लगातार रोजगार के नए अवसरों का सृजन कर रही है, जिसमें पर्यटन (टूरिज्म) एक अहम जरिया बनकर उभरा है। लेकिन दुर्भाग्यवश भारत का पड़ोसी देश न सिर्फ मानवता का विरोधी है, बल्कि टूरिज्म और गरीब की रोटी तक का दुश्मन है। पीएम मोदी ने कहा कि पहलगाम जैसे क्षेत्रों में बीते पांच वर्षों में रिकॉर्ड संख्या में पर्यटक पहुंचे, जिससे गरीबों के घरों का चूल्हा जला। लेकिन पाकिस्तान की ओर से इसे भी निशाना बनाया गया। सीमा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए करीब दस हजार नए बंकर बनाए गए हैं, जो ऑपरेशन सिंदूर के बाद बने हालात में लोगों की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। जम्मू-कश्मीर के 400 ऐसे गांव जो ऑल वेदर कनेक्टिविटी से वंचित थे, उन्हें अब 1800 किलोमीटर नई सड़क से जोड़ा जा रहा है।

विकास की सीटी हर गांव, हर घाटी में गूंजेगी

पीएम मोदी ने बताया कि कुछ समय पहले सोनमार्ग टनल शुरू हुई और अब उन्होंने खुद चिनाब ब्रिज और अंजी ब्रिज से होकर यात्रा की। प्रधानमंत्री ने कहा कि इन पुलों पर चलते हुए मैंने भारत के इंजीनियरों, श्रमिकों के साहस और संकल्प को नमन किया है। अब कश्मीर के उत्पाद कम लागत में देश के बड़े बाजारों तक पहुंच पाएंगे, समय पर पहुंच पाएंगे। उन्होंने बताया कि जम्मू-कश्मीर की रेल कनेक्टिविटी से व्यापारियों और उद्योगों को नए अवसर मिलेंगे। अब यहां के लोगों के लिए देश के दूसरे हिस्सों में आना-जाना भी आसान हो जाएगा। यह नया युग है, जहां विकास की सीटी हर गांव, हर घाटी में गूंजेगी। पीएम ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में जम्मू-कश्मीर में दो स्टेट लेवल के कैंसर संस्थान बने हैं और पांच साल में सात नए मेडिकल कॉलेज शुरू किए गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने विशेष रूप से श्री माता वैष्णो देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एक्सीलेंस का उल्लेख करते हुए कहा कि यह संस्थान केवल एक अस्पताल नहीं, बल्कि दान-पुण्य और श्रद्धा की हमारी संस्कृति का प्रतीक है।

यह प्रोजेक्ट भारतीय रेलवे के इंजीनियरिंग और तकनीकी कौशल का प्रतीक

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक प्रोजेक्ट भारतीय रेलवे के इंजीनियरिंग और तकनीकी कौशल का प्रतीक है। यह रेल लाइन हिमालय के सबसे चुनौतीपूर्ण भूभागों से होकर गुजरती है। इस प्रोजेक्ट को पूरा होने में 3 दशक से अधिक का समय लगा। कश्मीर घाटी को शेष

भारत से जोड़ने वाली इस रेल लाइन का विचार पहली बार 1970 के दशक में सामने आया था। इसे औपचारिक रूप से 1994 में मंजूरी दी गई थी और अटल बिहारी वाजपेयी सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण के लिए धन स्वीकृत किए जाने के बाद 2002 में निर्माण शुरू हुआ।

[ये हैं 6 उपलब्धियां]

1 .चिनाब ब्रिज
इस प्रोजेक्ट के तहत दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल चिनाब ब्रिज सबसे बड़ी उपलब्धि है। यह कटड़ा और बनिहाल के बीच रेल मार्ग को जोड़ता है। यह पुल 1.3 किमी लंबा है और 260 किमी/घंटा तक की हवा का सामना कर सकता है। इसकी लागत1,486 करोड़ है। इसके पूरा होने से कटरा और श्रीनगर के बीच यात्रा का समय लगभग तीन घंटे रह जाएगा।

2. अंजी खड्ड ब्रिज
कटड़ा और रियासी के बीच अंजी खड्ड ब्रिज भारत का पहला केबल-स्टे रेलवे ब्रिज है। जम्मू से 80 किलोमीटर दूर स्थित इस पुल के निर्माण में 96 हाई-टेंसिल केबल का इस्तेमाल किया गया है और इसे मात्र 11 महीनों में पूरा किया गया। इसमें 8,200 मीट्रिक टन से अधिक स्टील का इस्तेमाल किया गया। यह पुल नदी तल से 331 मीटर ऊपर है और 725 मीटर तक फैला है। इस पुल का भी आज ही उद्घाटन हुआ।

3. सुरंग टी-50
भारत की सबसे लंबी परिवहन सुरंग खारी और सुंबर के बीच बनी है। इसकी लंबाई 12.77 किमी है।

4. पीर पंजाल रेल सुरंग
भारत की दूसरी सबसे लंबी परिवहन सुरंग बनिहाल और काजीगुंड रेल मार्ग पर बनी है। इसकी लंबाई 11.22 किमी है।

5. सुरंग टी-44
देश की तीसरी सबसे लंबी रेलवे सुरंग सावलकोट और सांगलदान के बीच बनी है। इसकी लंबाई 11.13 किमी है।

6. विशाल सुरंग नेटवर्क
प्रोजेक्ट के तहत 36 मुख्य सुरंगें और 8 निकास सुरंगें और 943 पुल बनाए हैं। इसकी संयुक्त लंबाई 186 किलोमीटर से अधिक है।

हरदा में अवैध उत्खनन मामले में बड़ा एक्शन

कलेक्टर ने दोषियों के खिलाफ लगाया 18.67 करोड़ का अर्थदंड, आदेश जारी

तालाब निर्माण की आड़ में 51884 घन मीटर क्षेत्र में पत्थर का उत्खनन कर गिट्टी का निर्माण कर लाभ कमाया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हरदा

खिरकिया तहसील के ग्राम खरड़ में अवैध उत्खनन मामले में प्रशासन की बड़ी कार्रवाई की गई है। यहां सागर स्टोन क्रेशर के संचालक खदान मालिक राहुल प्रहलाद पटेल एवं आयुष स्टोन क्रेशर के संचालक राजेश सिरोही पिता रामनारायण सिरोही निवासी हरदा द्वारा भूमि स्वामी तुलसीराम कोरकू के साथ मिलकर तालाब निर्माण की आड़ में 51884 घन मीटर क्षेत्र में पत्थर का उत्खनन कर गिट्टी का निर्माण कर लाभ कमाया गया।

जांच के बाद आरोप सही पाए गए

मामले की अनुविभागीय अधिकारी राजस्व खिरकिया और खनिज विभाग के अधिकारियों द्वारा जांच की गई। जांच में आरोप सही पाए गए। जिस पर कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी हरदा सिद्धार्थ जैन ने मप्र खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के तहत कार्रवाई की।

आरबीआई ने की रेपो रेट में 50 बेसिस प्वॉइंट की कटौती, यह लगातार तीसरी बार है जब आरबीआई ने इस साल रेपो रेट में कटौती की

होम लोन, पर्सनल लोन और फ्लोटिंग रेट लोन की ईएमआई हो सकेगी कम

रेपो रेट 6 से घटकर 5.5% हो गई, बैंकिंग प्रणाली में लिक्विडिटी डालने की तैयारी

क्रिप्टो करेंसी पर केंद्रीय बैंक के रुख में फिलहाल कोई बदलाव नहीं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को रेपो रेट में 50 बेसिस प्वॉइंट की कटौती की। यह लगातार तीसरी बार है जब आरबीआई ने इस साल रेपो रेट में कटौती की है।

जीडीपी अनुमान 6.5 प्रतिशत पर बरकरार

बेंचमार्क उधार दर यानी रेपो रेट में 50 बीपीएस (आधार अंकों की कटौती की गई)। रेपो रेट अब 6 प्रतिशत से घटकर 5.5 प्रतिशत हो गई है। केंद्रीय बैंक ने अपनी मौद्रिक नीति का रुख उदार से बदलकर फिर से तटस्थ कर दिया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने नकद आरक्षित अनुपात यानीकैश रिजर्व रेशियों में भी 100 आधार अंकों की कटौती ऐलान किया है।

बैंकों पर रेपो रेट का असर कैसे पड़ता है?

भारतीय रिजर्व बैंक की रेपो रेट की कटौती का मतलब यह नहीं है कि कॉमर्शियल बैंकों की ब्याज दरें अपने आप घट जाएंगी। लेकिन अक्टूबर 2019 के बाद से, सभी फ्लोटिंग रेट होम लोन को बाहरी बेंचमार्क से जोड़ा गया है।

स्टारलिंक को भारत में भी मिला लाइसेंस, 15 दिन में होगा ट्रायल

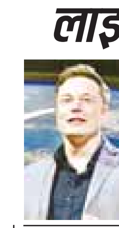

नई दिल्ली। ट्राई (भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण) ने सैटकॉम कंपनियों के लिए स्पेक्ट्रम के प्रशासनिक आवंटन की सिफारिश की है, लेकिन डॉट ने इन सिफारिशों को अभी तक मंजूरी नहीं दी है। ट्राई ने यह भी सिफारिश की है कि सैटकॉम कंपनियों से एजीआर (एजजस्टेड ग्रॉस रेवेन्यू) का 4% शुल्क लिया जाए।

युवक पर बाघ का हमला गले पर पंजे से मारा, मौत

बुरहानपुर। बोदरली रेंज के चाकबारा गांव से सटे मगरडोह के जंगल में शुक्रवार सुबह दर्दनाक हादसा हुआ। गोंद निकालने गए 22 वर्षीय युवक पर बाघ ने हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान गुणेश पुत्र सुरपाल भिलाला के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कुछ देर तक युवक ने बचने की कोशिश की, लेकिन बाघ के पंजे से गले पर गहरा घाव लगने से उसकी मौत हो गई। शव के पास बाघ काफी देर तक बैठा रहा। ग्रामीणों ने शोर मचाया, तब जाकर वह जंगल की ओर भागा। तीन अन्य युवक गोंद निकाल रहे थे। वे गांव लौटे तो गणेश की तलाश की गई।

'बारात का घोड़ा' कौन... राहुल गांधी के बयान पर सियासत और तेज

पटवारी का तंजः सिंधिया बाराती घोड़े... सत्ता के आसपास नाचते हैं

भाजपा विधायक बोले : ज्योतिरादित्य कोहिनूर, कांग्रेस कबाड़ समझती थी

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कि कमलनाथ सरकार के पतन का दुख कांग्रेस से अब तक गया नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया पर तीखा हमला बोला और उन्हें 'बाराती घोड़ा' करार देते हुए कहा कि वे सत्ता के आसपास नाचते हैं। इस बयान पर भाजपा विधायक प्रीतम लोधी ने पलटवार करते हुए सिंधिया को 'कोहिनूर हीरा' बताया और कांग्रेस पर तंज कसा कि वह उन्हें कबाड़ समझती थी। यह सियासी वार-पलटवार राहुल गांधी के हालिया बयान से शुरू हुआ, जिसमें उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए लंगड़े घोड़े, बाराती घोड़े और रेस के घोड़े का जिक्र किया था। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने भी कांग्रेस पर पलटवार करते हुए कहा कि कमलनाथ सरकार के पतन का दुख कांग्रेस से अब तक गया नहीं। इसलिए, वे निराधार आरोप लगाकर भ्रम फैलाने की कोशिश कर जीतू पटवारी...रहे हैं।

हमारे कई लोग सत्ता के लिए ही भाजपा में गए : पटवारी

जीतू पटवारी ने कहा कि मैंने दो दिन से सिंधिया का बयान देखा। वे विदेश में पढ़े हैं, लेकिन भारतीय मुहावरों को शायद नहीं समझते। राहुल गांधी ने कार्यकर्ताओं को प्रेरित किया कि जो मेहनत और बहादुरी से लड़ेगा, पार्टी उसके साथ खड़ी रहेगी।

अखाड़ा परिषद से निष्कासन की मांग

परमानंद गिरी के बयान से संत समाज में 'आक्रोश'

उज्जैन। 1 जून को हरिद्वार में आयोजित कार्यक्रम में उत्तराखंड के सीएम पुष्कर धामी, स्वामी परमानंद गिरि महाराज, साध्वी ऋतम्भरा सहित बड़ी संख्या में संत, महंत शामिल हुए थे। इस दौरान परमानंद गिरि महाराज ने दंत कथा सुनाते हुए संतों की तुलना कुत्तों से कर दी। इस दौरान वहां बैठे अन्य संत जमकर ठहाके लगाते हुए नजर आए। परमानंद महाराज का वीडियो वायरल होने के बाद अब बवाल मच गया है। उज्जैन के साथ ही अन्य स्थानों पर भी संत महंतों ने इस बयान पर आक्रोश व्यक्त किया और अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद से मांग की है कि स्वामी परमानंद सरस्वती को तत्काल महामंडलेश्वर पद से हटाया जाए।

15 दिन में 20 गुना हुए कोरोना के सक्रिय केस

आंकड़ा 5000 के पार, 24 घंटे में चार लोगों की मौत, केरल सर्वाधिक प्रभावित

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश भर में कोरोना के मामलों में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। देश में कोरोना के सक्रिय मामले 5000 के पार पहुंच गए हैं। 22 मई को यह आंकड़ा 275 था। बीते 15 दिन में कोरोना के सक्रिय में 20 गुना वृद्धि देखने को मिली है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, देश में छह जून तक संक्रमितों की संख्या 5,364 हो गए हैं। इनमें से करीब 500 लोग पिछले 24 घंटे में संक्रमित हुए। वहीं, 4,700 से अधिक लोग संक्रमित होने के बाद ठीक हो चुके हैं। वहीं, गत 24 घंटों में चार लोगों की जान गई है। जनवरी से अभी तक कोरोना से कुल 55 लोगों की मौत हुई है। केरल सबसे अधिक प्रभावित हुआ है।

भारत में सक्रिय कोरोना मामलों में केरल सबसे अधिक प्रभावित राज्य बना हुआ है। इसके बाद गुजरात, पश्चिम बंगाल और दिल्ली का नंबर आता है। देश भर में कोरोना के कुल सक्रिय मामले 5,364 हो गए हैं

खास बातें

- केंद्र सरकार तैयारियों की जांच के लिए मॉक ड्रिल कर रही
- गुजरात, पश्चिम बंगाल और दिल्ली में भी बढ़ रहे हैं प्रकरण

राज्यों को कोरोना से निपटने के दिए निर्देश

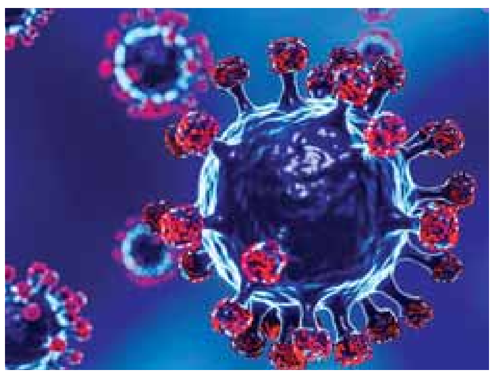

केरल में 1,600 से अधिक मामले सामने आए हैं। इसके बाद गुजरात, पश्चिम बंगाल, दिल्ली और महाराष्ट्र हैं। मामलों में वृद्धि को देखते हुए केंद्र कोरोना के लिए तैयारियों की जांच करने के लिए मॉक ड्रिल कर रहा है। सभी राज्यों को कोविड के बढ़ते मामलों को देखते हुए ऑक्सीजन, आइसोलेशन बेड, वेंटिलेटर और आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, अधिकांश मामले हल्के या बिना लक्षणों वाले हैं।

समीक्षा बैठकें की जा रही

इससे पहले 2 और 3 जून को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक डॉ. सुनीता शर्मा की अध्यक्षता में आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ, आपातकालीन प्रबंधन प्रतिक्रिया प्रकोष्ठ, राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम, दिल्ली में केंद्र सरकार के अस्पतालों के प्रतिनिधियों और सभी राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधियों के साथ मौजूदा कोरोना स्थिति और तैयारियों का मूल्यांकन करने के लिए तकनीकी समीक्षा बैठकों की एक सीरीज आयोजित की गई थी।

नमूनों की जीनोम जांच कर रहे वैज्ञानिक

सूत्रों के अनुसार एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम के तहत राज्य और जिला निगरानी इकाइयां इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी (आईएलआई) और गंभीर तीव्र श्वसन बीमारी (एसएआरआई) की बारीकी से निगरानी कर रही हैं। दिशानिर्देशों के अनुसार सभी भर्ती एसएआरआई मामलों और 5 प्रतिशत आईएलआई मामलों के लिए परीक्षण की सिफारिश की जाती है। सकारात्मक एसएआरआई नमूनों को भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद वीआरडीएल नेटवर्क के माध्यम से संपूर्ण जीनोम अनुक्रमण के लिए भेजा जाता है।

संक्रमण कम हो रहा चिंता की बात नहीं

अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. चंद्रकांत लहरिया ने कहा है कि कोरोनावायरस के कारण होने वाला संक्रमण हर गुजरते साल के साथ कमजोर हो रहा है। यह अब मात्र श्वसन संबंधी एक और बीमारी है तथा फ्लू से कम खतरनाक है जो चिंता का विषय नहीं है। हरियाणा स्थित अशोका विश्वविद्यालय के डीन अनुराग अग्रवाल ने कहा कि इसके सभी उप स्वरूप एक जैसे हैं, जो अत्यधिक संक्रामक लेकिन कमजोर हैं। जिन लोगों की रोग प्रतिरोधी क्षमता अत्यंत कमजोर है वे बीमार हो रहे हैं।

खबर संक्षेप

कोयला घोटाले में पूर्व सचिव गुप्ता बरी

नई दिल्ली। सीबीआई की एक विशेष अदालत ने कोयला घोटाला मामले में पूर्व कोयला सचिव एचसी गुप्ता, पूर्व संयुक्त सचिव (कोयला) के एस क्रोफा और तत्कालीन निदेशक केसी समारिया को बरी कर दिया। अदालत ने जेएएस इन्फ्रास्ट्रक्चर कैपिटल के तत्कालीन निदेशक मनोज जायसवाल को दोषी ठहराया।

बिना सोच-विचार किए अग्रिम जमानत न दें

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि गंभीर अपराधों से जुड़े मामलों में अग्रिम जमानत बिना सोच-विचार किए नहीं दी जानी चाहिए। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, संजय करोल और संदीप मेहता की तीन सदस्यीय पीठ ने हत्या के एक मामले में चार आरोपियों को अग्रिम जमानत दिए जाने के आदेश को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की।

नेपाली व्यक्ति ने लिव इन पार्टनर की हत्या की

हैदराबाद। हैदराबाद पुलिस ने यहां एक महिला की हत्या का मामला सुलझा लिया है, जिसका शव एक सुनसान इलाके में 'ट्रैवल बैग' में मिला था। हत्या के आरोप में उसके लिव-इन पार्टनर को गिरफ्तार किया गया है। साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय ने बताया गया कि महिला (33) और आरोपी (30) दोनों नेपाल के मूल निवासी हैं।

कमल हासन ने नामांकन पत्र दाखिल किया

चेन्नई। मक्कल निधि मय्यम के अध्यक्ष और मशहूर अभिनेता कमल हासन ने तमिलनाडु से राज्यसभा के लिए 19 जून को होने वाले द्विवार्षिक चुनाव के लिए को नामांकन पत्र दाखिल किया। हासन ने सीएम एमके स्टालिन, डिप्टी सीएम उदयनिधि स्टालिन की मौजूदगी में दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए।

आरसीबी का जश्न : चिन्नास्वामी स्टेडियम भगदड़ मामला

कर्नाटक हाईकोर्ट से केएससीए को मिली राहत, दंडात्मक कार्रवाई पर लगाई रोक

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के अध्यक्ष रघु राम भट और कुछ अन्य पदाधिकारियों ने शुक्रवार को कर्नाटक हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। अदालत की ओर से कहा गया है कि अगली सुनवाई तक किसी भी अधिकारी के खिलाफ कोई कार्रवाई न की जाए।

कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ को कर्नाटक हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के अध्यक्ष रघु राम भट और कुछ अन्य पदाधिकारियों ने शुक्रवार को कर्नाटक हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। उन्होंने कोर्ट से चिन्नास्वामी स्टेडियम भगदड़ मामले में दर्ज एफआईआर रद्द करने की मांग की। कोर्ट ने इस मामले पर सुनवाई करते हुए राज्य क्रिकेट संघ के पदाधिकारियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने पर रोक लगा दिया। बता दें कि, पुलिस ने गुरुवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, इवेंट मैनेजमेंट फर्म डीएनए एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड और कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। जिसके कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) हाईकोर्ट की शरण में पहुंचा था। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने अधिकारियों को राज्य क्रिकेट संघ के पदाधिकारियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने से रोक दिया। अदालत की ओर से कहा गया है कि अगली सुनवाई तक किसी भी अधिकारी के खिलाफ कोई कार्रवाई न की जाए। यह भगदड़ बुधवार शाम को स्टेडियम के सामने हुई, जहां बड़ी संख्या में लोग आरसीबी टीम की आईपीएल जीत के जश्न में शामिल होने के लिए उमड़े थे। इस घटना में 11 लोगों की मौत हो गई और 56 लोग घायल हो गए थे।

आगे की पूरी जांच सीआईडी करेगी

खुफिया विभाग के प्रमुख का भी ट्रांसफर

सिद्धारमैया के राजनीतिक सचिव की छुट्टी

शुक्रवार को कर्नाटक सरकार ने एमएलसी के गोविंदराज की तत्काल प्रभाव से सीएम सिद्धारमैया के राजनीतिक सचिव के पद से छुट्टी कर दी गई है। इसके अलावा, खुफिया विभाग के प्रमुख हेमंत निंबालकर का भी ट्रांसफर कर दिया गया है। बुधवार की सुबह भगदड़ से कुछ घंटे पहले सीएम के घर पर एक अहम बैठक के दौरान गोविंदराज ने आरसीबी की जीत का जश्न मनाने की अनुमति देने पर जोर दिया था। इस दौरान पुलिस कमिश्नर ने तीन कार्यक्रमों पर सहमति देने से मना कर दिया और

4 अधिकारी गिरफ्तार

भगदड़ मामले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और इवेंट मैनेजमेंट फर्म डीएनए एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के चार अधिकारियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्हें क्राइम ब्रांच और बेंगलुरु पुलिस की ओर से एक संयुक्त अभियान में गिरफ्तार किया गया। बेंगलुरु के पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह ने भी पुष्टि की कि भगदड़ मामले में कुछ गिरफ्तारियां की गई हैं। हमारी टीमें मामले को बहुत गंभीरता से ले रही हैं और आखिरकार मामला सीआईडी के पास जाना है। इसलिए सीआईडी के पास जाने से पहले हमारी टीम की ओर से जो भी कानूनी औपचारिकताएं पूरी करनी हैं, वे कर रही हैं। गिरफ्तारी से पहले आरसीबी के मार्केटिंग और रेवेन्यू हेड निखिल सोसले, डीएनए एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के सुनील मैथ्यू और किरण कुमार से पूछताछ की गई। सोसले को शुक्रवार सुबह दुबई जाते समय गिरफ्तार किया गया।

जयललिता को दोषी करार देने वाले जज कुन्हा करेंगे जांच

कर्नाटक के सीएम सिद्धरमैया ने इस भगदड़ की न्यायिक जांच के लिए कर्नाटक हाई कोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस जॉन माइकल डीकुन्हा की अध्यक्षता में एक सदस्यीय आयोग का गठन किया है। सीएम सिद्धरमैया ने खुद इसकी जानकारी प्रेस कॉन्फ्रेन्स कर दी है। कुन्हा 2014 में तब चर्चा में आए थे, जब सांसदों के खिलाफ मामलों की सुनवाई करने वाले विशेष न्यायाधीश के रूप में उन्होंने तमिलनाडु की तत्कालीन सीएम जे जयललिता को आय से अधिक संपत्ति के मामले में दोषी ठहराया था। इसके बाद नवंबर 2016 में उन्हें कर्नाटक हाई कोर्ट का एडिशनल जज नियुक्त किया गया था। नवंबर 2018 में उन्हें फिर वहीं स्थायी जज बनाया गया। 2021 में वह इस पद से रिटायर हो गए। एसडीएम लॉ कॉलेज से स्नातक करने वाले कुन्हा ने 1985 में अपनी वकालत शुरू की थी।

राहुल गांधी ने पीएम पर साधा निशाना

देश की सच्चाई जाननी है 'एक्स-रे' करना चाहता हूं

एजेंसी ▶▶ पटना

लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शुक्रवार को राजगीर पहुंचे। अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में संविधान सुरक्षा सम्मेलन का आयुओजं किया गया। वहां उन्होंने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि एक तरफ गांधी की सोच है, तो दूसरी तरफ सावरकर और गोडसे की सोच। ये लड़ाई आज की नहीं, हजारों साल पुरानी है। संविधान में जो बातें लिखी गई हैं, वह बुद्ध के विचारों से निकली हैं। हमें मिलकर संविधान और सच्चाई की रक्षा करनी है और बिहारियों के बिना संविधान को बचाया नहीं जा सकता। राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर हमला करते हुए कहा कि पीएम मोदी को सरेंडर करने की आदत है। ट्रंप ने 11 बार कहा कि उन्होंने मोदी जी से सरेंडर करवा लिया। मोदी जी इसका खंडन भी नहीं कर पा रहे हैं, क्योंकि वो सच्चाई है। राहुल गाँधी ने कहा कि देश की 90% आबादी दुख की शेयरहोल्डर है। इनकी सत्ता और फैसलों में कोई भागीदारी नहीं है।

सरकार की जाति जनगणना नकली

राहुल गांधी ने कहा कि कहा कि जातीय गणना के दो मॉडल हैं। एक तो भाजपा का (मॉडल) है, जिसमें सब कुछ नौकरशाहों द्वारा बंद दरवाजों के पीछे तय किया जाता है, जिनमें वंचित जातियों से शायद ही कोई होगा। दूसरा मॉडल (कांग्रेस शासित) तेलंगाना का है, जहां दलित संगठनों और नेताओं को शामिल किया जाता है और सर्वेक्षण में भाग लेने वाले लोग अस्पृश्यता जैसी चीजों के बारे में अपने अनुभव खुलकर बताते हैं। मेरा लक्ष्य है जातीय जनगणना। मैंने संसद में पीएम की आंखों में आंख डालकर कहा कि देश में जाति जनगणना होकर रहेगी। उन्होंने कहा कि आप लोग भ्रम में मत रहिए- ये जो जाति जनगणना कर रहे हैं, वो असली नहीं है। जिस दिन इन्होंने असली जाति जनगणना कर दी, उसी दिन इनकी राजनीति खत्म हो जाएगी।

आसानी से आत्मसमर्पण कर देते हैं

राहुल गांधी ने कहा कि मैं आरएसएस से लड़ रहा हूं और वे बहुत आसानी से आत्मसमर्पण कर देते हैं। उन्हें दया याचिका लिखने में ज्यादा समय नहीं लगता। बेशक, आधुनिक तकनीक ने पेन और कागज की जगह वाट्सएप को जन्म दे दिया है। उनका यह इशारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विचारक विनायक दामोदर सावरकर द्वारा ब्रिटिश राज को लिखी गई क्षमादान याचिका की ओर था, जब वह अंडमान की सेलुलर जेल में बंद थे। उन्होंने कहा कथित तौर पर आत्मसमर्पण की प्रवृत्ति तब भी काम कर रही थी जब संघ के पूर्व प्रचारक मोदी ने जातीय गणना की मांग के आगे घुटने टेक दिए थे।

ईडी के निशाने पर आए एक्टर

मीठी नदी घोटाले में डिनो मोरिया के घर पर छापेमारी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

मुंबई के मीठी नदी घोटाले मामले में अभिनेता डिनो मोरिया तक ईडी पहुंच गई है। ईडी ने मीठी नदी सफाई घोटाले से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत शुक्रवार को उनके घर पर भी छापेमारी की है। छापेमारी डिनो मोरिया और उनके भाई समेत कुछ अन्य लोगों के ठिकानों पर भी की गई है। ईओडब्ल्यू उनसे पहले ही दो बार पूछताछ कर चुकी है।

बीएमसी को 65 करोड़ का नुकसान हुआ

मीठी नदी घोटाला मुंबई महानगरपालिका की ओर से मीठी नदी की सफाई में इस्तेमाल होने वाले स्लज पुशर और ड्रेजिंग मशीनों की खरीद-फरोख्त से जुड़ा है। आरोप है कि इन मशीनों को कोच्चि की कंपनी मैटप्रॉप टेक्निकल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड से ऊंचे दामों पर किराए पर लिया गया और इसमें भारी वित्तीय गड़बड़ी हुई। इसमें बीएमसी को 65 करोड़ रुपए का नुकसान होने का आरोप है।

केंद्रीय मंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी बोले

पीएम आवास में मार्च 2029 तक बनेंगे 4.95 करोड़ घर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय ग्रामीण विकास और संचार राज्य मंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण योजना का लक्ष्य मार्च 2029 तक 4.95 करोड़ मकान बनाना है। अभी तक 3.90 करोड़ लक्ष्य तय किए गए हैं, 3.69 करोड़ मकानों को मंजूरी दी जा चुकी है और 2.76 करोड़ मकान पूरे हो चुके हैं।

ग्रामीण समुदाय सशक्त हो

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 'विकसित भारत' का सपना तब तक पूरा नहीं हो सकता जब तक हमारे ग्रामीण समुदाय सशक्त नहीं होंगे। जब हमारे गांव समृद्ध होते हैं, तब भारत समृद्ध होता है। पीएम मोदी की परिवर्तनकारी सोच समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान की भावना को साकार करती है। यह योजना केवल एक नीति भर नहीं है बल्कि इससे लाखों लोगों को आशा मिली, सपनों को ठोस रूप मिला।

रिजिजू ने लॉन्च किया 'उम्मीद' पोर्टल

वक्फ संपत्तियों की रियल-टाइम अपलोडिंग सत्यापन और निगरानी की सुविधा मिलेगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य और संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने उम्मीद सेंट्रल पोर्टल का शुभारंभ किया। यह पोर्टल भारत में वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन को आधुनिक और पारदर्शी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस अवसर पर अल्पसंख्यक कार्य राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन भी मौजूद रहे। रिजिजू ने कहा कि यह पोर्टल वक्फ संपत्ति प्रशासन के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ेगा और विशेष रूप से मुस्लिम समाज के आम लोगों, महिलाओं और बच्चों को लाभ देगा। उन्होंने कहा कि उम्मीद पोर्टल पारदर्शिता लाएगा और यह सुनिश्चित करेगा कि वक्फ संपत्तियों का सही उपयोग हो।

जियो टैगिंग से होगी पहचान

पोर्टल का उद्देश्य वक्फ संपत्तियों के उपयोग को सही दिशा में ले जाना और कमजोर तबकों के कल्याण में योगदान देना है। यह डिजिटल प्लेटफार्म वक्फ संपत्तियों की जियो-टैगिंग, जीआईएस मैपिंग और ई-गवर्नेंस टूल्स के साथ एकीकृत है, जिससे संपत्तियों की पहचान और प्रबंधन आसान हो सके।

वक्फ संपत्ति का हिसाब रखेंगे : राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन ने कहा कि इस प्रणाली से यह सुनिश्चित होगा कि हर वक्फ संपत्ति का हिसाब रखा जाए और उसका उपयोग उसी उद्देश्य के लिए हो, जिसके लिए वह दी गई थी।

सेबी ने उठाया कदम

मेहुल चोकसी के बैंक, डीमैट और एमएफ खाते जब्त किए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

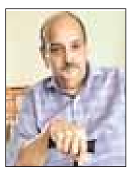

सेबी ने 2.1 करोड़ की बकाया वसूली के लिए मेहुल चोकसी के बैंक, डीमैट और एमएफ खाते जब्त किए हैं। यह कदम 15 मई को चोकसी को जारी किए गए एक डिमांड नोटिस के बाद उठाया गया है, जिसमें चेतावनी दी गई थी कि यदि वह 15 दिनों के भीतर भुगतान करने में विफल रहता है तो उसकी संपत्तियों के साथ-साथ बैंक खातों को भी कुर्क कर लिया जाएगा। चोकसी द्वारा गीतांजलि जेम्स के शेयरों में इनसाइडर ट्रेडिंग नियमों के उल्लंघन के मामले में जनवरी 2022 में भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा लगाए गए जुर्माने का भुगतान करने में विफल रहने के बाद यह कार्रवाई की गई।

विजय माल्या का दावा, मैं चोर नहीं, चोरी कहां हुई

भगोड़े शराब कारोबारी विजय माल्या ने एक पॉडकास्ट में कहा कि मेरे मार्च 2016 के बाद से भारत न जाने के कारण मुझे भगोड़ा कह सकते हैं। लेकिन मैं भागा नहीं था। मैं पहले से तय यात्रा पर भारत से बाहर गया था। मैं उन कारणों से वापस नहीं लौटा, जो मुझे उस वक्त सही लगे। ऐसे में अगर आप मुझे भगोड़ा कहना चाहते हैं, तो कहिए। मगर चोर कहने का क्या मतलब है..चोरी कहां हुई। माल्या ने कहा कि मैं किंगफिशर संकट को लेकर तत्कालीन वित्त मंत्री प्रणब मुखर्जी से मिला था। तब मुखर्जी ने कहा था आकार में कटौती न करें। बैंक आपका समर्थन करेंगे।

स्कॉटलैंड की जेल में है चोकसी

भारतीय जांच एजेंसियों द्वारा प्रत्यर्पण अनुरोध के बाद अप्रैल में चोकसी को बेल्जियम में गिरफ़्तार किया गया था। पिछले साल जब वह इलाज के लिए बेल्जियम गया था, तब उसे बेल्जियम में पाया गया था। वह भारत छोड़ने के बाद 2018 से एंटीगुआ में रह रहा था। मोदी को मार्च 2019 में स्कॉटलैंड यार्ड पुलिस ने गिरफ्तार किया था और वह फिलहाल उस देश की जेल में है।

निर्माण समिति के अध्यक्ष मिश्र बोले- राम दरबार के लिए बन रहा रास्ता

अयोध्या राम मंदिर में अब तक 45 किलो सोना लगा

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

अयोध्या राम मंदिर में अब तक 45 किलो खरा (24 कैरेट) सोने का इस्तेमाल किया गया है। जिसकी कीमत टैक्स छोड़कर करीब 50 करोड़ रुपए है। यह दावा शुक्रवार को राम मंदिर निर्माण समिति चेयरमैन पूर्व आईएएस नृपेंद्र मिश्र ने किया। उन्होंने बताया कि मंदिर के ग्राउंड फ्लोर पर गर्भगृह, जहां रामलला विराजमान हैं, वहां सभी 20 दरवाजों और सिंहासन में सोना मढ़ा गया है। ग्राउंड फ्लोर पर 14 और पहले फ्लोर पर 6 दरवाजे हैं। सभी पर 3-3 किलो सोने की परत चढ़ाई गई है। मंदिर के भूतल पर बने दरवाजों और भगवान राम के सिंहासन में बड़े पैमाने पर सोने का इस्तेमाल किया गया है। इसके अलावा, शेषावतार मंदिर में सोने का काम अब भी जारी है। नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के एक बहुत बड़े कारोबारी हैं, दिलीप उनका नाम हैं। उन्होंने सोमनाथ और काशी के विश्वनाथ मंदिर में भी सोना दान किया था। यहां पर उन्होंने करीब 45-50 किलो सोना दान किया है।

भगवान राम के सिंहासन में बड़े पैमाने पर सोने का उपयोग

गुजरात के व्यवसायी ने हीरे जड़ित मुकुट और सोने के धनुष दान किए

गुजरात के सूरत के रहने वाले हीरा कारोबारी मुकेश पटेल ने अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास को 11 मुकुट और एक सोने का धनुष और बाण सहित कई बहुमूल्य आभूषण और अस्त्र-शस्त्र दान किए हैं। वह प्रसिद्ध आभूषण फर्म ग्रीन लैब के मालिक हैं। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष दिनेश नेवाडिया ने पुष्टि की कि दान में हीरे, सोने, चांदी और माणिक से बनी वस्तुएं शामिल हैं। नेवाडिया ने बताया कि मुकेश पटेल ने 1000 कैरेट हीरे, 30 किलोग्राम चांदी, 300 ग्राम सोना और 300 कैरेट माणिक से बने 11 मुकुट दान किए हैं।

राम मंदिर का मुख्य निर्माण काम पूरा

नृपेंद्र मिश्र ने कहा कि राम मंदिर के मुख्य ढांचे का निर्माण काम पूरा हो चुका है। अब केवल रामकथा मंडप, संग्रहालय, सभागार और गेस्ट हाउस का काम बाकी है। ये दिसंबर 2025 तक पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि राम मंदिर का निर्माण मानव शक्ति से नहीं, बल्कि भगवान श्रीराम की कृपा और दैविक शक्ति से संभव हुआ है। दर्शन व्यवस्था को लेकर तैयारियां की जा रही हैं।

भारतीय पर्यटकों के लिए खुशखबरी

पलाऊ देश ने किया भारतीयों के लिए 30 दिन वीजा फ्री, बिना किसी झंझट के करें खूबसूरत देश की सैर

एजेंसी ▶▶ नगेरुलमुद

पलाऊ नाम का एक छोटा-सा देश, जो समुंदर के बीच माइक्रोनेशिया में बसा है, अब भारतीय नागरिकों को 30 दिन तक बिना वीजा के घूमने की अनुमति दे रहा है। ये फैसला टूरिज्म बढ़ाने और भारत से रिश्ते मजबूत करने के लिए लिया गया है। पलाऊ अपनी साफ-सुथरी समुंदर की दुनिया, रंग-बिरंगी मछलियों और पुराने ऐतिहासिक स्थलों के लिए मशहूर है।

अभी तक आप कई देशों के बारे में सुन रहे होंगे कि फला देश भारतीयों को फ्री वीजा ऑफर कर रहा है, मतलब आप इन जगहों पर पासपोर्ट के साथ और कुछ जरूरी डॉक्युमेंट्स के साथ सफर कर सकते हैं। लेकिन अब इस देश की लिस्ट में एक और देश भी जुड़ चुका है। जानकारी के मुताबिक, पर्यटन को बढ़ावा देने और भारत से रिश्ते मजबूत करने के लिए पलाऊ नाम के देश ने भारतीय नागरिकों को 30 दिन तक वीजा फ्री एंट्री देने की घोषणा की है। ये जगह खासकर उन लोगों के लिए है जो प्राकृतिक और शांत माहौल में घूमना पसंद करते हैं। ये खबर फिलीपींस की वीजा फ्री एंट्री की घोषणा के कुछ समय बाद आई है।

दोनों देशों की दोस्ती से मिलेगा पर्यटन को बढ़ावा

फिलहाल, ये नई सुविधा भारत के लिए एक बड़ी बात है क्योंकि इससे अब कुल 58 देश ऐसे हो गए हैं, जो भारतीय पासपोर्ट धारकों को वीजा-फ्री या वीजा-ऑन-अराइवल एंट्री देते हैं। इससे भारतीयों के लिए विदेश यात्रा करना आसान होगा और भारत के दूसरे देशों से रिश्ते भी और मजबूत होंगे। तो अब आप भी पालाउ की खूबसूरत जगहें, समुद्री दुनिया और इतिहास से जुड़े खास स्थान बिना वीजा के घूम सकते हैं। ये कदम दोनों देशों के बीच दोस्ती बढ़ाने और पर्यटन को आगे बढ़ाने में मदद करेगा।

पलाऊ 340 द्वीपों का एक छोटा-सा देश

पलाऊ लगभग 340 द्वीपों का एक छोटा-सा देश है, जो एडवेंचर करने के लिए रिलेक्स होने के लिए और नेचर लवर्स के लिए किसी जन्नत से कम नहीं है। यहां की सबसे मशहूर जगहें हैं, रॉक आइलैंड्स ब्लू कॉर्नर जैसे डाइविंग स्पॉट और जेलीफिश लेक, जहां बिना डरे आप जेलीफिश के साथ तैर सकते हैं! चूंकि लोग अब नई-नई जगहों पर जाना चाहते हैं, तो अब पलाऊ भी भारतीय टूरिस्टों में भी पॉपुलर हो रहा है। अब वीजा फ्री होने के बाद जल्द ही ये जगह और भी ज्यादा मशहूर होने वाली है।

भविष्य में भारत से सीधे उड़ानों की संभावना

भारत से पलाऊ जाने के लिए आपको मनीला (फिलीपींस), ताइपेई (ताइवान) या सियोल (दक्षिण कोरिया) जैसे शहरों से फ्लाइट बदलनी पड़ती है। भविष्य में भारत से सीधे उड़ानें शुरू होने की भी संभावना है, जिससे वहां पहुंचना और भी आसान हो जाएगा।

खबर संक्षेप

अखिल अक्किनेनी ने जैनब से रचाई शादी

हैदराबाद। साउथ सुपरस्टार नागार्जुन के दूसरे बेटे और टॉलीवुड एक्टर अखिल अक्किनेनी शादी के बंधन में बंध गए हैं। उन्होंने अपनी लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड जैनब रावजी के साथ ट्रेडिशनल तेलुगु स्टाइल में सात फेरे लिए हैं। दोनों की शादी नागार्जुन के हैदराबाद स्थित घर जुबली हिल्स में सीक्रेट तरीके से हुई। परिवार के सदस्य और करीबी दोस्त मौजूद थे। भाई नागा चैतन्य और भाभी शोभिता धुलिपाला भी फंक्शन का हिस्सा बने।

चेतावनी: दुनिया में फिर लौटेगी जानलेवा महामारी

टोक्यो। जापान के एक प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक, जिन्हें अक्सर प्रसिद्ध बुल्गेरियाई भविष्यवक्ता बाबा वेंगा से तुलना की जाती है, उन्होंने एक डराने वाली भविष्यवाणी की है। अपनी कुछ सटीक भविष्यवाणियों के लिए जानी जाने वाली कॉमिक कलाकार और भविष्यवक्ता रियो तात्सुकी ने 2030 में एक घातक वायरस के उभरने की चेतावनी दी है। उनका दावा है कि यह वायरस कोविड-19 महामारी की याद दिलाएगा और दुनिया के लिए एक बड़ा खतरा बन सकता है।

कटड़ा में पीएम मोदी की गर्जना

पाकिस्तान अब कभी भी 'ऑपरेशन सिंदूर' का नाम सुनेगा तो उसे अपनी शर्मनाक शिकस्त याद आएगी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर को 46 हजार करोड़ की परियोजनाओं की सौगात दी। उन्होंने चिनाब ब्रिज, अंजी पुल का उद्घाटन किया। पीएम मोदी ने जम्मू-कश्मीर के अपने दौरे के दौरान कटरा में एक जनसभा को संबोधित किया।

एजेंसी ▶▶ जम्मू

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर के कटड़ा में ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए पाकिस्तान पर जमकर निशाना साधा। पीएम मोदी ने कहा कि अब पाकिस्तान कभी भी ऑपरेशन सिंदूर का नाम सुनेगा तो उसे अपनी शर्मनाक शिकस्त याद आएगी।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को पहली बार जम्मू-कश्मीर पहुंचे। जहां पीएम मोदी ने चिनाब ब्रिज, अंजनी पुल का उद्घाटन किया। इसके साथ ही उन्होंने कटरा-श्रीनगर वंदे भारत ट्रेन को भी हरी झंडी दिखाई।

जम्मू-कश्मीर का नौजवान अब आतंकवाद को मुंहतोड़ जवाब देगा

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर का नौजवान अब आतंकवाद को मुंहतोड़ जवाब देने का मन बना चुका है। ये वो आतंकवाद है, जिसने घाटी में स्कूल जलाए, अस्पताल तबाह किए, जिसने कई पीढ़ियों को बर्बाद किया। जनता अपनी पसंद से नुमाइंदे चुन सके, यहां चुनाव हो सके। ये आतंकवाद के चलते बड़ी चुनौती बन गया था। आतंकवाद के चलते जम्मू-कश्मीर की जनता ने इतनी बर्बादी देखी थी कि यहां के लोगों ने सपने देखना ही छोड़ दिया था। आतंकवाद को ही अपना भाग्य मान लिया था। जम्मू-कश्मीर को इस स्थिति से निकालना जरूरी था और हमने ये करके दिखाया है।

पहलगाम में इंसानियत व कश्मीरियत पर वार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कटड़ा में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि पाकिस्तान ने पहलगाम में इंसानियत और कश्मीरियत दोनों पर वार किया। उसका इरादा भारत में दंगे कराने का था, कश्मीर के मेहनतकश लोगों की कमाई रोकने का था, इसलिए पाकिस्तान ने टूरिस्ट पर हमला किया। टूरिज्म जो लगातार 4-5 साल से बढ़ रहा था। हर साल यहां रिकॉर्ड संख्या में टूरिस्ट आ रहे थे। जिस टूरिज्म से जम्मू-कश्मीर के गरीबों के घर चलते हैं, उसको पाकिस्तान ने निशाना बनाया।

ये देखकर पाक पूरी तरह से बौखला गया

ये देखकर पाकिस्तान पूरी तरह से बौखला गया है और उसने अपना गुस्सा जम्मू के पुंछ और दूसरे जिलों के लोगों पर भी निकाला। पूरी दुनिया ने देखा कि कैसे पाकिस्तान ने यहां घर उजाड़े, बच्चों पर गोले फेंके। स्कूल, अस्पताल तबाह किए। मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे पर गोलाबारी की। जिस तरह से आपने पाकिस्तान के हमलों का मुकाबला किया, वो हर देशवासी ने देखा है।

जम्मू-कश्मीर विकास को रुकने नहीं दूंगा

पीएम मोदी ने कहा कि 3 जुलाई से अमरनाथ यात्रा भी शुरू होने वाली है, ईद की उमंग भी हम चारों तरफ देख रहे हैं। विकास का जो वातावरण जम्मू-कश्मीर में बना था, वो पहलगाम के हमले से हिलने वाला नहीं है। जम्मू-कश्मीर के लोगों से मेरा ये वादा है कि विकास को रुकने नहीं दूंगा; यहां के युवाओं के सपने पूरा करने से कोई भी बाधा अगर रुकावट बनती है तो उस बाधा को पहले मोदी का सामना करना पड़ेगा।

आतंक की इमारतें मिनटों में खंडहर बन गईं

संयोग से ठीक एक महीने पहले, 6 मई की ही रात पाकिस्तान के आतंकियों पर कयामत बरसी थी। अब पाकिस्तान कभी भी ऑपरेशन सिंदूर का नाम सुनेगा तो उसे अपनी शर्मनाक शिकस्त याद आएगी। पाकिस्तानी फौज और आतंकियों ने कभी नहीं सोचा था कि भारत, पाकिस्तान में घुसकर आतंकियों पर इस तरह वार करेगा। आतंक की जो इमारतें बनाई थीं, वो कुछ ही मिनटों में खंडहर बन गईं।

पीएम के स्वागत के लिए कटड़ा में बच्चों में दिखा उत्साह

धर्मनगरी कटड़ा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए राजनीतिक प्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ-साथ सरकारी व गैर-सरकारी स्कूलों के सैकड़ों छात्र-छात्राएं भी विशेष रूप से कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे, जिन्हें सरकारी बसों से लाया गया था। शहर के प्रमुख स्कूलों से चुने गए बच्चे पारंपरिक परिधानों में मोदी जी आपका स्वागत है जैसे नारों के साथ प्रधानमंत्री का भव्य स्वागत करने के लिए तैयार दिखे।

भारतीय शिष्टमंडल की मुहिम जारी

पाकिस्तान के बारे में कहीं भी अच्छा नहीं सुना: थरूर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत के सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल 33 देशों की राजधानियों का दौरा कर रहे हैं। अलग-अलग दलों में शामिल 51 सांसदों के अलावा कई राजनयिक, पूर्व केंद्रीय मंत्री और नौकरशाह 'टीम इंडिया' की तरह पाकिस्तानी दुष्प्रचार को धराशायी करने में जुटे हैं। इन शिष्टमंडलों में शामिल सभी लोग दहशतगर्दों के पनाहगाह पाकिस्तान और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार की नीतियों को अलग-अलग मंचों पर बेनकाब किया। शिष्टमंडलों ने अल्जीरिया, डेनमार्क, ब्रिटेन, इथियोपिया, फ्रांस, इटली जैसे देशों में भारत का पक्ष मजबूती से रखा। ग्रीस, बहरीन, कतर, रूस, जापान और यूएई जैसे देशों में भी दहशतगर्दों के खिलाफ भारत की जीरो टॉलरेंस नीति बताई गई। अब पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद नीत शिष्टमंडल तीन दिवसीय जर्मनी दौरे पर है।

आतंकवाद एक वैश्विक अभिशाप है: रविशंकर

इस दौरान भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा, 'इस भव्य संसद के उपाध्यक्ष के साथ बहुत अच्छी बैठक हुई। हमने आतंकवाद पर विचारों का आदान-प्रदान किया, वह बहुत स्पष्ट थे। आतंकवाद एक वैश्विक अभिशाप है और उन्होंने अपने लोगों को सुरक्षा देने के लिए भारत के प्रयासों की भी सराहना की और वैश्विक स्तर पर हमें आतंकवाद के क्षेत्र में मिलकर काम करने की जरूरत है और साथ ही इन दो महान देशों के बीच अच्छे आर्थिक सहयोग की भी जरूरत है।

सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने बैठक की

भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने जर्मन बुंडेस्टैग के सदस्य राल्फ ब्रिंकहॉस और विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष आर्मिन लैशेट के साथ बैठक की। बैठक के बाद विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष आर्मिन लैशेट ने कहा कि भू-राजनीतिक स्थिति में यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण क्षण है। हम जर्मनी के करीबी मित्र भारत को बर्लिन में पाकर खुश हैं।

घूमने जा रहे अपने नागरिकों को ऑस्ट्रेलिया ने दी एडवाइजरी

मालदीव में भड़क सकती है बगावत की 'चिंगारी'

एजेंसी ▶▶ कैनबरा

मालदीव घूमने जा रहे अपने नागरिकों को ऑस्ट्रेलिया ने खास चेतावनी दी है। ऑस्ट्रेलिया ने आशंका जताई है कि मालदीव में हिंसक प्रदर्शन हो सकते हैं इसलिए जो भी लोग गर्मियों में मालदीव जाने की प्लानिंग कर रहे हैं, वे हाई-अलर्ट पर रहें।

गर्मियों के मौसम में बड़ी संख्या में दुनियाभर से टूरिस्ट मालदीव घूमने के लिए जाते हैं, जिनमें भारतीय भी काफी ज्यादा हैं। इंडियन सिलेब्रिटी से लेकर आम नागरिक तक और कपल हनीमून के लिए अक्सर मालदीव ही जाते हैं। स्मार्टट्रैवलर ने अपनी वेबसाइट पर उन 76 देशों की लिस्ट

में मालदीव को रखा है, जो सुरक्षा के लिहाज से सुरक्षित नहीं हैं। इनमें ब्रिटेन, फ्रांस, इंडोनेशिया, संयुक्त अरब अमीरात, मेक्सिको, साइप्रस और केन्या जैसे देश शामिल हैं। स्मार्टट्रैवलर की तरफ से कहा गया कि ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों को मालदीव में हिंद महासागर आईलैंड में जाने से बचना है।

आतंकी घटनाएं देश में कहीं भी हो सकती हैं

स्मार्टट्रैवलर ने एडवाइजरी में नागरिकों से ऐसे इलाकों से दूर रहने के लिए कहा है और मालदीव प्रशासन की सलाह मानने को भी कहा है। हालांकि, एडवाइजरी में कहा गया कि रिसॉर्ट और होटल को सुरक्षित माना जाता है, लेकिन आतंकी घटनाएं देश में कहीं भी हो सकती हैं। एडवाइजरी के अनुसार आतंकी हमलों के निशाने पर सरकारी संस्थान ही होने की संभावना है, जहां पर्यटक अक्सर नहीं जाते हैं।

आवास में गैस लीकेज के बाद हुआ था धमाका

पाकिस्तान के पूर्व मंत्री अब्बास खान की मौत

एजेंसी ▶▶ पेशावर

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आवास पर गैस रिसाव के बाद हुए विस्फोट में पाकिस्तान के एक पूर्व मंत्री की मौत हो गई। घटना गुरुवार की है। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के पूर्व सीनेटर अब्बास खान अफरीदी सहित तीन लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अब्बास की इलाज के दौरान मौत हो गई। राजनीति में एक महत्वपूर्ण स्थान रखने वाले अफरीदी ने केंद्रीय मंत्री और सीनेटर के रूप में कार्य किया था। उन्होंने 2024 में पीएमएल-एन के साथ-साथ राजनीति भी छोड़ दी थी।

पुलिस ने कहा कि उन्होंने घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

हाई स्कूल में बम विस्फोट की घटना: वहीं, अज्ञात बदमाशों ने शुक्रवार तड़के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के एक सरकारी हाई स्कूल में बम विस्फोट किया। विस्फोट के कारण कई कमरे ढह गए।

भारत-सेंट्रल एशिया संवाद के उद्घाटन भाषण के दौरान बोले विदेश मंत्री

पहलगाम आतंकी हमले की निंदा पर एस.जयशंकर ने सेंट्रल एशियाई देशों का जताया आभार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 को हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा करने के लिए केंद्रीय एशियाई देशों का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने चौथे भारत-सेंट्रल एशिया संवाद के उद्घाटन भाषण के दौरान कहा "मैं सराहना करता हूं कि आपके देशों ने भारत का साथ दिया और इस जघन्य आतंकी हमले की स्पष्ट निंदा की। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ साझी प्रतिबद्धता को दोहराया। विदेश मंत्री ने भारत और सेंट्रल एशिया के

बीच ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा भारत अपने सेंट्रल एशियाई देशों से हजारों वर्षों पुराने सभ्यतागत और सांस्कृतिक संबंधों को बहुत सम्मान देता है। व्यापार, विचारों के आदान-प्रदान और लोगों के संपर्क के माध्यम से बने ये रिश्ते समय के साथ और मजबूत हुए हैं।

बढ़ती आवाजाही से संपर्क बेहतर हुआ

इस दौरान विदेश मंत्री ने बीते दशक में व्यापार और आर्थिक संबंधों में हुई प्रगति को उजागर किया। उन्होंने बताया कि भारत और सेंट्रल एशिया के बीच सीधी उड़ानों और पर्यटकों तथा व्यापारियों की बढ़ती आवाजाही से संपर्क बेहतर हुआ है। उन्होंने यह भी बताया कि बड़ी संख्या में भारतीय छात्र उच्च शिक्षा के लिए सेंट्रल एशियाई देशों का रुख कर रहे हैं।

इजराइली सेना ने अलग-अलग स्थानों पर आठ इमारतों को निशाना बनाया

ईद-अल-अधा से एक दिन पहले इजराइली सेना ने बेरूत के दक्षिणी हिस्से में हिज़्बुल्लाह के ड्रोन निर्माण से जुड़े ठिकानों पर हमला किया

बकरीद से पहले बेरूत में इजराइली सेना का एक्शन हिजबुल्ला के ड्रोन सेंटर पर किए ताबड़तोड़ हमले

एजेंसी ▶▶ बेरूत

ईद-अल-अधा से एक दिन पहले इजराइली सेना ने लेबनान की राजधानी बेरूत के दक्षिणी इलाके में हिज़्बुल्लाह के ड्रोन निर्माण से जुड़े अंडरग्राउंड ठिकानों पर हमला किया। इजराइली सेना ने बताया कि ये हमले चार अलग-अलग स्थानों पर आठ इमारतों को निशाना बनाकर किए गए। नवंबर में अमेरिका की मध्यस्थता से हुए संघर्ष विराम के बाद पहली बार एक महीने से अधिक समय बाद बेरूत के आसपास हमला हुआ है। हालांकि दक्षिण और पूर्वी लेबनान में इजराइल की ओर से रोज़ाना हमले जारी हैं, जिसे लेबनान सरकार संघर्ष विराम का उल्लंघन मानती है। सेना के अनुसार, हिज़्बुल्लाह ईरान के आतंकी समूहों की मदद से बड़ी संख्या में ड्रोन बना रहा है और भविष्य के युद्ध की तैयारी कर रहा है।

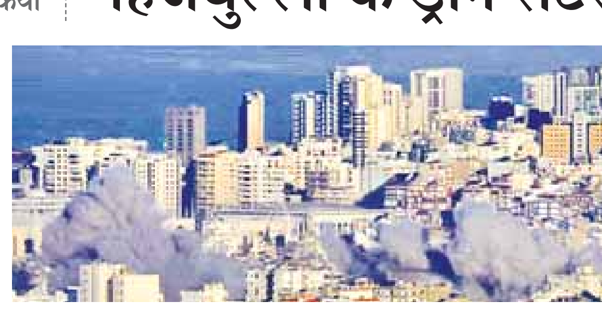

लेबनान सरकार का दावा- अब तक 4000 से अधिक लोगों की मौत

लेबनान सरकार का कहना है कि इस संघर्ष में अब तक 4,000 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं, जिनमें सैकड़ों आम नागरिक भी शामिल हैं। हिज़्बुल्लाह पर अपने हथियार छोड़ने का दबाव बढ़ रहा है, लेकिन उनका कहना है कि जब तक इजराइल हमले बंद नहीं करता और सीमावर्ती इलाकों से पूरी तरह नहीं हटता, वे अपने हथियार नहीं छोड़ेंगे।

ऑपरेशन स्पाइडर वेब के बाद यूक्रेन पर रूस के हमले तेज, चार लोगों की मौत

कीव। यूक्रेन में रूसी हमले लगातार जारी हैं। रूस ने अब राजधानी कीव को निशाना बनाया है। रूसी ड्रोन और मिसाइल हमलों में कीव में कम से कम चार लोगों की मौत हुई है और 20 लोग घायल हुए हैं। इससे एक दिन पहले, रूस ने यूक्रेन के उत्तरी शहर प्रिलुकी पर ड्रोन हमला किया था, जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई थी।

मरने वालों में एक बच्चा भी शामिल था। ऑपरेशन स्पाइडर वेब के बाद, रूस ने यूक्रेन पर मिसाइल और ड्रोन हमले तेज कर दिए हैं। रूस ने शुक्रवार सुबह यूक्रेन की राजधानी कीव पर बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन से हमला किया। इस हमले में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और 20 लोग घायल हो गए।

डोनाल्ड ट्रंप और एलन मस्क की तकरार

एपस्टीन फाइल जिसका जिक्र कर मस्क ने उठाई महाभियोग की मांग

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

डोनाल्ड ट्रंप और एलन मस्क के बीच आरोप-प्रत्यारोप की नौबत यहां तक पहुंच गई कि मस्क ने ट्रंप के महाभियोग तक की मांग कर दी। आईए जानते है मस्क और ट्रंप के बीच बात कैसे तू-तू, मैं-मैं से महाभियोग तक पहुंची।ॉ एलन मस्क राष्ट्रपति चुनाव प्रचार के दौरान न केवल ट्रंप का समर्थन का रहे थे बल्कि उनके जीतने के बाद नाचने तक लगे थे आज वहीं ट्रंप पर हमलावर हैं मस्क सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की जमकर धज्जियां उड़ा रहे हैं। आरोप-प्रत्यारोप के बीच नौबत यहाँ तक पहुंच गई कि एलन मस्क ने ट्रंप के महाभियोग तक की मांग कर दी। आईए सबसे पहले आपको बताते हैं कि आखिर मस्क और ट्रम्प के बीच बात कैसे तू-तू मैं-मैं तक पहुंच गई।

मस्क ने सुनाई खरी-खोटी

मस्क ने ट्रंप के पुराने पोस्ट और ट्वीट्स खंगालने शुरू किए और उन्हें जमकर खूब खरीखोटी सुनाई। मस्क ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को अहसान फरामोश तक कह डाला मस्क ने यहाँ तक कह डाला कि मेरी ही वजह से ट्रंप चुनाव जीते अगर मैं नहीं होता तो ट्रंप की हार निश्चित थी।

मुख्यमंत्री क्षिप्रा तीर्थ परिक्रमा में हुए शामिल, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

सीएम ने वाल्मिकी धाम में विश्व पर्यावरण दिवस पर किया पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गुरुवार को गंगा दशहरा के पर्व पर वाल्मिकी धाम से क्षिप्रा तीर्थ परिक्रमा यात्रा में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने यात्रा के पूर्व वाल्मिकी धाम परिसर में विश्व पर्यावरण दिवस पर सिंदूर और त्रिवेणी-नीम, पीपल और बरगद के पौधों का रोपण किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए सभी से अपील की कि अधिक से अधिक पौधारोपण कर पर्यावरण को स्वच्छ बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें।

मंदिर में दर्शन किए

मुख्यमंत्री ने वाल्मिकी धाम में अनंतश्री विभूषित 1008 स्वामी सोहन दास महाराज की समाधि पर पुष्प अर्पित किए और मंदिर में दर्शन किए। उन्होंने संत-जनों से सौजन्य भेंट की और यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं से भी मिले। मुख्यमंत्री ने इस दौरान कहा कि आज का दिन अत्यंत शुभ दिन है। मां क्षिप्रा से प्रार्थना है कि वे हमारे द्वारा किए गए पूजन अर्चन और परिक्रमा यात्रा को सफल बनाए और सबका कल्याण करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपनी ओर से सभी को गंगा दशहरा और विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं दीं।

डॉ. मोहन और श्रद्धालुओं को मंचों से पुष्प वर्षा कर किया स्वागत

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और अन्य सभी श्रद्धालुओं का यात्रा मार्ग में विभिन्न स्थानों पर बनाए गए मंचों से पुष्प-वर्षा कर स्वागत किया गया। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विभिन्न स्थानों पर पेयजल और शीतल पेय तथा फलों का निःशुल्क वितरण किया गया। मुख्यमंत्री ने वाल्मिकी धाम से रामघाट तक क्षिप्रा तीर्थ परिक्रमा में ध्वज लेकर पैदल यात्रा की। इस दौरान सांसद बाल योगी उमेश नाथ महाराज, प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, नगर निगम सभापति कलावती यादव, क्षिप्रा तीर्थ परिक्रमा के कार्यकारिणी अध्यक्ष महंत रामेश्वर दास जी, महामंडलेश्वर भगवत शरण (भगवान बापू, महंत भगवान दास, महंत श्याम गिरी महाराज, महंत कृष्ण गिरी महाराज, महंत प्रणवानंद महाराज, महंत एकनाथ, महंत महावीर नाथ, संजय अग्रवाल, नारायण यादव, वैभव यादव) एवं अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

रूपाली की मप्र लोकसेवा आयोग की प्रावीण्य सूची में दूसरी रैंक

भोपाल। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा जारी परिणाम में भोपाल में सिटी मिशन मैनेजर, नगर निगम भोपाल के पद पर कार्यरत रूपाली सक्सेना ने प्रावीण्य सूची में दूसरी रैंक अर्जित की है। वह सहायक संचालक (ग्रामोद्योग) के पद पर चयनित हुई हैं।

पिछड़ा वर्ग मोर्चा राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. के लक्ष्मण 6-7 को प्रदेश प्रवास पर

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. के. लक्ष्मण 6 एवं 7 जून को दो दिवसीय प्रदेश प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान भोपाल, सीहोर एवं उज्जैन जिले में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद डॉ. के. लक्ष्मण 6 जून को सुबह 11 बजे भाजपा प्रदेश कार्यालय में जातीय जनगणना को लेकर पिछड़ा वर्ग मोर्चा द्वारा आयोजित वृहद संगोष्ठी को संबोधित करेंगे। सायं 5 बजे सीहोर के आष्टा रेस्ट हाउस में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर नलखेड़ा माता मंदिर में दर्शन करेंगे। 7 जून को सुबह 9 बजे उज्जैन में बाबा महाकाल के दर्शन करेंगे। सुबह 11 बजे कालिदास अकादमी में जातीय जनगणना को लेकर आयोजित जिला स्तरीय कार्यशाला को संबोधित करने के बाद दोपहर 2 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करेंगे।

मप्र भारत के वेलनेस मिशन का नेतृत्व करने को पूरी तरह तैयार: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

उज्जैन में स्पिरिचुअल एंड वेलनेस समिट में आए 1,950 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में 'स्पिरिचुअल एंड वेलनेस समिट' में कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'व्हील इंडिया' और 'लाइफ स्टाइल' जैसे दूरदर्शी विचारों से प्रेरित होकर मध्यप्रदेश को समग्र जीवनशैली और वेलनेस नवाचार का ग्लोबल सेंटर बनाया जा रहा है।

आज आयोजित इस समिट के माध्यम से प्रदेश ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह भारत के वेलनेस मिशन का नेतृत्व करने को पूरी तरह तैयार है। डॉ. यादव ने समिट को एक परिवर्तनकारी पहल बताया और कहा कि यहां नीति, निवेश, अध्यात्म और समाज कल्याण का संगम हुआ है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश अब भारत के वेलनेस मिशन का ग्लोबल इंजन बनने को तत्पर है। डॉ. यादव ने समिट में वेलनेस और हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र के निवेशकों से वन-टू-वन बैठकें कीं, जिनमें बुनियादी ज़रूरतों, निवेश समर्थक नीतियों और प्राथमिकताओं पर चर्चा हुई। समिट में 1950 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए।

निवेशकों से बुनियादी जरूरतों, निवेश समर्थक नीतियों और प्राथमिकताओं पर हुई चर्चा

खास बातें

- समिट में नीति-निवेश अध्यात्म और समाज कल्याण का रहा संगम
- मुख्य सत्र में वेलनेस विजनिंग में प्रदेश का समग्र रोडमैप प्रस्तुत किया

भारत को विश्वगुरु बनाने की यात्रा में बनें भागीदार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि नीति आयोग ने प्रदेश को तेज गति से आगे बढ़ने वाले राज्यों में अग्रणी माना है। मध्यप्रदेश में सरप्लस बिजली के साथ उत्कृष्ट अधोसंरचना और नई नीतियों के चलते निवेशकों ने यहां का रुख किया है। डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश स्पष्ट नीति, सक्षम प्रशासन और मजबूत नेतृत्व के साथ निवेशकों को स्थायित्व और सफलता की गारंटी देता है। उन्होंने सभी वेलनेस उद्यमियों और संस्थाओं से प्रदेश में निवेश करने और उज्जैन से शुरुआत करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, 'मध्यप्रदेश आएं, और भारत को विश्वगुरु बनाने की यात्रा में भागीदार बनें।'

स्वास्थ्य के साथ अध्यात्म की प्राप्ति का प्रयास

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उनकी सरकार रोजगार सृजन के लिए तेजी से काम कर रही है। धार्मिक स्थानों पर सभी चिकित्सा पद्धतियों के बड़े केन्द्र बनाने के पीछे आशय यही है कि दुनिया भर के लोगों को स्वास्थ्य के साथ अध्यात्म की भी प्राप्त हो। उन्होंने कहा कि पिछले साल सभी संभागीय मुख्यालयों पर हुई रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव और फरवरी में हुए ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट में जहां 30 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले, वहां 21 लाख 75 हजार रोजगार सृजन होने की संभावना भी है। उन्होंने कहा कि हमने 2025 को उद्योग वर्ष घोषित किया है और लगातार सेक्टर वार समिट का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मंदसौर और नरसिंहपुर में एग्री समिट के अलावा इंदौर में आईटी समिट के अच्छे परिणाम आए हैं।

इन निवेशकों के प्राप्त हुए निवेश प्रस्ताव

समिट में शिवंदरसिंह संस्थापक एरा हॉस्पिटैलिटी, मुकुंद प्रसाद डायरेक्टर लीजर होटल्स ग्रुप, अशोक पटेल चेयरमैन ट्रैवलपैक, शरद थडानी एमडी मेफेयरट्रैवल्स एवं सुधीर एमवी सीएओ जिंदल नेचुरोकेयर इंस्टिट्यूट द्वारा निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। प्रमुख निवेश प्रस्तावों में भंडारी ग्रुप 984 करोड़ रुपए, अमलतास ग्रुप 400 करोड़ रुपए, सीएचएल हॉस्पिटल ग्रुप 200 करोड़ रुपए, लेटेंट डेवकॉन, लाभम ग्रुप, शथायू आयुर्वेद, रॉयल ऑर्किड, शांतिगिरी आश्रम, जिंदल ग्रुप सहित अन्य निवेशकों के प्रस्ताव शामिल हैं।

पैनल चर्चा में तैयार हुआ विजन रोडमैप

समिट में दो पैनल सत्र आयोजित किए गए, जिनमें वेलनेस इन्फ्रास्ट्रक्चर, सिंहस्थ आधारित मेडिकल टूरिज्म, रोजगार सृजन, और कौशल विकास जैसे विषयों पर विचार हुआ। मुख्य सत्र में वेलनेस विजनिंग में प्रदेश का समग्र रोडमैप प्रस्तुत किया गया। परमार्थ निकेतन ऋषिकेश के स्वामी चिदानंद सरस्वती ने आध्यात्मिक संबोधन दिया और उज्जैन में केंद्र स्थापित करने के लिए राज्य सरकार को आशय पत्र (एलओआई) सौंपा। लीज़र होटल्स, शतायु आयुर्वेद और भंडारी ग्रुप के प्रतिनिधियों ने मध्यप्रदेश को वेलनेस निवेश के लिए उपयुक्त गंतव्य बताया।

डॉ. यादव ने की निवेशकों से वन-टू-वन चर्चा

स्पिरिचुअल और वेलनेस समिट से मिला वेलनेस निवेश को प्रोत्साहन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में स्पिरिचुअल और वेलनेस समिट में वेलनेस क्षेत्र के निवेशकों से वन-टू-वन चर्चा की। उन्होंने निवेशकों को मध्यप्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित किया। डॉ. यादव ने निवेशकों को मध्यप्रदेश में निवेश के लिए प्रोत्साहित किया। निवेशकों ने मध्यप्रदेश की निवेश अनुकूल और प्रगतिशील नीतियों की सराहना की और प्रदेश में निवेश के लिए संकल्प लिया।

इनसे हुई वन-टू-वन चर्चा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से अरबिंदो हॉस्पिटल ग्रुप के चेयरमैन डॉ. विनोद भंडारी, लीजर होटल्स ग्रुप के डायरेक्टर मुकुंद प्रसाद, शतायु आयुर्वेद के सीईओ और एमडी डॉ. मृत्युंजय स्वामी, मेफेयर ट्रैवल्स के एमडी शरद थडानी, लाभम ग्रुप के डायरेक्टर युगांश सोनी, शांतिगिरी आश्रम के जोनल हेड स्वामी चितासुधन ज्ञान तपस्वी, रॉयल ऑर्किड होटल के डायरेक्टर सुदीप रॉय, एरा हॉस्पिटैलिटी के संस्थापक शिवंदर सिंह, सीएचएल हॉस्पिटल ग्रुप के डायरेक्टर राजुल भार्गव, लेटेन्ट डेवकॉन के डायरेक्टर देवांग कपाडिया, जिंदल नेचरक्योर इंस्टीट्यूट के चीफ एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर सुधीर एमवी, ट्रैवलपैक के चेयरमैन अशोक पटेल, हार्टफुलनेस इंटरफेथ प्रोग्राम्स एंड इवेंट के डायरेक्टर त्रिलोचन चावला और सनसेट डेजर्ट कैंप के सीईओ और एमडी हितेश्वर सिंह सिसौदिया ने वन-टू-वन चर्चा की।

जनसुनवाई में 22 मामलों के प्रतिवेदन पर दिए निर्देश

रायपुर कलेक्ट्रेट में लगी महिला आयोग की कचहरी, राष्ट्रीय अध्यक्ष ने की मामलों की सुनवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया के. रहाटकर अपने पहले छत्तीसगढ़ दौरे पर रायपुर पहुंची। इस दौरान कलेक्ट्रेट परिसर स्थित रेडक्रॉस सभाकक्ष गुरुवार को अस्थाई अदालत में तब्दील हो गया। प्रवास पर आईं राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया के. रहाटकर ने यहां महिला उत्पीड़न से जुड़े मामलों की जनसुनवाई की। रायपुर पुलिस द्वारा सौंपे गए 22 मामलों के प्रतिवेदन पर सुनवाई की गई, जिनमें मानसिक प्रताड़ना, शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण, अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी जैसे गंभीर प्रकरण शामिल रहे। जनसुनवाई के दौरान महिला आयोग की अध्यक्ष ने कई प्रकरणों में दोनों पक्षों को सुनने के बाद आदेश जारी किए। कुछ मामलों में विभागों को समयबद्ध कार्रवाई तय करने के निर्देश दिए गए।

छत्तीसगढ़ में गो तस्करों की संपत्ति होगी जब्त, डिप्टी सीएम शर्मा ने किया ऐलान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

- अब आरोपियों पर सफेमा के तहत कार्रवाई की जाएगी

राज्य सरकार ने गो-तस्करी जैसे संगठित अपराध पर लगाम कसने के लिए बड़ा फैसला लिया है। अब इस अपराध में लिप्त आदतन आरोपियों पर सफेमा के तहत कार्रवाई की जाएगी। ऐसे आरोपियों की संपत्ति को जब्त कर नीलाम किया जाएगा और प्राप्त राशि को गो-सेवा में लगाया जाएगा। गृहमंत्री एवं उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा की अध्यक्षता में गुरुवार को मंत्रालय महानदी भवन में उच्च स्तरीय बैठक हुई, जिसमें सभी जिलों के एडिशनल एसपी स्तर के नोडल अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में जिलेवार समीक्षा की गई और 15 जुलाई 2024 को लागू की गई एसओपी के तहत अब तक हुई कार्रवाई पर चर्चा की गई।

बीमारियों का पता लगाने में होगी आसानी

एम्स में अब न्यूक्लियर मेडिसिन से होगा कैंसर का इलाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

राजधानी रायपुर स्थित एम्स प्रदेश के सबसे बड़े अस्पतालों में से है, जहां लगभग हर तरह के रोगों का इलाज किया जाता है। रायपुर का एम्स अब कैंसर जैसी बीमारियों का पता लगाने और उनका इलाज करने में और भी आगे बढ़ गया है। बता दें कि एम्स ने अपने न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग में एक खास मशीन लगाई है, जिसे ऑटोमेटेड रेडियो सिंथेसाइजर और गैलियम जनरेटर कहते हैं।

इस नई मशीन के आने से एम्स रायपुर छत्तीसगढ़ का एकमात्र ऐसा सरकारी अस्पताल बन गया है, जहां कैंसर का पता लगाने वाले खास इंजेक्शन (जिन्हें रेडियोट्रेसर कहते हैं) खुद ही बनाए जा सकेंगे। पहले ये इंजेक्शन बाहर से मंगवाने पड़ते थे।

मरीजों का इलाज होगा आसान

डॉक्टरों का कहना है कि ये नए इंजेक्शन बीमारियों का पता लगाने में बहुत सटीक हैं, खासकर उन बीमारियों में जो जटिल होती हैं। अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि अपनी दवाएं खुद बनाने से मरीजों को जल्दी इलाज मिल पाएगा और बाहर की कंपनियों पर निर्भरता भी कम होगी। यह नई सुविधा कैंसर के इलाज में एक नई क्रांति लाएगी, खासकर प्रोस्टेट, पेट और स्तन कैंसर में।

क्या फायदा होगा मरीजों को?

अब एम्स में पीईटी स्कैन की सुविधा और बेहतर हो गई है। इससे कैंसर का जल्दी पता लगाने, वो शरीर में कितना फैल चुका है ये जानने और हर मरीज के लिए अलग से इलाज तय करने में मदद मिलेगी। कुछ खास कैंसर जैसे प्रोस्टेट कैंसर, न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर और कुछ ऐसे कैंसर जिनमें आम स्कैन काम नहीं आते, उनके लिए भी अब बहुत सटीक जांचें हो पाएंगी। इससे इंसुलिनोमा जैसी बीमारियों का भी सही जगह पता चल सकेगा।

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा की प्रदेश स्तरीय बैठक में बोले भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

सत्य के प्रवक्ता बनकर समाज में जाएं मोर्चा कार्यकर्ता : शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

देश में कुछ अंग्रेज परस्त ताकतें जो राष्ट्र विरोधियों के साथ खड़ी होती हैं, वो झूठ और भ्रम का वातावरण बनाने काम कर रही हैं। हमें इन ताकतों को जवाब देना है। बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर को कांग्रेस ने किस तरह अपमानित किया था और भाजपा तथा पीएम नरेंद्र मोदी उनके सम्मान में क्या-क्या कदम उठा रहे हैं, इस सत्य के प्रवक्ता बनकर मोर्चा के कार्यकर्ता समाज में जाएं। यह बात भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कही।

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा की प्रदेश स्तरीय बैठक गुरूवार को प्रदेश कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद, अनूसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. भोलासिंह शामिल हुए। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर शिक्षित होने के साथ-साथ बड़े मन के व्यक्ति भी थे। उन्होंने संविधान के माध्यम से देश को एकसूत्र में बांधने का काम किया। लेकिन कुछ ताकतें संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर को लेकर झूठ, छल-कपट और भ्रम की राजनीति कर रही हैं। सभी जानते हैं कि कांग्रेस की सरकारों ने बाबा साहेब आंबेडकर के साथ कैसा व्यवहार किया। विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि आगामी समय में जातिगत जनगणना होने जा रही है और इसमें में मोर्चा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। जनगणना के दौरान देश विरोधी ताकतें लोगों को बरगलाने का काम करेंगी और हमें इसके लिए सतर्क रहना है। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति मोर्चा पार्टी में एक बड़ी ताकत है और उसकी भूमिका सर्वव्यापी है।

भाजपा सरकार ने जनहित में किए संविधान में बदलाव : डॉ. भोला सिंह

अनूसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. भोला सिंह ने कहा कि कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के दौरान अनुसूचित जाति समाज को संविधान के नाम पर भ्रमित किया था। उसने ये दुष्प्रचार किया कि भाजपा सत्ता में आई, तो संविधान बदल देगी। लेकिन वास्तविकता यह है कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा बाबा साहेब और उनके बनाए संविधान का अपमान किया। भारतीय जनता पार्टी ने बाबा साहेब को तो सम्मान दिया ही है, उनके बनाए संविधान में जो बदलाव किए, वो भी जनहित को ध्यान में रखते हुए किए गए। हमें इस सच्चाई को अनुसूचित जाति समाज तक पहुंचाकर भ्रम से मुक्ति दिलाना है। इसके लिए हमारे पदाधिकारी और कार्यकर्ता प्रत्येक जिले में 125 प्रबुद्धजनों से मिलें और उन्हें यह जानकारी दें।

बाबा साहेब के लिए भाजपा ने क्या किया, घर-घर जाकर बताए : डॉ. कैलाश

अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. कैलाश जाटव ने कहा कि मोर्चा पदाधिकारी प्रत्येक जिले में 25 लोगों को चुनाव करें। ये सभी 25 लोग पांच-पांच घरों में जाकर यह बताएं कि बाबा साहेब के सम्मान के लिए भारतीय जनता पार्टी और उसकी सरकारों ने क्या काम किए हैं।

कार्यक्रमों को समय सीमा में पूरा करें : हितानंद

प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने कहा कि संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर के सम्मान में भाजपा ने उनकी जयंती से डॉ. आंबेडकर सम्मान अभियान शुरू किया है। इस अभियान में बाबा साहेब के प्रति भाजपा सरकारों द्वारा उनके सम्मान के लिए किए गए प्रयासों की जानकारी देना है। इस कार्य को समयसीमा में पूरा करें।

खबर संक्षेप

पावर मैनेजमेंट कंपनी चिकित्सालय में निःशुल्क पैथॉलाजी जांच शिविर 9 को

जबलपुर। एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी के रामपुर स्थित चिकित्सालय में 9 जून को प्रातः 9 से शाम 4 बजे तक एक निजी पैथॉलाजी लेब के सहयोग से निःशुल्क पैथॉलाजी जांच शिविर का आयोजन किया गया है। निःशुल्क पैथॉलाजी जांच शिविर में कम्पलीट ब्लड काउंट, थायरॉयड प्रोफ़ाइल, एचबीए 1 सीए कम्पलीट लिपिड प्रोफ़ाइल, लिवर फंक्शन टेस्ट, किडनी फंक्शन टेस्ट किए जाएंगे। पावर मैनेजमेंट कंपनी के कार्मिक व उनके आश्रित उक्त सुविधा का लाभ बिना किसी भुगतान के ले सकेंगे। जांच के वक्त कार्मिक व उनके आश्रित को पावर मैनेजमेंट कंपनी की चिकित्सा पुस्तिका साथ लाना अनिवार्य होगा। ब्लड शुगर व लिपिड प्रोफाइल की जांच के लिए संबंधित व्यक्ति को खाली पेट आना आवश्यक होगा।

संभागीय पेंशन कार्यालय को भोपाल स्थानांतरित नहीं किया जाए

जबलपुर। तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के प्रांताध्यक्ष पं. अतुल मिश्रा एवं जिलाध्यक्ष नितिन अग्रवाल ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश के सभी संभागीय पेंशन कार्यालय को राजधानी भोपाल स्थानांतरित करने की योजना बनाई जा चुकी है, पेंशन कार्यालय के कर्मचारियों से जानकारी प्राप्त हुई है कि सितम्बर 2025 से पेंशन संबंधी प्रकरण भोपाल से निराकृत होंगे। यदि शासन का यह फरमान लागू होता है तो सेवानिवृत्त कर्मचारियों को परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। संभाग स्तर पर पेंशन कार्यालय होने के बाद भी पेंशनर्स को तकलीफ होती है, ऐसे में यदि पेंशन कार्यालय भोपाल जाते हैं तो प्रकरण का निराकरण समय पर नहीं हो पाएगा एवं कर्मचारी बेवजह परेशान होंगे। अतः संघ की मांग है कि संभागीय पेंशन कार्यालयों को भोपाल स्थानांतरित नहीं किया जाए।

...तो पेंशनर्स लंबित मांगों के लिए अर्धनग्न होकर करेंगे प्रदर्शन

जबलपुर। प्रमुख पेंशनर्स एसोसियेशन के तत्वाधान में विगत दिवस आयोजित की गई बैठक में पेंशनर्स की लंबित समस्याओं पर चर्चा की गई तथा सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि दो बिन्दुओं को लेकर यदि सरकार ने हमारी मांगें 10 जुलाई तक नहीं मानी तो विवश होकर हम प्रत्येक जिले में प्रांताध्यक्ष श्याम जोशी के नेतृत्व में अर्धनग्न होकर प्रदर्शन कर अपना मांग पत्र कलेक्टर के माध्यम से मप्र के मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव तथा छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव को प्रेषित करेंगे। संगठन के अध्यक्ष एचपी उरमलिया, शेषमणि पांडेय, गौरीशंकर पांडेय, आरके श्रीवास्तव, एसके श्रीवास्तव, एके शुक्ला, एसपी शुक्ला, डॉ. एसपी सिंह, श्रवण कुमार स्त्रोती, हुमेश हंस आदि ने शासन से मांगों को यथाशीघ्र पूर्ण किए जाने की मांग की है।

ईद-उल-जुहा (बकरीद) आज

रानीताल ईदगाह में 10:30 बजे अदा की जाएगी नमाज

जबलपुर।

कुर्बानी का पर्व ईद-उल-जुहा (बकरीद) शनिवार को मुस्लिम समुदाय द्वारा अकीदत और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। शहर भर की ईदगाहों मस्जिदों में नमाज अदा करने के लिए विशेष तैयारियां की गई हैं। रानीताल ईदगाहः ईद-उल-जुहा के मौके पर मुफ्ती-ए-आज़म मध्यप्रदेश हजरत, मौलाना,डाक्टर, मुशाहिद रजा कादरी बुरहानी मुस्लिम समुदाय को संबोधित करेंगे। इसके बाद, ठीक प्रातः 10:30 बजे नायबे मुफ्ती-ए-आज़म मध्यप्रदेश हज़रत मौलाना ज़ियाउल हक कादरी ईद की नमाज अदा कराएंगे।

गोहलपुर वक्फ मोमिन ईदगाह

यहां सुबह 8 बजे पेश इमाम हाफिज मोहम्मद ताहिर साहब ईद-उल-जुहा की नमाज़ अदा कराएंगे। नमाजियों से समय पर पहुंचने की अपील की गई है।

ईदगाह सदर

सदर बाजार स्थित ईदगाह में नमाज़ सुबह 9 बजे अदा की जाएगी। हजरत मौलाना जियाउर रजा चांद कादरी नमाज अदा कराएंगे। अकबर खान सरबर और अब्दुल शफीक कुरैशी सहित अन्य ने समय पर पहुंचने का आग्रह किया है।

ईदगाह गढ़ा

गढ़ा ईदगाह में ईद-उल-जुहा की नमाज सुबह 10 बजे हाफिज कारी मौलाना अमीर अशरफ अदा कराएंगे। कमेटी के हाजी तौसीफ रजा आदि ने समय से पहले पहुंचने की गुजारिश की है।

मुस्लिम समुदाय के वरिष्ठ नागरिक हाजी कदीर सोनी, हाजी मक़बूल अहमद रजवी, हाजी शेख जमील नियाज़ी, मतीन अंसारी, बाबा रिजवान, हाजी मुईन खान, अमीन कुरेशी, जमा खान, , मुबारक अली कादरी, सैय्यद कादिर अली कादरी, अकबर खान सरवर, याकूब अंसारी, हाजी हामिद मंसूरी, हाजी तौसीफ रज़ा, शमीम अंसारी गुड्डू, अशरफ मंसूरी, जवाहर कादरी, आदि ने सभी नगरवासियों को ईद की मुबारकबाद दी है और इस पवित्र पर्व को पारंपरिक शालीनता और सांप्रदायिक सद्भाव के साथ मनाने की अपील की है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर हुआ दो दिवसीय आयोजन

गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज में शैक्षणिक, जागरूकता अभियान संपन्न

जबलपुर। श्री गुरु तेग बहादुर खालसा महाविद्यालय में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार तथा पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन (इप्को), भोपाल, महाविद्यालय के भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ एवं आईक्यूएसी इकाई के संयुक्त तत्वाधान में विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में दो दिवसीय कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. आरएस चंडोक की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। प्रथम दिवस 04 जून को ऑनलाइन पर्यावरण क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें महाविद्यालय के विभिन्न संकायों के छात्रों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरणीय जागरूकता उत्पन्न करना और उनकी ज्ञानात्मक क्षमताओं को प्रोत्साहित करना था। द्वितीय दिवस 05 जून को एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता प्रो. ध्रुव दीक्षित एवं प्रो. आरएन श्रीवास्तव, प्राचार्य डॉ. आरएस चंडोक, आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. अंजू पाठक, डॉ. शशि दुबे, ईको क्लब प्रभारी डॉ. हर्षिता शुक्ला एवं प्राणी शास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. सौरभ गुप्ता मंचासीन रहे। इस अवसर पर प्राचार्य ने अपने उद्बोधन में पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों से सतत विकास के लिए, पर्यावरणीय जिम्मेदारी निभाने की अपील की। इसके उपरांत प्रो. ध्रुव दीक्षित ने समाज में प्लास्टिक उपयोग की बढ़ती प्रवृत्ति और उसके दुष्परिणामों पर विस्तृत चर्चा की। प्रो. आरएन श्रीवास्तव ने पर्यावरण संरक्षण के ऐतिहासिक दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन डॉ. हर्षिता शुक्ला ने किया। मंच संचालन डॉ. सौरभ गुप्ता ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में शिखा पाराशर, डॉ. मनीष शाह, डॉ. शिवमणि मिश्रा, डॉ. विपिन रॉय, प्रकृति विश्वास, डॉ. विमल शुक्ला, डॉ. रोहित वर्मा, डॉ. संध्या कोष्टा, डॉ. जीसी राय, डॉ. संजय गुप्ता, डॉ. आरती शुक्ला सहित सभी प्राध्यापक व विद्यार्थियों का योगदान रहा।

पीएम एक्सीलेंस कॉलेज के निर्माणाधीन भवन का विधायक ने किया निरीक्षण

जबलपुर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय महाकोशल स्वशासी महाविद्यालय, जबलपुर के निर्माणाधीन भवन का विधायक, अशोक ईश्वर दास रोहणी एवं जनभागीदारी अध्यक्ष व सदस्यों ने निरीक्षण किया। श्री रोहाणी ने निरीक्षण के दौरान इंजीनियर एवं ठेकेदार को निर्देश दिए की बिल्डिंग में किसी भी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए, भवन के चारों ओर फर्शीकरण किया जाना चाहिए साथ ही उन्होंने कहा कि भूमि पूजन मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा किया गया था और उद्घाटन भी मुख्यमंत्री के द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर महाविद्यालय के जनभागीदारी अध्यक्ष आशीष राव, प्राचार्य डॉ. अलकेश चतुर्वेदी, प्रो. अरुण शुक्ल, डॉ. रवीश तमन्ना ताजिर, संजय कपूर, झुमा वर्मा, श्रीमती तृष्णा चटर्जी, श्याम कनौजिया, नीलेंद्र चटर्जी, वेद महावर, सुधीर शर्मा, उपस्थित रहे।

मनोवैज्ञानिक आक्रमण आज के नए मोर्चे

वीयू के शौर्य सम्मान समारोह में शामिल हुए पूर्व ब्रिगेडियर त्रिवेदी

जबलपुर। नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के जबलपुर वेटरनरी महाविद्यालय में शौर्य सम्मान दिवस का आयोजन अधिष्ठाता डॉ आरके शर्मा की अध्यक्षता में किया गया किया गया। कार्यक्रम के मुख्यअतिथी भूतपूर्व ब्रिगेडियर विपिन त्रिवेदी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती सुरभि त्रिवेदी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलन कर अतिथियों द्वारा किया गया तत्पश्चात महाविद्यालय के अध्यक्षता डॉक्टर आरके शर्मा द्वारा अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ से किया गया। शौर्य सम्मान समारोह में सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर विपिन त्रिवेदी ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि"युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जा रहे हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर नैरेटिव युद्ध, दुष्प्रचार, अफवाहें और मनोवैज्ञानिक आक्रमण आज के नए मोर्चे हैं। हर नागरिक को डिजिटल रूप से सजग, जानकारी के प्रति विवेकशील और राष्ट्रहित में सक्रिय रहना होगा।"उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे राष्ट्रसेवा में संलग्न हों, अन्याय के विरुद्ध मुखर हों, और सामाजिक जिम्मेदारी को आत्मसात करें।

"बिना विवेक के क्षमा कई बार विनाश का कारण बनती है। समाज को अनुशासित, राष्ट्र को सशक्त और सूचना को स्वच्छ बनाए रखना — यही अब असली राष्ट्ररक्षा है।"

श्रीमती सुरभि त्रिवेदी ने अपने उद्बोधन में कहा कि"मौन शक्ति ही सैनिकों का संबल है"उन्होंने जोर देते हुए कहा "भारतीय सैनिकों के पीछे जो सबसे बड़ी शक्ति होती है — वह उनकी माँ, पत्नी, बहन होती हैं। उनका धैर्य, उनका त्याग और उनका मौन संबल सैनिकों को मानसिक दृढ़ता प्रदान करता है। कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्र-छात्राए तथा प्राध्यापकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. स्यमन्तक मणि त्रिपाठी ने किया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर किया पौधारोपण

जबलपुर। श्री गुरु नानक महिला महाविद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर महाविद्यालय परिसर में पौधारोपण किया गया। विश्व पर्यावरण दिवस को मनाने का उद्देश्य यह है कि विश्व के बिगड़ते हुए पर्यावरण को कैसे संतुलित किया जाए और आगे आने वाली पीढ़ी को एक स्वच्छ पर्यावरण हम दे सकें यह हमारी जिम्मेदारी है, यह हमारा कर्तव्य है, इसी उद्देश्य को लेकर महाविद्यालय परिसर में पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉक्टर विमलकांत सैनी द्वारा सभी से यह अपील की गयी कि सभी पर्यावरण को सुरक्षित रखें और ज्यादा से ज्यादा पौधे लगायें जिससे कि हम अपने आने वाली पीढ़ी को एक स्वच्छ और हरियाली से भरा संसार दे सकें। इस अवसर पर महाविद्यालय प्रबंध कार्यकारिणी समिति के वरिष्ठ सदस्य सरदार डीएस मैनी, अध्यक्ष सरदार जीएस बांगा, उपाध्यक्ष सरदार परमजोत सिंह बांगा, सचिव सरदार जसप्रीत सिंह आहूजा, कोषाध्यक्ष सरदार रविंदर सिंह दुआ ने इस अवसर पर सभी से ज्यादा से ज्यादा पौधारोपण करने और पर्यावरण को स्वच्छ बनाने के लिए उचित प्रयास करने की अपील की। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त सहायक प्राध्यापक और छात्राएं उपस्थित रहे।

बच्चों ने मंच पर जी ली कहानी, "किसका पेड़" ने सबका मन मोहा

बाल नाट्य कार्यशाला का सफल समापन, 39 बच्चों को मिला सम्मान

जबलपुर। नाट्य लोक संस्था द्वारा आयोजित एक माह की ग्रीष्मकालीन बाल नाट्य कार्यशाला का भव्य समापन श्री जानकी रमण महाविद्यालय की रंग ड्योढ़ी में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ शरद पालन एवं डॉ. अभिजात त्रिपाठी द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर अभिषेक गर्ग द्वारा लिखित एवं निर्देशित नाटक "किसका पेड़" का मंचन किया गया। सह-निर्देशन पलक गुप्ता एवं संगीत निर्देशन माही सोनी ने किया।

"किसका पेड़" एक आम के पेड़ की कहानी है, जो दो किसानों (रमेश और सुरेश) के खेतों के बीच स्थित है। यह पेड़ इतना पुराना है कि किसी को ज्ञात नहीं कि यह वास्तव में किसका है। दोनों किसान लंबे समय से इसके स्वामित्व को लेकर विवाद में हैं। जब विवाद बढ़ता है, तब राज्य की रानी अपनी बुद्धिमत्ता से निर्णय देती है कि पेड़ रमेश का है और सुरेश को दंडित करती है, लेकिन सुरेश की सरला चाची बताती हैं कि गलत संगत के कारण उसने ऐसा किया। रानी अंततः सुरेश को क्षमा करते हुए उसे प्रतिदिन एक पौधा लगाने का आदेश देती है। नन्हें कलाकारों में अमन राजपूत, माही सोनी, माहिका साहू, अहेली संघी, सिद्धि, गार्गी चौधरी, काव्या वर्मा, मिष्ठी चौरसिया, परणिका कुशवाहा, सानवी, अनिका जैन, वीरांश सिंघई, आरण्य गुप्ता, देवेंद्र झरिया, श्रेयांश अहिरवार, नमन अहिरवार, मेघा सिंघई, अनामिका बाजपेई, पूर्वांश, आयुनी सिंह, प्रियांशी सिंह, कृतिका जैन, अर्जुन सांघी, दिव्यांश, अक्षत सोनी, पलक गुप्ता, अनुज सोनी, प्रथमेश बक्शी, त्रिशर कुशवाहा, मानवी त्रिपाठी, राघव शरण राज, मानसी सोनी ने शानदार प्रस्तुति दी। समारोह के अंत में 39 प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

कालीचरण महाराज का हुआ नगर आगमन

जबलपुर। संस्कारधानी में विशाल हिंदू सम्राट कालीचरण महाराज का आगमन कार्यालय में हुआ, सभी संस्थाओं के वरिष्ठ लोगों ने उनका स्वागत किया एवं आशीर्वाद प्राप्त किया। गुरु जी द्वारा सभी को एकजुट होने की पहल को आगे बढ़ाने पर सिन्धी युवा संस्था, जबलपुर मोटर्स पार्ट्स एसोसिएशन, सामाजिक सेवा संगठन, सनातन शिक्षण संस्थान द्वारा स्वागत किया गया।कार्यक्रम में विधायक अशोक रोहाणी ने महाराज का स्वागत किया एवं मुख्य रूप से राहुल रोहाणी, जय रोहाणी, रिंकू पंडित, हरि रोहाणी, मदन केसवानी, राजू गुलवानी, रवि दत्त, गोलू जाट, राज शर्मा, विकास खरे, गौरव शर्मा, रानू जैन, रवि अग्रवाल, राकेश दासवानी, राम अवतार शारदा, मनदीप कोहली, अक्षय पचौरी, भावेश नथानी, विशाल कृष्णानी, यश बलेजा, अंशुल द्विवेदी, राकेश दासवानी, अमन शिवहरे, धीरज जगवानी, हिमांशु रोहरा, पूजा वधवानी, स्नेहा दीदी, डिंपी विश्वकर्मा एवं बड़ी संख्या में साथीगण उपस्थित थे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर स्काउट्स एंड गाइड्स ने चलाया स्वच्छता अभियान

जबलपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में 05 जून को ग्वारीघाट, जबलपुर में एक प्रेरणादायक आयोजन संपन्न हुआ, जिसमें पर्यावरण संरक्षण की भावना को सशक्त रूप से अभिव्यक्त किया गया। यह कार्यक्रम भारत स्काउट्स एंड गाइड्स एवं यूनिसेफ के संयुक्त तत्वाधान में संचालित प्रोजेक्ट CLAP के अंतर्गत आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत शाम 5 बजे एक जागरूकता रैली से हुई। स्काउट्स एवं गाइड्स के बच्चों ने हाथों में स्लोगन तख्तियाँ लेकर "नो सिंगल यूज़ प्लास्टिक" और स्वच्छ भारत जैसे संदेशों के साथ लोगों को जागरूक किया। रैली का उद्देश्य आमजन को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करना रहा। रैली के बाद नुक्कड़ नाटक का आयोजन हुआ, जिसमें बच्चों ने प्लास्टिक के अत्यधिक उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों को प्रभावशाली अभिनय के माध्यम से प्रस्तुत किया। नाटक में कपड़ा, जूट एवं बायोडिग्रेडेबल विकल्पों को अपनाने का सशक्त संदेश दिया गया। दर्शकों ने इसे न केवल सराहा, बल्कि इससे गहन सामाजिक चेतना भी जागृत हुई।इस आयोजन को सफल बनाने में वी.के. झारिया (सचिव), श्रीमती अमिता (संयुक्त सचिव), प्रतिभा दुबे, मंत्रो इक्का, दीप्ति ठाकुर,राहुल राजपूत (जिला समन्वयक, CLAP), शुभांगी तिवारी, किरण येवले, शुभम ठाकुर, दीपक नामदेव एवं लुकास जुम्मन का सराहनीय योगदान रहा।

प्रस्तुत किया नुक्कड़ नाटक

मप्र आर्म्स रेसलिंग में जारिश खान ने जीता मप्र ऑल चैम्पियन खिताब

जबलपुर। फिनिक्स ग्रुप के चेयरमेन सुमित कालिया के मार्गदर्शन में संचालक बॉडी गिराज जिम मदन महल द्वारा गोलबाजार में मप्र आर्म्स रेसलिंग प्रतियोगिा का आयोजन किया गया, जिसमें 40 से 50 वर्ग में तोशिफ रजा को गोल्ड, आदर्श डे को सिल्वर, निखिल को ब्रांस, 50 किलो वर्ग में सोनू रजक को गोल्ड, अनुराग मिश्रा को सिल्वर, जतिन गुर्जर को ब्रांस, 60 किलो वर्ग में ताबिश खान, 70 किलो वर्ग में प्रिंस चक्रवर्ती गोल्ड, नैतिक विश्वकर्मा सिल्वर, बाबा खान ब्रांस, 80 किलो वर्ग में डेंजिल गोल्ड, समरलाल सिल्वर, राजिक खान ब्रांस, 90 किलो वर्ग में जारिश खान गोल्ड, कृष्णा पटेल सिल्वर, वाजिद खान ब्रांस। इस प्रतियोगिता में स्टेट के जनरल सेक्रेट्री अनवर पाशा इंडियन आर्म्स रेसलिंग के कल्चर सेक्रेट्री भरत सोनू कांडा ने नेशनल में खेले जाने वाले खिलाड़ियों का चयन किया। इस अवसर पर लक्की अरोरा, प्रदीप पटेल, सहज सिंह तलूजा, राजिक खान आदि ने खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य की कामना की व बधाई दी।

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय स्थापना दिवस 12 जून को

कुलगुरू ने लिया तैयारियों का जायजा, दिए आवश्यक निर्देश

जबलपुर। रानी दुर्गावती यूनिवर्सिटी आगामी 12 जून 2025 को अपनी स्थापना के 70वें वर्ष में प्रवेश करने जा रहा है। विश्वविद्यालय के स्थापना कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर कुलगुरू प्रो. राजेश कुमार वर्मा ने शुक्रवार को विवि मुख्य प्रशासनिक भवन के समक्ष स्थित उद्यान का निरीक्षण किया और यहां स्थापित वीरांगना रानी दुर्गावती की प्रतिमा और विवि के संस्थापक कुलपति पं. कुंजीलाल दुबे की प्रतिमा का वंदन कर पूरे उद्यान की साफ-सफाई एवं रंग रोगन कराने के निर्देश दिए। इस मौके पर कुलगुरू प्रो. वर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय का गौरव पूर्ण इतिहास रहा है। 12 जून 1956 को स्थापित विश्वविद्यालय ने अपने सफर में कई उचाइयों को देखा है। वर्तमान में विश्वविद्यालय की गौरव गाथा से भरे माहौल में यहां लगातार स्टूडेंट्स की संख्या बढ़ रही है। विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस समारोह के गरिमामयी आयोजन को लेकर कुलगुरू ने संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं प्राध्यापकों को आवश्यक निर्देश भी जारी किए। निरीक्षण के दौरान प्रो. सुरेन्द्र सिंह, डॉ. तरूणा राठौर, डॉ. आशारानी, डॉ. प्रदीप विश्वकर्मा, डॉ. अजय मिश्रा, डॉ. अमरीशा देशमुख सहित अन्य की मौजूदगी रही।

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय बना छात्रविरोधी प्रयोगशाला

प्रशासन की तानाशाही नीतियाँ बन रहीं निम्नवर्गीय छात्रों के भविष्य की सबसे बड़ी बाधा

हरिभूमि जबलपुर।

भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) जबलपुर जिलाध्यक्ष सचिन रजक एवं राहुल रजक के नेतृत्व में 06 जून को एक प्रतिनिधि मंडल ने महामहिम राज्यपाल एवं कुलाधिपति के नाम संभागीय आयुक्त जबलपुर को एक ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में व्याप्त प्रशासनिक तानाशाही, शासन के नियमों की खुली अवहेलना एवं निम्नवर्गीय छात्रों के अधिकारों की अनदेखी के विरुद्ध दिया गया।

जिलाध्यक्ष सचिन रजक ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा जानबूझकर शासन की मेधावी छात्र योजना, संबल योजना जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं को निष्क्रिय कर दिया गया है। मध्यप्रदेश शासन द्वारा जारी प्रवेश नियमावली 2025-26 के बिंदु 6.6.3 के अनुसार मेधावी छात्र योजना, संबल योजना तथा अन्य

शासकीय योजनाओं के अंतर्गत पात्र विद्यार्थियों को प्रवेश शुल्क एवं नामांकन शुल्क से पूर्णतः छूट प्रदान की जानी है। परंतु रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय द्वारा इसके विपरीत सभी छात्रों से सम्पूर्ण शुल्क पहले ही चरण में वसूल किया जा रहा है। यह निर्णय न केवल शासनादेशों की अवमानना है, बल्कि गरीब छात्रों के साथ अन्याय और शोषण का ज्वलंत उदाहरण भी है। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि कुलपति प्रो. राजेश कुमार वर्मा के कार्यकाल में विश्वविद्यालय की स्थापना काल से चली आ रही छात्राओं को दी जाने वाली फीस छूट की ऐतिहासिक एवं प्रेरणादायक परंपरा को बिना किसी परामर्श या विचार-विमर्श के समाप्त कर दिया गया। विश्वविद्यालय में सदैव से ही छात्र और छात्राओं के लिए भिन्न शुल्कों का निर्धारण किया जाता रहा है, परंतु इस वर्ष से इस परंपरा को समाप्त करते हुए छात्राओं को विश्वविद्यालय में प्राप्त हो रही इस प्रोत्साहन योजना को बंद कर दिया गया।

सचिन रजक ने कहा कि रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में व्याप्त अनियमितताएँ और प्रशासनिक अव्यवस्थाएँ लगातार गंभीर रूप लेती जा रही हैं। विश्वविद्यालय के वर्तमान कुलपति प्रो. राजेश कुमार वर्मा के कार्यकाल में न केवल शासन के निर्देशों की लगातार अवहेलना हुई है, बल्कि पारदर्शिता, जवाबदेही और छात्रहित जैसे मूलभूत सिद्धांतों की भी खुलेआम अनदेखी की गई है। छात्रवृत्तियों से लेकर शुल्क नीति, मूल्यांकन प्रक्रिया से लेकर प्रवेश व्यवस्था तक हर मोर्चे पर अव्यवस्था, मनमानी और तानाशाही दृष्टिकोण दिखाई देता है। प्रतिनिधिमंडल में मुख्य रूप से जिलाध्यक्ष सचिन रजक, राहुल रजक, राष्ट्रीय सचिव करन तामसेतवार, वाजिद क़ादरी, अभिषेक दाहिया, अंकित तिवारी, संचित जैन, अभिषेक सिंह, सौरभ, हर्ष सहित अन्य छात्र उपस्थित थे।

पूरे परिवार ने रक्तदान कर मनाया बिटिया का जन्मदिन

हर वर्ग को रक्तदान करने के लिए दी प्रेरणा

जबलपुर। पापा मैं 6 जून को 17 वर्ष कम्पलीट कर 18वें वर्ष में प्रवेश कर रही हूं, मैं अपने जन्मदिवस पर आपकी तरह दूसरों का जीवन बचाने के लिए रक्तदान करना चाहती हूं, जिसके बाद पिता सुरेश लखवानी ने जो कि अभी तक 43 बार अपना लहू दान कर चुके हैं, उन्होंने अपनी बिटिया संजना लखवानी की इच्छा को पूरा करने के लिए थैलेसीमिया जन जागरण समिति मप्र के विकास शुक्ला से संपर्क किया, जिसके बाद उन्होंने जिला अस्पताल विक्टोरिया के ब्लड बैंक की टीम को परिवार का रक्त संग्रहण करने के लिए अधारताल रविन्द्र नगर भेजा और फिर पूरे परिवार के 6 सदस्यों ने संजना के जन्मदिन पर रक्तदान किया, जो कि थैलेसीमिया, सिकिलसेल व अन्य बीमारियों से पीड़ितों के काम आएगा।

इस संबंध में सुरेश लखवानी ने बताया कि वह नियमित रक्तदाता हैं और उनकी श्रीमति कंचन लखवानी भी समय-समय पर रक्तदान करती हैं, उनकी बिटिया संजना लखवानी उनके इस कार्य को देखकर प्रेरित हुई और 18वें वर्ष के प्रवेश पर रक्तदान करने का निर्णय लिया और इस तरह से उन्होंने अपनी बिटिया के जन्मदिन पर रक्तदान कर किसी पीड़ित को खुशियां देने का कार्य किया, जिसमें दीपा लद्दानी, हितेश लद्दानी, जय लखवानी ने ब्लड दान कर समाज के हर वर्ग को प्रेरित किया।

प्लास्टिक से मुक्ति और पेड़ों की वृद्धि से सही मानव जीवन संभव है

बरगी टोल प्लाजा में पर्यावरण दिवस पर किया वृहद वृक्षारोपण

बरगी। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बरगी बहोरीपार स्थित टोल प्लाजा में एनएचआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर अमृतलाल साहू के नेतृत्व में बृहद वृक्ष रोपण का कार्यक्रम बरगी बहोरीपार स्थित टोल प्लाजा में संपन्न हुआ जिसमें स्टाफ के लगभग 200 से ज्यादा कार्यकर्ता एवं अधिकारियों ने एक मुहिम के तहत वृक्ष रोपण किया जिसमें लगभग 100 से ज्यादा फलदार और बड़े पेड़ के पौधे गए इसके बाद कार्यक्रम में प्रोजेक्ट डायरेक्टर अमृतलाल साहू ने बताया है कि हम पेड़ काटने को लेकर आलोचना झेलते हैं इसका कारण है कि रोड निर्माण कार्य में कुछ पेड़ काटे जाने जरूरी हो जाते हैं लेकिन आज विश्व पर्यावरण दिवस पर हम एक मुहिम के तहत इस पखवाड़े में एक पेड़ मां का नाम कार्यक्रम के तहत संपूर्ण हाईवे पर वृक्षारोपण को बढ़ावा देंगे उसके साथ ही प्लास्टिक का जो उपयोग है उसे भी काम करना अत्यंत जरूरी है क्योंकि एक प्लास्टिक की अनुमानित आयु लगभग 100 से 150 साल होती है अतः जितना कम प्लास्टिक उपयोग होगा उतना पर्यावरण की सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा इस अवसर पर एनएचआई वरिष्ठ अधिकारियों में पंकज सिंघल भागेश धीरज मनवार ऋषभदेव सुशील कुमार ओझा कपिल शर्मा अवध राज सिंह निलेश वर्मा प्रोजेक्ट मैनेजर क्रांति कुमार पृथ्वी राठी रचित अग्रवाल संदीप संजय तुषार आशीष सोनू कौशल आदि कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित रहे और इन्होंने पौधारोपण किया।

प्लास्टिक प्रदूषण के विरुद्ध चलाया गया जागरूकता अभियान

जबलपुर। तकनीकी महाविद्यालय तक्षशिला ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस जबलपुर में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शहर में प्लास्टिक प्रदूषण के खिलाफ जन जागरूकता अभियान चलाया गया। इस वर्ष की थीम बीट प्लास्टिक पॉलूशन (प्लास्टिक प्रदूषण को हराओ) पर आधारित यह कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पौधा रोपण से हुई जिसमें प्रबंधन, फैकल्टी मेम्बर्स एवं छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे संस्था के चेयरमेन आरएन पहारिया ने कार्यक्रम में पधारे अतिथियों एवं छात्रों को धन्यवाद दिया तथा पर्यावरण दिवस के प्रत्येक स्तर पर पर्यावरण संरचना और हमारी प्रकृति के रख-रखाव पर युवा वर्ग को संकल्पित रहने को कहा। साथ ही प्लास्टिक के स्थान पर कपड़े के थैले का उपयोग करने कहा। कार्यक्रम में आरएन पहारिया, शरद कुमार गुप्ता, रतन कुमार खर्द, डॉ. आईके खन्ना, डॉ. बीके साहू, डॉ. अर्पित शुक्ला, डॉ. नितिन गौर, डॉ. पर्व परमार, प्रो. गुरबानी कौर, प्रो मेघा अग्रवाल, प्रो. कीर्ति पटेल, निधि सराफ आदि उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर जमतरा घाट के दक्षिणीमुखी हनुमान मंदिर में किया पौधारोपण

जबलपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 05 जून को ज्योतिष एवं भागवत आचार्य व्यास जी राघवाचार्य, पुरोहित दीपक एवं अखिल भारतीय ब्राह्मण एकीकृत परिषद के पदाधिकारियों द्वारा जमतरा घाट स्थित दक्षिणी मुखी हनुमान मंदिर परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पुनीत कार्य में परिषद के कई प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से जिलाध्यक्ष ममता प्यासी एवं दिवाकर प्यासी, जिला संयोजक पंडित सुशील पाण्डेय, व्यापार प्रकोष्ठ जिला संयोजक पंडित नंद किशोर तिवारी, जिला उपाध्यक्ष पंडित जयंत त्रिपाठी, व्यापार प्रकोष्ठ जिला महामंत्री पंडित मंगल पांडे, तहसील अध्यक्ष पंडित कृष्णकांत त्रिपाठी, महिला प्रकोष्ठ से सुषमा दुबे एवं मनीषा पारासर सहित अमित पारासर एवं संगीता लटोरिया उपस्थित रहे। इस आयोजन का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन जागरूकता फैलाना और वृक्षारोपण के माध्यम से प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना रहा। सभी ने मिलकर विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए और पर्यावरण की शुद्धता एवं संतुलन हेतु संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन "वृक्ष लगाएं, जीवन बचाएं" के संकल्प के साथ किया गया।

पौधारोपण कर मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

मझौली। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य पर वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया गया जिसके अंतर्गत तहसील मझौली अस्पताल एवं विभिन्न स्थानों पर पौधा लगाकर पर्यावरण को हरा-भरा करने का संदेश दिया। इस अवसर पर नगर परिषद पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र चौरसिया टारगेट युवा शक्ति वेलफेयर सोसाइटी मझौली के अध्यक्ष आशीष तिवारी शिवकुमार प्रजापति रिंकू पटेल शिवम मेहरा एवं सीबीएमओ दीपक गायकवाड एवं समस्त मझौली अस्पताल स्टाफ उपस्थित रहा।

3 ग्राम पंचायत में होने के बाद भी प्रतीक्षालय मूत्रालय तक नसीब नहीं

मूलभूत सुविधाओं को तरसता भेड़ाघाट चौराहा

हरिभूमि भेड़ाघाट।

भेड़ाघाट चौराहा अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है यहां पर मूलभूत हो सुविधाओं के नाम पर प्रतीक्षालय यात्रियों को नसीब नहीं हो पा रहा है भेड़ाघाट चौराहा मुख्य विश्व पर्यटन स्थल की शान है फिर भी भेड़ाघाट चौराहा पर मूत्रालय तक नहीं हैं तीन-तीन ग्राम पंचायत में आने के बाद भी भेड़ाघाट चौराहा पर मूलभूत सुविधाओं का अभाव से यहां के नागरिकों में भारी आक्रोश एवं रोष की भावना व्याप्त हो रही हैं कि आखिर कर ग्राम पंचायत बिल्हा ग्राम पंचायत कूड़न ग्राम पंचायत बिलखारवा तीनों पंचायत में आने के बाद भी यहां पर यात्रियों को कोई सुविधा नहीं है भेड़ाघाट चौराहा हजार पर्यटक यहां से रोज गुजरते हैं फिर भी प्रशासनिक अधिकारियों

को यहां की मूलभूत सुविधाओं को नजर अंदाज किया जा रहा है सरपंचों द्वारा भी यहां पर कोई सुविधा उपलब्ध नहीं कराई जा रही है भेड़ाघाट चौराहा को अनाथ की तरह छोड़ दिया गया है क्या तभी तो यहां पर मूलभूत सुविधाओं को लेकर नागरिकों ने जिला कलेक्टर से मांग करते हुए कहा है कि भेड़ाघाट चौराहा पर कम से कम यात्री प्रतीक्षालय एवं शौचालय की व्यवस्था कराई जाए जिससे लोगों को हो रही भारी परेशानियों से निजात मिल सके सर्वश्री अनिल दुबे, कमलेश दुबे कम्मू, मनोज साहू, नंदी पटेल, आशीष साहू, समस्त भेड़ाघाट चौराहा वासियों ने मांग करते हुए कहा है कि शीघ्र भेड़ाघाट चौराहा पर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए।

आखिर ग्राम पंचायतों का कर्तव्य क्या है

भेड़ाघाट चौराहा तीन-तीन ग्राम पंचायत में होने के बावजूद भी ग्राम विकास की राशि कहां जा रही है ग्राम पंचायत पर शासन प्रशासन का कोई नियंत्रण नहीं है क्या।तभी तो भेड़ाघाट चौराहा पर विकास के नाम पर छलावा किया जा रहा है यहां पर नल जल योजना हो या कोई भी विकास कार्य नहीं कराया जा रहा है बिल्हा ग्राम पंचायत के अन्तर्गत दुर्गा कॉलोनी में पानी की समस्या को लेकर सड़क पर पानी भर रहा है दुर्गंध मारता पानी से बीमारियां फैलने का खतरा भी बढ़ रहा हैं और जनप्रतिनिधि भी सिर्फ वोटो की राजनीति कर रहे हैं भेड़ाघाट चौराहा का कोई माई बाप नहीं है क्या।

घर में घुसकर आंखों से कमजोर व्यापारी से मांगी रंगदारी

जबलपुर। अधारताल थाना अतंर्गत निर्भयनगर में एक घर में बाउंड्रीवॉल कूदकर घुसे एक आरोपी ने शेयर मार्केट कारोबारी से शराब पीने के लिए रुपए मांगे, इसके बाद मारपीट की। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। अधारताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार शेयर मार्केट कारोबारी दीपक कुमार पटेल के घर में देर रात लगभग 2.30 बजे मोहल्ले का रहने वाला बदमाश गौरव बाउण्ड्री वॉल कूदकर घर में घुसा और व्यापारी को धमकी दी और शराब पीने के लिए रुपए की मांग करने लगा, इस बीच व्यापारी ने जब मना किया तो उसके साथ झूमाझपटी कर मारपीट करने लगा, आवाज सुनकर उसकी भांजी आई तो आरोपी ने जान से मारने की धमकी दी। चूंकि व्यापारी को आंखों से कम दिखता है इसलिए बदमाश घर में घुसा लेकिन घटना के वक्त उसकी भांजी मौजूद थी जिसने आरोपी को पहचान लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296, 115(2), 119(1), 331(4), 351(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

सड़क दुर्घटना में घायल युवक की मौत

जबलपुर। पनागर थाना अतंर्गत कुशनेर ओवर ब्रिज के पास सड़क दुर्घटना में घायल एक युवक की मेडीकल अस्पताल में उपचार दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है। पनागर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार रामपुर छापर गोरखपुर निवासी 17 वर्षीय अंश खटीक का कुशनेर ओवर ब्रिज के पास सड़क दुर्घटना में घायल होने के कारण मां अंजू खटीक द्वारा गत दिवस मेडीकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार दौरान गत रात लगभग 9.15 बजे अंश खटीक की मौत हो गई। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम कर मामला जांच में लिया है।

53वीं म.प्र. राज्य तैराकी में नगर के तैराकों ने जीते 10 गोल्ड सहित 44 मेडल

जबलपुर। मध्य प्रदेश तैराकी संघ के निर्देशन में खंडवा जिला तैराकी संघ द्वारा इंडोर स्वीमिंग पूल में आयोजित 53वीं म.प्र. राज्य एकोटिक चैम्पियनशिप 2025 में नगर के गौरव पुत्र बालक, बालिका तैराकों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 10 गोल्ड सहित कुल 44 मेडल जीतने में सफलता प्राप्त की, जिसमें बालिका वर्ग 17 वर्ष एवं महिला वर्ग में नगर की प्रतिभावान तैराक मानवी श्रीवास्तव ने 5 गोल्ड एवं सिल्वर के साथ 10 मेडल जीते, इसी प्रकार बालक 14 वर्ष में संस्कारधानी जबलपुर के उदीयमान तैराक समर्थ खरे ने 100 मी. बेक स्ट्रोक में मीट रिकार्ड के साथ 3 गोल्ड 2 ब्रांज मेडल जीते, नगर के ही प्रतिभावान तैराकों जिसमें अंश अरोरा, स्पर्श गुप्ता, रोहन अंबूरे, आदित्य मिश्रा, शौर्य पटेल, रित्विक वाफना, रिशिक तिवारी, कबीर बलहारा, जन्मेजय पचौरी, कबीर कश्यप, हरलव सिंह, मो. नबील, तनिष्क झारिया एवं बालिका वर्ग में शरन्या सिंह ठाकुर, शेरा दुबे, त्रिशा दुबे, शिल्पी कोल, तनवी कुश्वाहा, गौरिका जैन ने अपने-अपने इवेंट में उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए सिल्वर एवं ब्रांस मेडल जीतने में सफलता अर्जित की। प्रतियोगिता में जिला तैराकी संघ जबलपुर के अध्यक्ष संजय पटेल एवं उक्त प्रतियोगिता में तकनीकी अधिकारी सुनील कुमार पटेल, जमना प्रसाद, सिमोन पटेल व टीम मैनेजर शिवम पटेल रहे।

श्रीमती कमला देवी आहूजा- राइट टाउन निवासी श्री गिरधारी लाल आहूजा की धर्मपत्नी श्रीमती कमला देवी आहूजा (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री चंद्रशेखर गुप्ता- नेशनल कॉलोनी रामपुर निवासी श्री चंद्रशेखर गुप्ता (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री भरत प्रजापति- कछियाना द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री बलची प्रजापति के पुत्र श्री भरत प्रजापति (46) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री रमेश चंद- चंद्रलोक परिसर रांझी मानेगांव निवासी श्री रमेश चंद (71) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अमृत लाल पृथ्यानी- नारायण चौक द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री अमृत लाल पृथ्यानी का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

डॉ. राजेश शर्मा- भीम नगर पोलीपाथर निवासी डॉ. राजेश शर्मा (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सरोज सिंह ठाकुर-

प्रेमसागर पुलिस चौकी के पास घमापुर निवासी श्री मुरारी लाल ठाकुर की धर्मपत्नी श्रीमती सरोज सिंह (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री भीमा शंकर गावंडे- समीक्षा टाउन कांचघर निवासी श्री भीमा शंकर गावंडे (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मोक्षधाम में किया गया।

श्री सौरभ कोल- पोलीपाथर लाइन पार निवासी श्री अनिल कोल के पुत्र श्री सौरभ कोल (25) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री रीतेश ठाकुर- गली नं. 6 त्रिमूर्ति नगर निवासी श्री अशोक ठाकुर के पुत्र श्री रीतेश ठाकुर (35) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती तुलसा बाई पटेल- रांझी पुरानी बस्ती स्थित कटनी दफाई निवासी श्री मंगल सिंह पटेल की धर्मपत्नी श्रीमती तुलसा बाई पटेल (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री रवि पिल्ले- गली नं. 24 सदर पासी मोहल्ला निवासी श्री रवि पिल्ले (56) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मोक्षधाम में किया गया।

हरिभूमि
बिजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अन्य साइज 40/- प्रति कॉलम से.मी.
फिक्स साइज:- 8x4 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- 8x4 से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज 8x8 से.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:- 9303508294, 9407362100

पुरानी रंजिश पर दो पक्षों में झगड़ा

2 महिलाओं सहित आधा दर्जन घायल

जबलपुर। मझौली थाना अतंर्गत नयागांव शिव मंदिर के पास पुरानी रंजिश पर दो पक्षों ने एक दूसरे के साथ मारपीट कर लोहे की रॉड से हमला कर घायल कर दिया। मारपीट की इस घटना में आधा दर्जन लोग घायल हो गए, जिनमें दो महिलाएं भी शामिल हैं। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मझौली पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार नयागांव निवासी 38 वर्षीय मजदूर सुनील मेहरा गत रात लगभग 8 बजे अपने घर के पास बने शिव मंदिर के पास अपनी मां के साथ खडा था तभी राजेश उसकी भतीजी मानसी के साथ गाली गलौज कर रहा था, उसकी मां त्रिवेणी बाई ने राजेश को गालियां देने से मना किया तो राजेश उसकी मां के साथ भी गाली गलौज करने लगा। सुनील और उसका भाई बब्लू उर्फ राघवेन्द्र झारिया ने गाली देने से मना किया तो राजेश, राजेश का भाई रामसुजान एवं राजेश की पत्नी जावित्री बाई तीनों मारपीट कर लोहे की राड से हमलाकर सुनील के सिर माथे में, जावित्री बाई ने डंडा से मां त्रिवेणी के कंधे, जांघ में और रामसुजान ने बल्लू के साथ मारपीट कर चोटें पहुंचा दी।

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर

क्रमांक- प्र.का.से./का.से./2025-26/156
दिनांक 06/06/2025

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मौजा/ ग्राम गढ़ा नं.बं. 599 पह.नं. 28/33 पुराना नया 6 खसरा नं. 235/5 (शामिल खसरा -236/2), 237/1 (शामिल खसरा 237/1 (शामिल खसरा 238/1 (शामिल खसरा 239/1, 240/1)) 237/1/1 (शामिल खसरा 237/1/क (शामिल खसरा 238/1/क, 239/1/क, 240/1 / क), 237/1/2, (शामिल खसरा 237/1 ख (शामिल खसरा 238/1ख, 239/1ख, 240/1ख) कुल रकबा 0.208 हेक्टेयर (2080.00 वर्गमीटर) भूमि पर आवासीय भूखंडीय विकास (संजीवनी हाईट्स) की अनुमति हेतु विकासकर्ता/ कालोनाईजर मेसर्स राज बिल्डर्स एंड एसोसिएट्स प्रोपा. श्री रचित दीक्षित निवासी 658, मदन महल स्टेशन रोड, नरसिंह वार्ड जबलपुर कालोनाईजर द्वारा कालोनी विकास अनुमति प्राप्त करने के लिए निष्पादित विकास अनुबंध अनुसार विकास कार्यो के विरूद्ध निगम पक्ष में बंधक रखी गई संपत्ति का विवरण निम्न है-

भूखंड क्रमांक- संपूर्ण सातवां तल कुल- BUA 448.74 वर्गमीटर

अत: सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त दर्शित संपत्ति भूखंडों का क्रय विक्रय कालोनी विकासकर्ता द्वारा नगर निगम से विकास कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र प्राप्त करने के पूर्व न किया जाये उपरोक्त संबंध में विस्तृत जानकारी एवं विवरण तथा अभिन्यास का अवलोकन कार्यालयीन कार्य दिवस में नगर पालिक निगम जबलपुर कालोनी सेल का क्रमांक 5 में किया जा सकता है ।

प्रभारी कालोनी सेल
नगर पालिक निगम जबलपुर

खबर संक्षेप

यूरोपीय सेंट्रल बैंक ने ब्याज दर में 0.25% कटौती की

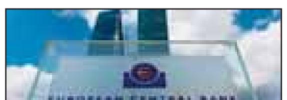

फ्रैंकफर्ट। यूरोपीय सेंट्रल बैंक (ईसीबी) ने कारोबारों एवं उपभोक्ताओं को समर्थन देने के लिए आठवीं बार अपनी नीतिगत ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती की। केंद्रीय बैंक की दर-निर्धारण परिषद ने रेपो दर में एक चौथाई अंक की कटौती करने का फैसला किया। मानक ब्याज दर घटकर दो प्रतिशत रह गई है।

गेल ने दाभोल एलएनजी टर्मिनल का किया संचालन

नई दिल्ली। भारत की सबसे बड़ी गैस कंपनी गेल ने महाराष्ट्र के दाभोल में अपने 50 लाख टन सालाना तरलीकृत प्राकृतिक गैस आयात टर्मिनल का संचालन पूरी क्षमता से शुरू कर दिया है। कंपनी को रत्नागिरी टर्मिनल (दाभोल एलएनजी संयंत्र) को हर साल 25 मई से चार महीने के लिए बंद करना पड़ता था। समुद्र में ऊंची लहरों से जहाजों को नुकसान न पहुंचे।

ओपनएआई ने भारत में खोली एआई अकादमी

नई दिल्ली। कृत्रिम मेधा (एआई) टूल चैटजीपीटी का विकास करने वाली कंपनी ओपनएआई ने भारत में एआई के भविष्य पर एक बड़ा दांव लगाते हुए कहा कि भारत के पास एआई प्रतिभा की अगुवाई करने का तगड़ा मौका है। ओपनएआई अकादमी इंडिया का शुभारंभ करने के बाद यह बात कही।

इरेडा के क्यूआईपी निर्गम का न्यूनतम मूल्य तय

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की इरेडा के निदेशक मंडल ने पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) निर्गम के लिए आधार मूल्य 173.83 रुपये प्रति इक्विटी शेयर तय किया है। कंपनी इसके जरिये करीब 5,000 करोड़ रुपये जुटाएगी। इरेडा के निदेशक मंडल ने इस साल जनवरी में 5,000 करोड़ रुपये तक जुटाने के लिए क्यूआईपी को मंजूरी दी थी।

एनटीपीसी समूह की स्थापित क्षमता 80,265 मेगावाट पर

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली उत्पादक कंपनी एनटीपीसी की अनुषंगी की अनुषंगी एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी ने 1,255 मेगावाट की खावड़ा सौर परियोजना से 110.25 मेगावाट की वाणिज्यिक आपूर्ति शुरू कर दी है। इसके साथ एनटीपीसी समूह की स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता 80,265 मेगावाट हो गई है।

प्रॉक्टर एंड गैंबल 7,000 नौकरियां करेगी खत्म

न्यूयॉर्क। प्रॉक्टर एंड गैंबल (पीएंडजी) अगले दो वर्षों में 7,000 तक नौकरियों में कटौती करेगी। कंपनी ऐसे समय में पुनर्गठन कार्यक्रम लागू कर रही है जब शुल्क अमेरिकी कंपनियों के लिए लागत बढ़ा रहे हैं और उपभोक्ता अर्थव्यवस्था को लेकर चिंतित हैं। पेरिस में डॉयचे बैंक उपभोक्ता सम्मेलन में घोषित की गई नौकरियों में कटौती कंपनी के वैश्विक कार्यबल का लगभग छह प्रतिशत या इसके गैर-विनिर्माण पदों का लगभग 15 प्रतिशत है।

अब आ गए 'नमक' से चलने वाले स्कूटर, पेट्रोल भरवाने की टेंशन ही खत्म

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

- अभी साधारणतः ईवी स्कूटर में लिथियम आयन बैटरी होती है

अगर आपने अब तक पेट्रोल से चलने वाले स्कूटर्स ही चलाए हैं तो अब शायद कुछ ही सालों में सड़कों पर आपको नमक से चलने वाले स्कूटर भी देखने को मिल सकते हैं। दरअसल ये भी इलेक्ट्रिक स्कूटर ही होंगे लेकिन इनमें जो बैटरी इस्तेमाल होगी ये साधारण लिथियम आयन बैटरी नहीं होगी बल्कि ये सॉल्ट आयन बैटरी होगी जो सी-सॉल्ट से तैयार की जाएगी। चीन की सड़कों पर आपको इलेक्ट्रिक स्कूटर मिलेंगे, जो समुद्री नमक से बनी सोडियम-आयन बैटरी से चलते हैं। ये स्कूटर्स पूरे देश में हैं और लोग इन्हें दुकानों, दफ्तरों, मेट्रो स्टेशनों और हर जगह ले जाते हैं, क्योंकि ये व्यावहारिक हैं और तेजी से चार्ज भी हो जाते हैं। ये इलेक्ट्रिक स्कूटर्स आम तौर पर 400 से 660 डॉलर (35,000 रुपए से लेकर 51,000 रुपए) की कीमत में बेचे जाते हैं।

इस स्कूटर की बैटरी सी-सॉल्ट से तैयार की जाएगी

लिथियम के मुकाबले सस्ता और स्मार्ट विकल्प

आज के समय में जब दुनियाभर में इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग तेजी से बढ़ रही है, लिथियम की सीमित उपलब्धता और ऊंची लागत एक बड़ी चिंता बन चुकी है। इसके अलावा, लिथियम खनन से पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचता है। इसके उलट, सोडियम एक सस्ता, व्यापक रूप से उपलब्ध और पर्यावरण-सुलभ विकल्प है, जिससे यह तकनीक अधिक टिकाऊ बन जाती है।

सोडियम - लिथियम का ईकोसिस्टम : लिथियम-आयन या लेड-एसिड बैटरी के बजाय, इलेक्ट्रिक स्कूटर की नई पीढ़ी समुद्री नमक से निकाले गए सोडियम-आयन बैटरी का उपयोग करती है। यह न केवल एक सस्ता समाधान है, बल्कि प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भरता को कम करने में एक महत्वपूर्ण कदम भी है। याडिया ने इस तकनीक पर आधारित 3 अलग-अलग मॉडल पेश किए हैं, जिनकी कीमत 400 से 660 डॉलर के बीच है।

ये बैटरी होती है इस्तेमाल : ये इलेक्ट्रिक स्कूटर्स लेड-एसिड या लिथियम-आयन सेल से नहीं चलते हैं जिनका आमतौर पर इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स में इस्तेमाल किया जाता है, इन्हें चलाने के लिए इनकी बैटरी सोडियम से बनी होती हैं, जो समुद्री नमक से निकाला जा सकने वाला एक प्रचुर तत्व है।

हांग्जो में लाइव टेस्ट ड्राइव

ये नए तरीके के स्कूटर हांग्जो में एक शॉपिंग मॉल के सामने टेस्ट किए गए और इन्हें जनता के सामने पेश किया गया है। इनके पास स्पेशल चार्जिंग स्टेशन लगाए गए थे, जिससे इनकी बैटरी को 15 मिनट में 0 से 80 प्रतिशत तक चार्ज की जा सकता है।

बैंक व वित्तीय संस्थानों के शीर्ष अधिकारियों ने कहा, कर्ज की मांग बढ़ेगी

बूस्टर डोज साबित होगा आरबीआई का कदम कर्ज की मांग बढ़ेगी, आर्थिक वृद्धि को मिलेगी गति

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बैंकों और वित्तीय संस्थानों के शीर्ष अधिकारियों ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के रेपो दर में 0.5 प्रतिशत की कटौती और नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) को एक प्रतिशत घटाने के फैसले से खुदरा, कृषि एवं एमएसएमई समेत विभिन्न क्षेत्रों में कर्ज मांग में तेजी आने के साथ पूंजीगत व्यय बढ़ेगा और कुल मिलाकर आर्थिक वृद्धि को गति मिलेगी।

महंगाई दर में नरमी के बीच आरबीआई ने शुक्रवार को आर्थिक वृद्धि को गति देने के मकसद से प्रमुख नीतिगत दर रेपो को उम्मीद से अधिक 0.5 प्रतिशत घटाकर 5.5 प्रतिशत कर दिया। इसके साथ आरबीआई ने बैंकों के लिए अप्रत्याशित रूप से नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में भी एक प्रतिशत की कटौती की घोषणा की।

समय पर नीतिगत बदलाव

सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन ओवरसीज बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अजय कुमार श्रीवास्तव ने कहा, " आरबीआई द्वारा रेपो दर को 0.50 प्रतिशत घटाकर 5.50 प्रतिशत करने और सीआरआर को चार चरणों में एक प्रतिशत कम करने का निर्णय एक मजबूत तथा समय पर नीतिगत बदलाव को दर्शाता है जो मूल्य स्थिरता के साथ वृद्धि को संतुलित करने के अनुरूप है।'

- सीआरआर घटाने से खुदरा, कृषि व एमएसएमई में कर्ज की मांग तेज होगी
- सीआरआर में कटौती से बैंकिंग प्रणाली में नगदी की वृद्धि होगी
- कम ब्याज दरें किफायती आवास के लिए खुदरा मांग को बढ़ावा देंगी

कृषि क्षेत्र के लिए शुभ संकेत

विनोद कुमार ने कहा, " ऋण वृद्धि पर आने वाली चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए आरबीआई बहुत सक्रिय कदम उठा रहा है। कम ब्याज दरें, विशेष रूप से किफायती आवास के लिए खुदरा मांग को बढ़ावा देंगी। अच्छे मानसून के साथ कम ब्याज दरें कृषि क्षेत्र के लिए शुभ संकेत हैं।"

बैंकिंग प्रणाली में 2.5 लाख करोड़ की नगदी बढ़ेगी

श्रीवास्तव ने कहा, " सीआरआर में कटौती के निर्णय से बैंकिंग प्रणाली में नकदी में 2.5 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि से ऋण के मोर्चे पर स्थिति अच्छी होने की उम्मीद है...हमारा मानना है कि इन फैसलों से प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में कर्ज विस्तार जरूरी गति मिलने की उम्मीद है, जो समावेशी आर्थिक वृद्धि को तेज करेगा।"

एमएसएमई में ऋण मांग बढ़ेगी

इंडियन बैंक के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ बिनोद कुमार ने कहा, " आरबीआई द्वारा रेपो दर में कटौती से खुदरा, कृषि तथा एमएसएमई (सूक्ष्म, छोटे एवं मझोले उद्यम) जैसे क्षेत्रों में ऋण मांग में वृद्धि होगी। इससे निजी पूंजीगत व्यय को भी बढ़ावा मिलेगा। सीआरआर में कटौती से बैंकों के पास अधिक नकदी उपलब्ध होगी।"

समग्र मांग को बढ़ावा मिलेगा
निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक की मुख्य अर्थशास्त्री साक्षी गुप्ता ने कहा, "रेपो दर में 0.50 प्रतिशत की कटौती और सीआरआर को एक प्रतिशत तक घटाने की घोषणा, वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों के मद्देनजर समग्र मांग को बढ़ावा देने के केंद्रीय बैंक के प्रयासों को दर्शाता है।"

आर्थिक गति को मजबूद दिशा मिलेगी
एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ त्रिभुवन अधिकारी ने कहा, " रेपो दर में 0.50 प्रतिशत की कटौती आरबीआई द्वारा उठाया गया एक साहसिक कदम है। फरवरी 2025 से नीतिगत दर में एक प्रतिशत की कटौती आर्थिक गति को तेज करने की दिशा में एक मजबूत कदम है।

बैंकिंग प्रणाली में अधिक नकदी आएगी

मुथूट फिनकॉर्प लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) जॉन मुथूट ने रेपो दर में कटौती पर कहा, " आरबीआई की मौद्रिक नीति की घोषणा समावेशी वृद्धि को समर्थन देने की दिशा में समय पर उठाया गया और विवेकपूर्ण कदम है। रेपो दर में कटौती और सीआरआर में कमी की घोषणा से न केवल कोष की लागत कम होगी बल्कि बैंक प्रणाली में अधिक नकदी भी आएगी।"

रेपो दर में कटौती से सेंसेक्स 747 अंक उछला, निफ्टी फिर 25,000 के पार

एजेंसी ▶▶ मुंबई

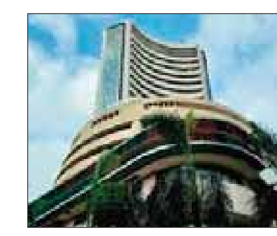

- शेयर बाजार को रास आया आरबीआई का फैसला
- आरबीआई के फैसले को समर्थन मिलने की उम्मीद में उछला बाजार

नीतिगत ब्याज दर में आधा प्रतिशत की कटौती और बैंकों को कर्ज देने के लिए अतिरिक्त राशि का इंतजाम करने के रिजर्व बैंक के फैसले से उपजी सकारात्मक धारणा के बीच शुक्रवार को सेंसेक्स 747 अंक उछल गया जबकि निफ्टी एक बार फिर 25,000 का स्तर पार कर गया।

आरबीआई ने मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद रेपो दर 0.50 प्रतिशत घटाकर 5.5 प्रतिशत कर दिया। इसके साथ ही नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में एक प्रतिशत की कटौती करने की भी घोषणा की गई। विश्लेषकों ने कहा कि आरबीआई के इन कदमों से आर्थिक वृद्धि को समर्थन मिलने की उम्मीद में शेयर बाजार उछल गए। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक 746.95 अंक उछलकर 82,188.99 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 857.85 अंक बढ़कर 82,299.89 अंक पर पहुंच गया था। निफ्टी एक बार फिर 25,000 के स्तर पर पहुंच गया। कारोबार के अंत में यह 252.15 अंक चढ़कर 25,003.05 अंक पर बंद हुआ। मौद्रिक नीति समिति की बैठक का नतीजा आने के पहले थोड़ा सतर्क रुख था लेकिन रेपो दर में 0.50 प्रतिशत की कटौती और सीआरआर को एक प्रतिशत तक कम करने की अप्रत्याशित घोषणा से धारणा एकदम ही बदल गई।/"

बजाज फाइनेंस व एक्सिस बैंक के शेयर चढ़े

इस लिवाली के बीच सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से बजाज फाइनेंस 4.93 प्रतिशत और एक्सिस बैंक 3.15 प्रतिशत चढ़ा। मारुति, इंडसइंड बैंक, बजाज फिनसर्व, इटर्न0ल, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा स्टील, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन, एचडीएफसी बैंक और एनटीपीसी के शेयर भी बढ़त लेने में सफल रहे। दूसरी तरफ, भारती एयरटेल और सन फार्मा के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए।

सेबी ने चोकसी की संपत्ति को कुर्क करने का दिया आदेश

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

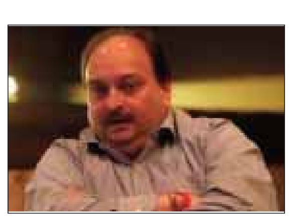

- मेहुल के बैंक खातों, शेयरों, म्यूचुअल फंड को किया जाएगा सीज
- भेदिया कारोबार नियमों के उल्लंघन में 2.1 करोड़ रुपए बकाया

बाजार नियामक सेबी ने गीतांजलि जेम्स के शेयरों में भेदिया कारोबार नियमों के उल्लंघन मामले में 2.1 करोड़ रुपये का बकाया वसूलने के लिए फरार हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी के बैंक खातों, शेयरों एवं म्यूचुअल फंड को कुर्क करने का आदेश दिया है।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने यह कदम 15 मई को चोकसी को भेजे गए एक नोटिस के बाद उठाया गया है, जिसमें 15 दिन के भीतर भुगतान न करने पर संपत्ति के साथ बैंक खाते भी जब्त करने की चेतावनी दी गई थी। चोकसी ने गीतांजलि जेम्स लिमिटेड के शेयरों में भेदिया कारोबार नियमों के उल्लंघन मामले में जनवरी, 2022 में सेबी द्वारा लगाए गए जुर्माने का भुगतान नहीं किया था जिसके बाद यह नोटिस जारी किया गया था। चोकसी गीतांजलि जेम्स का चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक होने के साथ प्रवर्तक समूह का हिस्सा भी था। वह एक अन्य भगोड़े कारोबारी नीरव मोदी का मामा है। दोनों पर सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) से 14,000 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी करने का आरोप है। वर्ष 2018 की शुरुआत में पीएनबी घोटाला सामने आने के बाद चोकसी और मोदी दोनों ही भारत से भाग गए थे।

सभी बैंकों को निकासी रोकने की अनुमति

बकाया वसूलने के लिए सेबी ने सभी बैंकों, डिपॉजिटरी- सीडीएसएल एवं एनएसडीएल और म्यूचुअल फंड कंपनियों से कहा कि वे चोकसी के खातों से किसी भी तरह की निकासी की अनुमति न दें। हालांकि, इन खातों में जमा की अनुमति है। इसके अलावा, सेबी ने बैंकों को चूककर्ता के लॉकर समेत सभी खातों को कुर्क करने का निर्देश दिया है।

एलएंडटी ने ईएसजी बांड से जुटाए 500 करोड़ रुपए...

नई दिल्ली। बुनियादी ढांचे के विकास से जुड़ी कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) ने ईएसजी बॉण्ड के जरिये 500 करोड़ रुपये जुटाने की शुक्रवार को जानकारी दी। ईएसजी बॉण्ड, एक ऋण प्रतिभूति है। इसके जरिये जुटायी गयी राशि का उपयोग पर्यावरण, सामाजिक या प्रबंधन से जुड़े कार्यों में किया जाता है। कंपनी ने बयान में कहा, "लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) ने 500 करोड़ रुपये के ईएसजी बॉण्ड जारी करने की घोषणा की है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की नई पेशकश 'ईएसजी एवं हरित पहल से जुड़े बॉण्ड' रूपरेखा के तहत यह विकल्प चुनने वाली वह पहली भारतीय कंपनी है। बयान में कहा गया, एचएसबीसी इस लेनदेन में एकमात्र प्रमुख प्रबंधक के रूप में कार्य कर रहा है।

यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री तीन फीसदी घटी

- मांग में नरमी से मई माह में यह गिरावट आई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

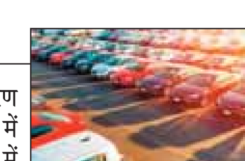

भारत-पाकिस्तान संघर्ष के कारण कई राज्यों में ग्राहकों के खरीदारी में देरी करने तथा छोटी कारों की मांग में नरमी आने से मई में यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री में सालाना आधार तीन प्रतिशत की गिरावट आई। वाहन डीलरों के संगठन फाडा ने यह जानकारी दी।

वाहन डीलर संघों के महासंघ (फाडा) की ओर से शुक्रवार को जारी बयान के अनुसार, पिछले महीने यात्री वाहनों का पंजीकरण 3,02,214 इकाई रहा, जबकि मई 2024 में यह 3,11,908 इकाई रहा था। इसमें कहा गया, छोटी कारों की मांग सबसे अधिक प्रभावित हुई है। सीमित वित्तपोषण और कमजोर उपभोक्ता भावना इसकी मुख्य वजह रही। जम्मू-कश्मीर, पंजाब, राजस्थान और गुजरात में युद्ध संबंधी चिंताएं एवं सीमा पर तनाव बढ़ने से ग्राहकों ने खरीदारी में देरी की। हालांकि, बुकिंग काफी अच्छी रही, लेकिन स्थगित निर्णयों के कारण खुदरा बिक्री में कमी आई।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 1.24 अरब डॉलर घटा

एजेंसी ▶▶ मुंबई

- समाप्त सप्ताह में 691.49 अरब डॉलर पर

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 30 मई को समाप्त सप्ताह में 1.23 अरब डॉलर घटकर 691.49 अरब डॉलर रह गया।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को विदेशी मुद्रा भंडार के नवीनतम आंकड़े जारी किए। पिछले सप्ताह कुल भंडार 6.99 अरब अमेरिकी डॉलर बढ़कर 692.72 अरब डॉलर हो गया था। विदेशी मुद्रा भंडार सितंबर 2024 के अंत में 704.88 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। इससे पहले दिन में आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि 691.5 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार 11 महीने से अधिक के माल आयात और करीब 96 प्रतिशत बकाया विदेशी ऋण को चुकाने के लिए पर्याप्त है। आंकड़ों के मुताबिक, 30 मई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां 19.52 लाख डॉलर घटकर 584.21 अरब डॉलर रह गईं।

आईएमएफ में आरक्षित भंडार घटा

आरबीआई ने कहा कि विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 20 लाख डॉलर से घटकर 18.57 अरब डॉलर हो गया। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार, आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार भी 60 लाख डॉलर घटकर 4.39 अरब डॉलर हो गया।

आपूर्ति श्रृंखला विकसित करने राइट्स व एचसीएल में करार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

- महत्वपूर्ण खनिजों सहित धातुओं की आपूर्ति के लिए

इंजीनियरिंग कंपनी राइट्स लिमिटेड ने घरेलू और विदेशी बाजारों में महत्वपूर्ण खनिजों सहित धातुओं एवं खनिजों की आपूर्ति श्रृंखला को संयुक्त रूप से विकसित करने के लिए हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड (एचसीएल) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। राइट्स लिमिटेड ने शुक्रवार को बताया कि यह साझेदारी भारत और विदेशों में अन्वेषण, निष्कर्षण, शोधन और उत्पादन गतिविधियों पर केंद्रित होगी। सहयोग में खनिज ब्लॉक नीलामी में भागीदारी और खनन बुनियादी ढांचे का विकास शामिल है। समझौता ज्ञापन (एमओयू) के हिस्से के रूप में, राइट्स हिंदुस्तान कॉपर के खनन कार्यों को मजबूत करने के लिए परियोजना नियोजन, परिवहन बुनियादी ढांचे के विकास, बहु-मॉडल परिवहन योजना और रोलिंग स्टॉक समर्थन सहित परामर्श और लॉजिस्टिक्स समाधान प्रदान करेगी। "इस रणनीतिक साझेदारी का उद्देश्य एक एकीकृत, आत्मनिर्भर खनिज मूल्य श्रृंखला का निर्माण करना है जो भारत की महत्वपूर्ण खनिज सुरक्षा का समर्थन करती है।

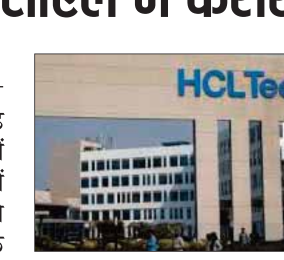

एचसीएल तांबे के पूरे स्पेक्ट्रम में लगी हुई

हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड खान मंत्रालय के तहत एक एकीकृत सार्वजनिक क्षेत्र की तांबा उत्पादक कंपनी है। यह खनन और लाभकारीकरण से लेकर गलाने, शोधन और तांबे के तार की छड़ों के विनिर्माण तक तांबे के उत्पादन के पूरे स्पेक्ट्रम में लगी हुई है।

कंपनी ने उत्पादन रोकने की वजह का खुलकर कोई जिक्र नहीं की

जापान में बंद होने जा रहा है मारुति स्विफ्ट का उत्पादन

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन ने साल 2026 के मई से जापान में अपने स्विफ्ट मॉडल के प्रोडक्शन को बंद करने का फैसला लिया है। निक्केई की एक रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। पहले तो कंपनी ने प्रोडक्शन रोकने की वजह का खुलकर कोई जिक्र नहीं किया था, लेकिन अब इसे चीन के रेयर अर्थ एलिमेंट्स के एक्सपोर्ट पर लगाए गए प्रतिबंध से जोड़कर देखा जा रहा है।

चीन ने सैमेरियम, गैडोलीनियम, टेरबियम, डिस्प्रोसियम, ल्यूटेटियम, स्कैंडियम और यिट्रियम जैसे सात आरईईएस के निर्यात पर रोक लगा दी है। रेयर अर्थ एलिमेंट्स का सबसे ज्यादा उत्पादन चीन में होता है। ऐसे में इसके निर्यात पर प्रतिबंध लगने से ऑटोमोबाइल और डिफेंस जैसे कई सेक्टरों पर असर पड़ने की उम्मीद है क्योंकि इन इंडस्ट्रीज में इन तत्वों का इस्तेमाल बढ़-चढ़कर होता है।

रेयर अर्थ एलिमेंट्स के निर्यात पर लगाए प्रतिबंध से जोड़कर देखा जा रहा

भारत में उत्पादन पर नहीं असर

हालांकि, सुजुकी की इंडियन सब्सिडियरी कंपनी मारुति सुजुकी ने यह साफ तौर पर कह दिया है कि भारत में बनी स्विफ्ट पर इसका कोई असर नहीं पड़ेगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक, मारुति सुजुकी के स्पोक्सपर्सन का कहना है, 'जापान में प्रोडक्शन बंद होने की खबर है, भारत में नहीं।' इससे पहले, कॉरपोरेट मामलों के सीनियर एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर राहुल भारती भी कह चुके हैं कि रेयर अर्थ एलिमेंट्स के निर्यात पर चीन की रोक का कंपनी पर न के बराबर असर होने की उम्मीद है।

भारत के पास आरईईएस का पर्याप्त भंडार : रिपोर्टों के मुताबिक, भारत के पास आरईईएस का पर्याप्त भंडार है। भारत इसका आयात इसलिए कराता है क्योंकि भारत में इन्हें निकालने या प्रॉसेसिंग टेक्नीक अभी उतनी विकसित नहीं हुई है। अब ऐसे में हो सकता है कि आने वाले समय में चीन के इस प्रतिबंध के चलते भारत और जापान जैसे देश एक-दूसरे का सहयोग करने के लिए आगे आए।

चीन रेयर अर्थ एलिमेंट्स का 90 प्रतिशत सप्लायर

बताया जा रहा है चीन इन रेयर अर्थ एलिमेंट्स का 90 प्रतिशत सप्लायर है। ऐसे में सप्लाई में कमी आने की वजह से जापान में सुजुकी को यह कदम उठाना पड़ रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, टैरिफ को लेकर होने वाली अगली बातचीत के दौरान जापान रेयर अर्थ की सप्लाई स्ट्रैटेजी पर अमेरिका के साथ सहयोग का प्रस्ताव रख सकता है। इसके जरिए चीन पर अपनी निर्भरता को कम करते हुए जापान अपनी अर्थव्यवस्था की पहुंच कई महत्वपूर्ण खनिजों तक सुनिश्चित करना चाहती है।

फ्लिपकार्ट को रिजर्व बैंक से कर्ज देने का लाइसेंस मिला

नई दिल्ली। वालमार्ट समर्थित ई-कॉमर्स मंच फ्लिपकार्ट ने बताया कि उसे आरबीआई से कर्ज देने का लाइसेंस मिल गया है। इस वर्ष मार्च में इसकी मंजूरी मिल गई थी। एनबीएफसी(गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी) का लाइसेंस दिए जाने के बारे में पूछने पर फ्लिपकार्ट ने इसकी पुष्टि की, लेकिन कोई विवरण नहीं दिया। इस कदम से फ्लिपकार्ट के लिए ग्राहकों को सीधे ऋण देने का रास्ता साफ हो सकता है। उन्होंने ऐसे विशिष्ट उदाहरणों का उल्लेख किया, जिनमें ग्राहक कई बार अपने द्वारा चुने गए उत्पादों के भुगतान के लिए ईएमआई मॉडल चुनते हैं।

चिंतन

ग्रोथ को गति देने के लिए रिजर्व बैंक का बोल्ड स्टेप

मौजूदा वक्त में अर्थव्यवस्था को जिस खुराक की जरूरत थी, रिजर्व बैंक ने वही खुराक दी है। रेपो रेट में आधा फीसदी की कटौती कर एक साथ उद्योग और लोन उपभोक्ताओं को राहत दी। विशेषज्ञ चौथाई फीसदी कटौती की उम्मीद कर रहे थे, पर केंद्रीय बैंक ने बोल्ड स्टेप लेते हुए नीतिगत दर रेपो रेट में 0.5 फीसदी की कटौती की है। अब रेपो रेट 5.5 फीसदी हो गया है, यह पांच फीसदी के दायरे में है, जिसे सकारात्मक माना जा सकता है। अब रेपो रेट तीन वर्ष के निचले स्तर पर है। इससे आवास, ऑटो और औद्योगिक कर्ज सस्ते होंगे। यह लगातार तीसरी दफा है, जब रिजर्व बैंक ने रेपो रेट में कमी की है। पिछले कुछ तिमाहियों से जहां जीडीपी सुस्त है, वहीं औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में कमी दर्ज की जा रही है। औद्योगिक उत्पादन के साथ कोर सेक्टर की ग्रोथ भी हांफ रही है। वर्तमान में जो वैश्विक स्थितियां हैं, उसमें भारत को अगर विनिर्माण का केंद्र बनकर उभरना है तो भारतीय अर्थव्यवस्था को हर मानक पर अच्छा प्रदर्शन करना होगा। रिजर्व बैंक ने रेपो रेट में कटौती कर सुस्त अर्थव्यवस्था को बूस्ट देने की पहल की है। आरबीआई ने बैंकों के लिए अप्रत्याशित रूप से नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में भी एक प्रतिशत की कटौती की है। सीआरआर में कटौती से बैंकों के पास लोन देने के लिए अधिक फंड होंगे। इससे बैंकों के पास नकदी में 2.5 लाख करोड़ की वृद्धि होगी। इन उपायों से वैश्विक स्तर पर जारी चुनौतियों के बीच अर्थव्यवस्था को जरूरी समर्थन मिलेगा। यह मजबूत कदम है। आरबीआई ने यह कदम ऐसे समय उठाया है जब मुद्रास्फीति अप्रैल में घटकर लगभग छह साल के निचले स्तर 3.16 प्रतिशत और आर्थिक वृद्धि दर 2024-25 में चार साल के न्यूनतम स्तर 6.5 प्रतिशत पर आ गई है। भारतीय शेयर बाजार ने भी उछाल के साथ रिजर्व बैंक के कदम का स्वागत किया है। रेपो वह ब्याज दर है, जिस पर वाणिज्यिक बैंक अपनी तात्कालिक जरूरतों को पूरा करने के लिए केंद्रीय बैंक से कर्ज लेते हैं। इससे पहले, पांच अगस्त, 2022 को यह 5.40 प्रतिशत के स्तर पर थी। आरबीआई इस साल फरवरी से लेकर अब तक रेपो दर में एक प्रतिशत की कटौती कर चुका है। इस साल फरवरी और अप्रैल की मौद्रिक नीति समीक्षा में रेपो दर में 0.25-0.25 प्रतिशत की कटौती की गई थी। आरबीआई ने मौद्रिक नीति रुख को उदार से बदलकर तटस्थ कर दिया है। इसका मतलब है कि केंद्रीय बैंक आर्थिक स्थिति के हिसाब से नीतिगत दर में समायोजन को लेकर लचीला बना रहेगा। आरबीआई ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के अनुमान को 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा है, वहीं खुदरा मुद्रास्फीति के अनुमान को चार प्रतिशत से घटाकर 3.7 कर दिया है। दरअसल, जीडीपी को गति देने के लिए नीतिगत उपायों से घरेलू निजी खपत और निवेश को प्रोत्साहित करना जरूरी है। चूंकि वैश्विक परिवेश अनिश्चित बना हुआ है, इसलिए घरेलू वृद्धि पर ध्यान केंद्रित करना और भी महत्वपूर्ण है। आरबीआई के मौद्रिक उपायों से खुदरा, कृषि एवं एमएसएमई समेत विभिन्न क्षेत्रों में कर्ज मांग बढ़ेगी, जिससे आर्थिक वृद्धि को गति मिलेगी। लेकिन अर्थव्यवस्था को और भी दवा की जरूरत है, जिसमें जीएसटी के सरलीकरण से लेकर नीतिगत सुधार तक की बात है। एफडीआई नियम उदार है, पर देश में सकारात्मक आर्थिक माहौल भी चाहिए। विनिर्माण क्षेत्र के लिए कच्चे माल की आपूर्ति चुनौती बनी हुई है, इस ओर ध्यान देने की जरूरत है।

यूएन का अमृत पथ गढ़ेंगी एनालेना

यूएन महासभा

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

> जर्मनी ने अपने देश की पूर्व विदेश मंत्री एनालेना बेयरबॉक को 80वें सत्र के लिए संयुक्त राष्ट्र महासभा अध्यक्ष हेतु नॉमिनेट किया। उन्हें 193 सदस्यीय देशों वाले संगठन में महासभा की अध्यक्षता के लिए कुल 167 वोट हासिल हुए और वह अब विजयी घोषित की जा चुकी हैं। राजनीतिक समझ के लिए सुप्रसिद्ध एनालेना निश्चय ही संयुक्त राष्ट्र की नयी छवि गढ़ेंगी और आगंतुक देशों को महासभा में दुनिया की विविध चुनौतियों व संभावनाओं पर बहस के साथ आगे बढ़ेंगी। विशेषज्ञों का दावा है कि एनालेना बैरबॉक जानती हैं कि अपने पैरों पर कैसे खड़ा होना है। इसलिए वह यह भी जानती हैं कि संयुक्त राष्ट्र हित को साधने के लिए अमृत मंत्र क्या है और इसका अमृत पथ कैसे सजेगा।

यूएन महासभा का 80वां सत्र सितम्बर 2025 में आरंभ होगा। जैसा कि सर्वविदित है कि यूएन जनरल असेम्बली की अध्यक्षता हर वर्ष अफ्रीका, एशिया-प्रशान्त, पूर्वी यूरोप, लैटिन अमेरिका व कैरीबिया, पश्चिमी यूरोप व अन्य, इन पांच क्षेत्रीय समूहों में बारी-बारी से बदलती है। इस बार जर्मनी को यह जिम्मेदारी मिली और जर्मनी ने अपने देश की पूर्व विदेश मंत्री एनालेना बेयरबॉक को 80वें सत्र के लिए महासभा अध्यक्ष हेतु नॉमिनेट किया। उन्हें 193 सदस्यीय देशों वाले संगठन संयुक्त राष्ट्र में महासभा की अध्यक्षता के लिए कुल 167 वोट हासिल हुए और वह अब विजयी घोषित की जा चुकी हैं। बहुत दिलचस्प बात यह है कि इस महासभा में गोपनीय मतदान होते हैं। एनालेना बेयरबॉक यद्यपि जर्मनी की ओर से एकमात्र उम्मीदवार थीं जिसे स्टेट द्वारा नॉमित किया गया था। हेल्गा शिमड स्व-नामांकित प्रत्याशी थीं। हेल्गा शिमड को भी सात मत प्राप्त हुए। इस प्रक्रिया में 14 प्रतिनिधि सदस्य देशों ने वोटिंग नहीं की लेकिन हेल्गा शिमड के उम्मीदवार बन जाने से यह मतदान दिलचस्प बन गया। यदि हेल्गा के परफ़ॉर्मेंस का मूल्यांकन किया जाए तो यह कहना बिलकुल गलत न होगा कि उनका भी इस प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन रहा। विजयश्री तो एनालेना बेयरबॉक को मिली और अब वह नए सत्र शुरू होने पर यूएनजीए 80वें सत्र की अध्यक्ष की जिम्मेदारी निभाएंगी और विश्व के समस्त आगंतुक देशों को संयुक्त राष्ट्र महासभा में दुनिया की विविध चुनौतियों व संभावनाओं पर बहस के साथ आगे बढ़ेंगी।

स्त्रियों के लिए यह पुनः गर्व की बात है कि जर्मन की पूर्व विदेश मंत्री जो कि एक सशक्त स्त्री हैं, वह 80वें ऐतिहासिक सत्र की अध्यक्षता करेंगी। जर्मन सरकार ने इसलिए एनालेना बेयरबॉक को नामांकित करके व उनकी जीत हासिल करके एक बड़ा मैसेज दुनिया को दिया है और समस्त स्त्री समाज को गर्व से भर दिया है। अहम् बात यह है कि पश्चिमी यूरोपीय समूह क्षेत्र से इस दायित्व को संभालने वाली वह पहली और महासभा की पांचवीं महिला अध्यक्ष होंगी। एक महत्वपूर्ण बात यह है कि एनालेना बेयरबॉक कम 44 वर्षीय उम्र में वैश्विक पटल पर एक बेहद चुनौतीपूर्ण समय में इस पद को संभाल रही हैं जब हिंसक टकराव बढ़े हैं। कई देश युद्ध की आग लिए धधक रहे हैं। बड़े पैमाने पर विश्व में शरणार्थियों की संख्या बढ़ी है। जलवायु संकट व टिकाऊ विकास के लक्ष्य हासिल करने को लेकर संयुक्त राष्ट्र सशंकित है। विश्व में वित्तीय दबाव बढ़े हैं और एनालेना बेयरबॉक के ही कार्यकाल में संयुक्त राष्ट्र के नए महासचिव की चयन प्रक्रिया शुरू होगी और कोई नया चेहरा संयुक्त राष्ट्र की बागडोर संभालेगा। यहां समस्या इस बात की बहुत बड़ी है कि संयुक्त राष्ट्र के बहुपक्षवाद को नई धार देना ज़रूरी है क्योंकि युद्धरत देशों ने कई बार संयुक्त राष्ट्र को अंगूठा दिखाकर मनमानी सैन्य कार्रवाई की और हथियारों का इस्तेमाल किया है। इसलिए यह माना जा रहा है कि वैश्विक बहुपक्षीय व्यवस्था के लिए एक अहम पड़ाव है। यूक्रेन, ग़ाज़ा व अन्य क्षेत्रों में जारी युद्धों का अन्त कराने के प्रयासों पर सुरक्षा परिषद गतिरोध का सामना कर रही है। साथ ही इस गतिरोध के लिए कई बार निंदा करना नाकाफी सा लगने लगा है। वीटो अधिकार प्राप्त देशों की भी आपस में कोई बहुत अच्छी

दोस्ती व संबंध निर्वाह की प्रतिबद्धता नहीं दिखती। ऐसे में चाहे सुरक्षा परिषद् हो या शांति कायम करने वाली दूसरी एजेंसीज जिसका गवर्नेंस संयुक्त राष्ट्र करता है, वहां अनेक चुनौतियां हैं। कोई भी प्रस्ताव वीटो अधिकार प्राप्त देशों पर आ टिकते हैं और समस्याएं मिटती नहीं। चीन, फ्रांस, रूस, ब्रिटेन और संयुक्त राज्य अमेरिका के आपस में अपने-अपने हित जब टकराते हैं तो संयुक्त राष्ट्र को बहुत असहज भी होना पड़ता है। सहमति का बहुपक्षीय होना, बहुपक्षवाद को अंदर से हिला देता है। एनालेना बेयरबॉक जो कि जर्मन सरकार में विदेश मंत्री का दायित्व संभाल चुकी हैं, उनके नेतृत्व के लिए यह चुनौतियां हैं लेकिन उनका जो सौम्य स्वभाव है और जिस कूटनीतिक रणनीतिकार के रूप में विश्व में उनकी छवि है, उससे उम्मीदें हैं और वह सफल होंगी, इस पूर्ण विश्वास को लेकर दुनिया से उन्हें 167 वोट मिले हैं। इसका अर्थ है कि दुनिया के 167 देश एनालेना बेयरबॉक पर पूर्ण विश्वास व भरोसा करते हैं।

एनालेना बेयरबॉक पर भरोसा इसलिए है क्योंकि महासभा अध्यक्ष के आगामी कार्यकाल के लिए उन्होंने जो प्राथमिकताएं प्रस्तुत की हैं वह बहुत ही प्रासंगिक हैं। यथा संयुक्त राष्ट्र को और अधिक दक्ष व प्रभावी बनाना, टिकाऊ विकास के 2030 एजेंडा को आगे बढ़ाना और महासभा को सही मायनों में एक समावेशी फ़ोरम बनाना। समावेशी-दर्शन की हिमायती एनालेना का विश्वास ही उनकी कूटनीतिक विश्वास की धुरी बनने जा रहा है, एक बात तो यह तय है। दूसरी बात उन्होंने खुद कहा कि मैं देखती हूं कि संयुक्त राष्ट्र महासभा की विविधता ही हमारी शक्ति है। यही वो स्थान है, जहां सभी राष्ट्र एक साथ मिलते हैं और जहां हर देश के पास एक चेयर व एक आवाज़ है। एनालेना ने लैंगिक समानता, बहुपक्षवाद, नागरिक समाज व युवजन के साथ सम्पर्क व बातचीत को बढ़ावा देने की पैरवी की है। यह उनके युवा नेतृत्व में विश्वास को प्रकट करता है। उनके भीतर के युवा जोश का प्रदर्शन है। उन्हें यह पता है कि बिना लैंगिक समानता व युवा नेतृत्व से सामंजस्य के कोई भी दुनिया की सफलता हासिल नहीं हो सकती। यह भाव ही उन्हें दुनिया में उनके व्यक्तित्व के साथ श्रेष्ठ बनाते हैं। ऐसे ही लोगों पर यदि दुनिया की बड़ी बहुपक्षीय संसद ने भरोसा जताया है तो यह बहुत ही उपयुक्त है और उत्कृष्ट भविष्य की ओर साथ-साथ बढ़ने का संकेत भी है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरेश स्वयं लैंगिक समानता की बात करते हैं। एनालेना के भी साथ आने से निश्चय ही संयुक्त राष्ट्र को इस दिशा में सकारात्मक दिशा तय करने में बल मिलेगा। एनालेना पर इसलिए भी भरोसा है क्योंकि वह चाहती हैं कि संयुक्त राष्ट्र को बहुमुखी विश्वास के साथ आगे ले जाया जाए। यह युवा नेत्री की अपनी क्षमता ही मानी जाएगी कि वह इस प्रकार की संभावनाओं का विश्व बनाने के पक्ष में अपने विजन-प्लान के साथ स्वयं को खड़ा करती हैं। एनालेना बेयरबॉक के राजनीतिक करियर की शुरुआत उनके माता-पिता ने की थी। उन्हें 1980 के दशक में परमाणु-विरोधी प्रदर्शनों में ले गए थे। अपनी निजी वेबसाइट पर, वह अपनी किशोरावस्था से ही विश्वव्यापी अन्याय से प्रभावित होने व उसके विरुद्ध आवाज़ उठाने का वर्णन करती हैं। इससे उनके जीवन के उत्कृष्ट सोच को समझा जा सकता है। इस दृष्टि व सोच से विश्वास के साथ कहा जा सकता है कि विश्व में संयुक्त राष्ट्र को एक शांतिपूर्ण, सौम्य व सर्वहितकारी बनाने में वह पुरजोर कोशिश करेंगी। राजनीतिक समझ के लिए सुप्रसिद्ध एनालेना निश्चय ही संयुक्त राष्ट्र की नयी छवि गढ़ेंगी। उनके बारे में विशेषज्ञों का दावा है कि एनालेना बैरबॉक जानती हैं कि अपने पैरों पर कैसे खड़ा होना है। इसलिए वह यह भी जानती हैं कि संयुक्त राष्ट्र हित को साधने के लिए अमृत मंत्र क्या है और इसका अमृत पथ कैसे सजेगा।

(लेखक राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी रह चुके हैं और केंद्रीय विश्वविद्यालय पंजाब में चेयर प्रोफेसर हैं, ये उनके अपने विचार हैं।
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया edit@haribhoomi.com पर दे सकते हैं।

सारा संसार

श्री नागेश्वर ज्योतिर्लिंग नागों के ईश्वर रूप में भगवान शिव के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है। यह गुजरात के द्वारका धाम से 17 किलोमीटर बाहरी क्षेत्र की ओर स्थित है। यह रुद्र संहिता में इन भगवान को दारुकावने नागेशं कहा गया है। माना जाता है कि भगवान कृष्ण रुद्राभिषेक के द्वारा भगवान शिव की आराधना करते थे। और बाद में आदि गुरु शंकराचार्य ने कलिका पीठ पर अपने पश्चिमी मठ की स्थापना की।

जीवन बना और बिगाड़ सकती है ये चीजें

संकलित
दर्शन

आम आदमी अपने दिन का पूरा समय इन दो जगहों पर बिताता है वो है घर या फिर दफ्तर में। जैसी व्यक्ति की संगति होती है वैसी ही उसकी मति हो जाती है। इसलिए जरूरी होता है कि व्यक्ति हमेशा अपने लिए सही वातावरण चुनना चाहिए, जिससे वह सही पथ पर चले। आचार्य प्रशांत के अनुसार, एक व्यक्ति किस आधार पर विवाह करता है या फिर कैसी संगति चुनता है। यह महत्व की बात है कि वह व्यक्ति किसके साथ रह रहा है। आप चाहे विवाह करके रह रहे हो या फिर बिना विवाह करके अपना जीवन व्यय कर रहा हो। ऐसे में व्यक्ति को जरूर हमेशा याद रखना चाहिए कि वह अपने जीवनसाथी का चयन किस आधार पर कर रहा है। हर एक छोटी बात जैसे कि वह व्यक्ति अब से लगातार मेरे कमरे में रहेगा? किसके शब्द लगातार पड़ने लग गए हैं तुम्हारे कानों में? इन चीजों को याद करके ही निर्णय लेना चाहिए। क्योंकि इसी बात पर तुम्हारी जिंदगी या तो बन जाएगी या बिल्कुल बर्बाद हो जाएगी। आचार्य प्रशांत आगे कहते हैं कि यहीं बात दफ्तर के लिए है कि दिन के आठ से दस घंटे आप किन लोगों की शक्लें देखते हैं या आर अपना बॉस बोलते हो, वो यूं ही है कोई सड़क का आदमी जो तुम्हारी जिंदगी पर अब अधिकार रखने लग गया है तो तुम बर्बाद हो जाओगे। यही बात दफ्तर के माहौल पर और धंधे की प्रकृति पर लागू होती है। तुम्हारी संस्था किस तरह का व्यवसाय करती है और तुम्हारे काम में किस तरह के लोग लगे हुए हैं?

व्यक्ति की अच्छी बातों को याद कर उसे जीवन में उतारें

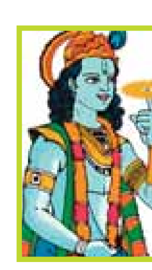

संकलित
प्रेरणा

महाभारत में श्रीकृष्ण की मदद से पांडवों ने कौरवों का पराजित कर दिया था, इसके बाद युधिष्ठिर राजा बन गए। महाभारत युद्ध के बाद जब श्रीकृष्ण द्वारका पहुंचे तो कुछ समय बाद यदुवंशी आपस में लड़कर मारे गए। जब श्रीकृष्ण का अपने धाम लौटने का समय आया तो उन्होंने अपना अंतिम ज्ञान उद्धव को दिया था। उद्धव श्रीकृष्ण के काका के बेटे थे और बहुत विद्वान थे। उद्धव ने श्रीकृष्ण से कई प्रश्न पूछे और भगवान ने सभी प्रश्नों के उत्तर दिए। जब उद्धव श्रीकृष्ण की बातों से संतुष्ट हो गए तो श्रीकृष्ण ने कहा कि उद्धव, अब मैं अपने धाम जाऊंगा यानी मैं इस संसार को छोड़कर जाने वाला हूं। अब तुम्हें भी मुझसे विदा होना होगा। ये बात सुनकर उद्धव दुखी हुए और उन्होंने श्रीकृष्ण का हाथ पकड़ लिया और कहा कि आप इस तरह मुझे छोड़कर नहीं जा सकते, मैं भी आपके साथ चलूंगा। श्रीकृष्ण ने उद्धव को समझाते हुए कहा कि इस दुनिया में सभी अकेले आते हैं और अकेले ही जाते हैं। इतना कहने के बाद श्रीकृष्ण ने अपनी चरण पादुकाएं उद्धव को भेंट में दे दीं और कहा, इस भेंट को याद रखना और अब तुम बद्रीकाश्रम चले जाओ। बद्रीनाथ के पर्वतों पर मैंने तुम्हें जो बातें बताई हैं, उन बातों का चिंतन करना। ये पादुकाएं तुम्हें मेरी अच्छी बातें याद दिलाएंगी। जो ज्ञान मैंने तुम्हें दिया है, उसका लोगों के हित में सही उपयोग करना। श्रीकृष्ण की ये बातें सुनकर उद्धव वहां से चले गए। इसके कुछ समय बाद जरा नाम के शिकारी का बाण श्रीकृष्ण के पैर के तलवे पर लगा। इसके बाद श्रीकृष्ण अपने धाम लौट गए।

साझा संस्कृति

डॉ.रमेश ठाकुर

सिंगापुर में 'लिटिल इंडिया' नाम से बसा छोटा 'भारत'

प्रवासियों ने अपने हिस्से का थोड़ा-थोड़ा हिंदुस्तान जोड़कर सिंगापुर में भी है एक छोटा सा 'भारत' बसाया हुआ है। उसे 'लिटिल इंडिया' कहते हैं, जो वहां बसे भारतीय मूल के लोगों और सनातनी पर्यटकों के लिए सदैव खास स्थान रहा है। 'लिटिल इंडिया' को लेकर एक किताब लिखी गई है जिसे पढ़कर दूनिया के लोग और ज्यादा जान पाएंगे। उस स्थान को लेकर किताब में न सिर्फ दोनों देशों की साझा संस्कृति बल्कि उसमें सामाजिक परिवर्तन, प्रारंभिक जीवन, परिसर में आयोजित होने वाले तीज-त्योहारों, आकर्षण के विभिन्न केंद्र, महत्वपूर्ण जगहें और प्राचीन काल में व्यापार करने के दौरान उत्पन्न हुई चुनौतियों के संबंध में विस्तार से विवरण किया है। 1970 से पहले इस जगह को 'सेरंगून रोड' कहते थे। किताब का नाम 'लिटिल इंडिया एंड द सिंगापुर इंडियन कम्युनिटीः थ्रू द एजेस' है जिसका बीते दिनों भारतीय उच्चायुक्त शिल्पक अम्बुले और सिंगापुर के पूर्व विदेश मंत्री जॉर्ज यो द्वारा संयुक्त रूप से विमोचन किया गया। सिंगापुर में भारतीयों की आबादी इस समय करीब 6 लाख 50 हजार के आसपास है, जो वहां की कुल आबादी का 10 फीसदी हिस्सा है। ये आबादी तीसरी सबसे बड़ी जातीय समूह में भी शुमार है। किताब सन् 1822 में 'लिटिल इंडिया' परिसर के मुख्य मार्ग सेरंगून रोड की स्थापना से लेकर अभी तक के कार्य कलापों का विवरण प्रस्तुत करती है कि किस प्रकार वहां भारतीयों ने वाणिज्यिक और सांस्कृतिक विधा में खुद को चुनौतियों का सामना करके स्थापित किया था। 'लिटिल इंडिया' को लेकर 187 पन्नों की लिखी पुस्तक की लेखिका का नाम 'सौंदरा नायकी वैरावन' है, जो विश्व प्रसिद्ध राइटर हैं। उन्होंने इससे पहले भी भारतीयों पर आधा दर्जन से अधिक किताबें लिखी हैं। किताब के प्रत्येक पन्नों में उन पहलुओं का वर्णन किया गया है कि कैसे 'लिटिल इंडिया' का सिंगापुर में निर्माण हुआ और किसने उस जगह की नींव रखी थी। इसलिए कह सकते हैं कि ये पुस्तक भारतीय समुदाय के लोगों की गतिविधियों का दस्तावेज है। शुरुआती दिनों में 'लिटिल इंडिया को बसाने में सिर्फ भारतीयों ने ही बिना स्थानीय सहयोग के अपनी भूमिकाएं निभाई। उसके बाद वहां की हुकूमत ने बजट आवंटन में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। चुनावों में प्रत्येक सियासी दल भारतीय मूल के वोटरों को अपने पक्ष में करने के लिए कुछ भी करने को तैयार रहते हैं। सियासी दल बकायदा अपने घोषणा पत्रों में 'लिटिल इंडिया' को और विस्तार देने का वादा करते हैं। ये स्थान इतना फेमस है कि सिंगापुर पहुंचने वाले तकरीबन भारतीय 'लिटिल इंडिया' जाना नहीं भूलते। उसका परिसर, रेस्तरां, खानपान और बनावट में भारतीय संस्कृति की खुशबू आती है। भवन में कार्यरत अधिकांश भारतीय ही हैं। इसमें जो होटल हैं उनमें प्रत्येक भारतीय व्यंजन मिलते हैं। कहा जाता है कि तमिलनाडु निवासी नारायण पिल्लई सिंगापुर पहुंचने वाले पहले भारतीय थे। सन् 1824 में सिंगापुर में मात्र 756 भारतीय रहते थे, लेकिन उसके बाद भारतीयों की संख्या में लगातार इजाफा हुआ। सभी जानते हैं कि सिंगापुर एक समृद्ध और विविधता से लबरेज देश है, जो दुनिया के देशों का गहरा प्रतिबिंब है।

(लेखक राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान के सदस्य हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

अंतर्मन

आज की पाती

जापान से सीखें पेड़ों का संरक्षण करना

हर साल विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण है। इस दिवस पर दुनियाभर में पर्यावरण संरक्षण के लिए विशेष अभियान चलाएं जाते हैं। लेकिन दुनिया को इसके लिए अभियान ही नहीं चलाने चाहिए, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के लिए गंभीरता से काम भी करना चाहिए। पर्यावरण संरक्षण के लिए ज्यादा से ज्यादा पेड़ पौधे लगाने चाहिए और पेड़ों का संरक्षण करना चाहिए। दुनिया के सभी देशों को जापान की दाईसुगी तकनीक को अपनाना चाहिए। जापान की यह तकनीक लगभग 600 वर्ष पुरानी है। इस तकनीक से वहां पेड़ों से लकड़ी प्राप्त करने के लिए पेड़ को इस तरीके से काटा जाता है कि इससे पेड़ को इतना नुक्सान नहीं होता जिससे पर्यावरण पर कोई उल्टा प्रभाव पड़े। - **कमल वर्मा**, बलौदाबाजार

करंट अफेयर

रूस ने किया ब्रिटिश काउंसिल को 'अवांछनीय' घोषित

रूस ने 'ब्रिटिश काउंसिल' को 'अवांछनीय' संगठन घोषित करते हुए आरोप लगाया है कि ब्रिटेन की खुफिया सेवा 'एमआई-6' 'ब्रिटिश काउंसिल' की आड़ में काम करती है। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने बृहस्पतिवार को जारी एक बयान में आरोप लगाया कि ब्रिटेन की खुफिया सेवाएं देशों की संप्रभुता को कमजोर करने के उद्देश्य से 'ब्रिटिश काउंसिल' का इस्तेमाल करती हैं। जखारोवा ने कहा, ''रूस के सक्षम प्राधिकारियों को जानकारी मिली है कि ब्रिटिश खुफिया सेवाएं स्वतंत्र देशों की संप्रभुता को कमजोर करने के उद्देश्य से अवैध अभियानों में 'ब्रिटिश काउंसिल' का इस्तेमाल करती हैं और यह गोपनीय विध्वंसक गतिविधियों में शामिल है।'' रूसी महाभियोजक के कार्यालय ने 'ब्रिटिश काउंसिल' को एक अवांछनीय संगठन घोषित किया है, हालांकि यह 2018 से निष्क्रिय है। जखारोवा ने यूक्रेन अभियान का जिक्र करते हुए कहा कि ''विशेष सैन्य अभियान'' की शुरुआत के बाद 'ब्रिटिश काउंसिल' ने ''ब्रिटेन सरकार के शत्रुतापूर्ण रूसी विरोधी कदमों में अभूतपूर्व रूप से साथ दिया''।

ऑफ बीट

प्रति दिन मांस खाने से कोलोरेक्टल कैंसर

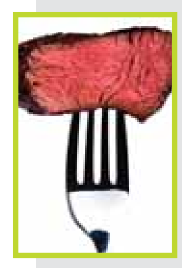

प्रति दिन 50 ग्राम प्रसंस्कृत मांस के सेवन के प्रभाव पर विश्व कैंसर अनुसंधान कोष द्वारा 500 पेज के अध्ययन के सैकड़ों परिणामों में से केवल एक के बारे में खबर दी। अखबार ने पाठकों को बताया कि हर दिन एक बेकन सैंडविच खाने से 'कोलोरेक्टल कैंसर' का खतरा 20 प्रतिशत बढ़ सकता है। यदि यह सापेक्ष जोखिम अनुपात एक से ऊपर है, तो संपर्क में आए व्यक्ति में बिना जोखिम के किसी व्यक्ति की तुलना में रोग विकसित होने की संभावना अधिक होती है। यदि यह एक से नीचे हो तो जोखिम कम हो जाता है। पूर्ण जोखिम किसी विशेष उपचार या जोखिम कारक (उदाहरण के लिए, बेकन सैंडविच खाने या न खाने) के संपर्क में आने या न आने वाले लोगों का अनुपात है, जिनसे किसी दिए गए परिणाम (उदाहरण के लिए, कैंसर) के विकसित होने की आशंका होती है। प्रति दिन 50 ग्राम प्रसंस्कृत मांस खाने से 'कोलोरेक्टल कैंसर' विकसित होने का पूर्ण जीवनकालिक जोखिम पांच से छह प्रतिशत तक बढ़ जाता है। तो यह सच है कि प्रतिदिन 50 ग्राम प्रसंस्कृत मांस खाने वालों के लिए सापेक्ष जोखिम 20 प्रतिशत बढ़ जाता है, लेकिन पूर्ण जोखिम केवल एक प्रतिशत बढ़ता है।

ट्रेंड

कुशलता का प्रतीक

आज मोदी जी द्वारा दुनिया के सबसे ऊँचे रेलवे आर्च ब्रिज 'चिनाब रेल ब्रिज' जनता को समर्पित करना जम्मू-कश्मीर के विकास के प्रति हमारे संकल्प का प्रतिबिंब है। चिनाब पर बना यह स्टील आर्च ब्रिज भारत की कुशलता का जीवंत प्रतीक है।
-अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

सुरक्षा कवच बनाया

ये सपा के अच्छे काम की सोच ही थी कि सड़क से लेकर हर जगह नारी सुरक्षित रहे इसकी सिर्फ़ बात नहीं की बल्कि सच में 1090 का ऐसा सुरक्षा कवच बनाया गया, जो देश के लिए अनुकरणीय बन गया। जनहित में टेक्नोलॉजी का सही इस्तेमाल करना वैज्ञानिक सोच से ही आता है।
-अखिलेश यादव, सपा सांसद

हार्दिक संवेदनाएं

थेन्नाला बालकृष्ण पिल्लई ने कांग्रेस पार्टी के मूल मूल्यों - प्रतिबद्धता, विनम्रता और ईमानदारी को मूर्त रूप दिया। हमने एक सिद्धांतवादी नेता खो दिया है। उनके परिवार, दोस्तों और अनुयायियों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं।
-राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद

आईपीएल में दबदबा

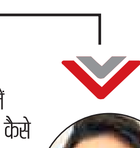

मुझे हमारी युवा टीम द्वारा पूरे टूर्नामेंट में दिखाई गई लड़ाई और धैर्य पसंद आया। कैसे हमारे कप्तान ने आगे बढ़कर नेतृत्व किया और कैसे भारतीय अनकैप्ड खिलाड़ियों ने इस आईपीएल में अपना दबदबा बनाया!
-प्रीति जिंटा, अभिनेत्री

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला- गोद लेने वाली महिला कर्मचारी भी मातृत्व अवकाश की हकदार

दत्तक ग्रहण, संतान पालन अवकाश केवल लाभ नहीं, बल्कि अधिकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

खास खबर

हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि बच्चों को गोद लेने वाली महिला कर्मचारी भी चाइल्ड केयर, गोद लेने की छुट्टी या मातृत्व अवकाश की हकदार है। यह संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्रत्येक मां का मौलिक अधिकार है कि वह अपने नवजात शिशु को मातृत्वपूर्ण देखभाल और स्नेह प्रदान कर सके, चाहे मातृत्व किसी भी प्रकार से प्राप्त हुआ हो। जस्टिस विभु दत्ता गुरु की बेंच ने स्पष्ट किया कि जैविक और गोद लेने वाली या सरोगेट माताओं के बीच मातृत्व लाभों को लेकर कोई भेदभाव नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने यह भी कहा कि दत्तक ग्रहण, संतान पालन अवकाश केवल लाभ नहीं है, बल्कि एक ऐसा अधिकार है जो किसी महिला को उसके परिवार की देखभाल करने की मूलभूत आवश्यकता को पूर्ण करता है। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता 1972 नियमों के तहत 180 दिन की गोद लेने की छुट्टी की अधिकारी हैं। चूंकि उन्हें मातृत्व लाभ अधिनियम, 2017 के तहत पहले ही 84 दिन की छुट्टी मिल चुकी थी, इसलिए शेष को समायोजित किया जाए। याचिका के मुताबिक वर्ष 2013 में याचिकाकर्ता की आईआईएम, रायपुर में नियुक्ति हुई है। वर्तमान में सहायक प्रशासनिक अधिकारी हैं। उनका 2006 में विवाह हुआ है। 20 नवंबर 2023 को दो दिन की बच्ची को गोद लिया और 180 दिनों के लिए अवकाश के लिए आवेदन किया। संस्थान ने छुट्टी को यह कहते हुए अस्वीकार कर दिया कि एचआर नीति में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। दायर याचिका के बाद कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि मां बनना एक महिला के जीवन की सबसे स्वाभाविक घटना है। महिला के लिए बच्चे के जन्म को सुविधाजनक बनाने हेतु जो कुछ भी आवश्यक है, नियोक्ता को उसके प्रति विचारशील और सहानुभूतिपूर्ण होना चाहिए और शारीरिक कठिनाइयों का एहसास होना चाहिए जो एक कामकाजी महिला को होती हैं।

यह भी कहा

संविधान के अनुच्छेद 38, 39, 42 और 43 का हवाला देते हुए कोर्ट ने कहा कि गोद लेने वाली माताएं भी जैविक माताओं की तरह गहरा स्नेह रखती हैं। उन्हें भी समान मातृत्व अधिकार मिलने चाहिए। कोर्ट ने जोर देते हुए कहा, महिलाओं की कार्यबल में भागीदारी कोई विशेषाधिकार नहीं, बल्कि संवैधानिक अधिकार है।

गोद लेने वाली माताएं भी गहरा स्नेह रखती है

कोर्ट ने संस्थान की एचआर नीति का विश्लेषण करते हुए कहा कि यदि सेवा शर्तों से जुड़ा कोई विषय मैनुअल में शामिल नहीं है तो भारत सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित नियमों का पालन किया जाना चाहिए। 1972 के नियमों के अनुसार महिला सरकारी कर्मचारी जो दो से कम जीवित बच्चों की मां है, को यदि वह एक वर्ष से कम आयु के बच्चे को गोद लेती है, तो 180 दिन की चाइल्ड एडॉप्शन लीव दी जा सकती है। कोर्ट ने कहा, जब एचआर नीति चाइल्ड एडॉप्शन लीव पर मौन है और स्वयं की नीति के अनुसार संस्थान को केंद्र सरकार के नियमों को अपनाना चाहिए, तो स्पष्ट रूप से याचिकाकर्ता को 180 दिन की छुट्टी दी जानी चाहिए।

यह तो सच है कि भगवान हैं...

करीब पांच बीघा में फैला है बरगद, श्रद्धा ऐसी कि 18 दिनों तक मेला लगता है

राजा छारी ▶▶| गंजबासौदा

नगर से करीब 30 किमी दूर आमखेड़ा कालू में स्थित विशाल बरगद का वृक्ष अपने आप मे नन्ही दुनिया समेटे हुए है। यहां रहने वाले वृद्ध ग्रामीणों का कहना है कि करीब 5 बीघा भूमि में फैले इस बरगद के पास लक्ष्मण जी का मंदिर बना हुआ है। इसके साथ पौराणिक मान्यता है कि त्रेता युग मे जब लक्ष्मण जी सीताजी को लेकर करीला धाम गए थे, तब उन्होंने इस वृक्ष को रोपा था। इसी कारण ग्रामीण भी इस बरगद को पूजते भी हैं और उसका संरक्षण भी करते हैं। इस बरगद को लोग हजारों वर्ष पुराना मानते हैं। इसीलिए यह अभी तक सुरक्षित है और उसका लगातार संवर्धन होता जा रहा है। ग्रामीण इस विशाल बरगद की अपनी पौराणिक मान्यताओं के चलते पूरी सुरक्षा करते हैं और लकडी काटना पूरी तरह प्रतिबंधित है। साथ ही इस विशाल बरगद के आश्रय में हजारों तरह के जीव जंतु अपना आशियाना बनाए हैं। वहीं कई प्रजातियों के वृक्ष, झाडियां, पौधे भी विकसित हो रहे हैं। अब यह बरगद अकेला नहीं है बल्कि उसकी शाखाओं के नीचे एक छोटी वानिकी ही तैयार हो गई है। बरगद के साथ ही उसके नीचे आश्रय पा रहे जीव जंतुओं, पक्षियों, विभिन्न तरह के पौधे, झाड़ियों को भी ग्रामीण अपने स्तर पर संरक्षित रखे हुए हैं। इस गांव के प्रेमसिंह मीणा बताते हैं कि बरगद के नीचे जन्माष्टमी से लेकर डोल ग्यारस तक भजन पूजन होती है और यहां 18 दिनों तक मेला भी लगता है। डोल ग्यारस को विधि विधान से विमान जी चल समारोह भी निकला जाता है।

बरगद के पास से बहती है कपूर्णा नदी

उधर, ग्राम के बुजुर्गों के अलावा क्षेत्र के युवा ग्रामीण ब्रजेश मीणा, हरि कुशवाह आदि का कहना था कि इलाके में पानी की कमी होने लगी है। इस बरगद के पास से होकर कपूर्णा नदी बहती है, जिसमे पहले साल भर पानी रहता था, लेकिन अब 4 से 5 माह ही पानी रहता है। इस कारण ग्रामीण चिंतित हैं कि कहीं पानी की कमी का असर उस बरगद पर न पड़े। ग्रामीणों ने शासन प्रशासन से इस विशाल और काफी प्राचीन बरगद वृक्ष का संरक्षण करने की मांग भी की है। ताकि, ऐसी पर्यावरणीय धरोहर को आगामी पीढ़ी के लिए सहेजकर रखा जा सके। ग्रामीणों का कहना है कि यह बरगद पौराणिक रूप से तो महत्व रखता ही है, साथ ही इतना विशाल बरगद पर्यावरण के लिए भी काफी लाभदायक है। यही नहीं इस बरगद के कारण आमखेडा कालू भी प्रसिद्ध हो रहा है। गांव पूरे प्रदेश और पर्यावरण प्रेमियों में खासा चर्चित हो गया है और इस कारण भी ग्रामीण ही नहीं आसपास के गांवों के लोग भी इस वृक्ष की पूरी देखभाल और सुरक्षा करते रहते हैं।

20 वर्ष पूर्व शुरु किया आंवला पौधों का रोपण, आज नजर आता आंवला जंगल

बंजर जमीन पर लाई हरियाली, आस्था के साथ दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

वर्ष 2005 में खाली जमीन में पूजा विधान के साथ पौधरोपण करते

बालको हाउसिंग बोर्ड में मौजूद है आंवला गार्डन

नागेन्द्र श्रीवास ▶▶| कोरबा

पर्यावरण की रक्षा के लिए बीड़ा उठाने वाली वेदांत वृक्ष संगम नामक संस्था के मुखिया सहित सदस्यों ने पौधरोपण करने के अलावा उन्हें सहेजने और उनको आस्था से जोड़ने का जो सिलसिला शुरु किया है उसका प्रतिफल आज समाज को सुकून दे रहा है।

एक समय कॉलोनी के समीप बेजान पड़ी बंजर जमीन में आज आंवले का विशाल जंगल नजर आता है। यह सिर्फ जंगल नहीं है। कार्तिक महीने में आंवला नवमीं के दिन यहां आस्था का विशाल संगम भी दिखाई देता है । पर्यावरण की रक्षा का संदेश देने के लिए रक्षाबंधन पर आंवला पेड़ों में रक्षासूत्र भी बांधा जाता है। जिला मुख्यालय से लगभग 10 किलोमीटर दूर भारत एल्युमिनियम कंपनी का पावर प्लांट जहां संचालित होता है उससे लगी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में लगभग दो दशक पहले व्यासमुनि मिश्रा व उनके दोस्तों की टोली रोज कॉलोनी का भ्रमण किया करती थी। इस दौरान कॉलोनी के सामने चारों तरफ सिर्फ मैदान ही नजर आता था। ना तो बैठने के लिए सुकून भरा स्थल था ना ही पर्याप्त ऑक्सीजन। इसलिए श्री मिश्रा ने इस क्षेत्र को हरा भरा बनाने वेदांत वृक्ष संगम नाम से एक संस्था बनाकर प्रयास शुरू किया।हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी की खाली पड़ी लगभग 50 डिसमिल जमीन पर पौधारोपण करना शुरू किया।

रक्षाबंधन पर बांधते हैं राखी

पर्यावरण के प्रति लोगों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से समिति की महिलाएं और पुरुष हर वर्ष रक्षाबंधन के दिन यहां पहुंचते हैं और पूजा अर्चना कर प्रत्येक आंवला के पेड़ों को रक्षा सूत्र बांधते हैं। समिति के सदस्यों का कारवां यहां ही नहीं रुकता वर्षा ऋतु में हर वर्ष समिति के सदस्य आसपास के क्षेत्र में खाली पड़ी जमीनों और तालाबों के किनारे पहुंचकर पीपल, नीम, जामुन जैसेऔषधीय गुणों से भरपूर पौधों का रोपण करते हैं। इस समिति के पदाधिकारी अब तक बालको और उसके आसपास 3 सौ से अधिक पौधों का रोपण कर चुके हैं। उनके इस काम में शहर के विशिष्टजनों ने अपनी भागीदारी दी है।

छत्तीसगढ़ का विशाल हल्दू वृक्ष, उदंती अभ्यारण्य की शान

शेख हसन खान ▶▶| मैनपुर

छत्तीसगढ़ गरियाबंद जिले के मैनपुर विकासखण्ड अंतर्गत उदंती अभ्यारण्य में छत्तीसगढ़ का विशालतम हल्दू वृक्ष पिछले लगभग 180 वर्ष से उदंती अभ्यारण्य का शान बना है। वन विभाग द्वारा इस हल्दू वृक्ष के चारों तरफ बकायदा चबूतरा निर्माण कर दिया है। उदंती अभ्यारण्य में जब कोई वन विभाग के बड़े अफसर या बड़े जनप्रतिनिधि पहुंचते हैं, तो इस हल्दू वृक्ष को देखने जरूरत जाते हैं। ज्ञात हो कि छत्तीसगढ़ जो अपने 44 प्रतिशत जंगलों के लिए जाना जाता है। यहां कुछ ऐसे वृक्ष भी हैं, जो सबसे पुराने और विशालकाय हैं। आज जहां कई जंगल काटे जा रहे हैं। ऐसे मे कुछ ऐसे वृक्ष भी हैं, जो आज भी वर्षो खड़े हैं। उदहारण के लिए उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व के कोर एरिया उत्तर उदंती में स्थित यह सबसे पुराना हल्दू का पेड़। गरियाबंद से देवभोग वाले सड़क पर जब आप जुगाड़ गांव पहुंचते हैं, उदंती के अंदर जाने वाले गेट के समीप ही है। यह विशालकाय वृक्ष, इसका नाम है हल्दू (वैज्ञानिक नाम- एडीना कोर्डीफोलिया)। इसकी औसत गोलाई 622 सेंटीमीटर और उंचाई 34.05 मीटर है। कुछ अध्ययन की माने तो इसके जड़ और छाल अनेक बीमारियों, चर्म रोग, दस्त आदि में राहत प्रदान करते हैं। मिली जानकारी के अनुसार पुरे उदंती अभ्यारण्य के जंगल में इस हल्दू वृक्ष को सबसे पुराना वृक्ष के रूप मे एक माना जाता है। हल्दू वृक्ष का उपयोग अनेक प्रकार के औषधीय बनाने में किया जाता है। खासकर इसका उपयाग त्वाचारोग, घाव, उल्टी, आंतों के कीड़े, अपच और जिगर के रोगों के उपचार के लिए जाता है। हल्दू का खांसी, पीलिया, पेट में दर्द, और पेट में सूजन के पारम्परिक उपचार के रूप में किया जाता है। मिली जानकारी के अनुसार लगातार कटते जंगल के कारण हल्दू वृक्ष को खतरे वाली प्रजातियों की श्रेणी में शामिल कर दिया गया है, इसलिए इस वृक्ष को विल्पुत होने से बचाने की आवश्यकता है।

सत्ता हस्तांतरण का प्रतीक सरगुजा का बरगद 1981 में बना मध्यप्रदेश का राज्य चिन्ह

अजय नारायण पांडे ▶▶| अंबिकापुर

15 अगस्त 1947 के दिन भारत के आजाद होने के बाद देश की अन्य रियासतों के साथ सरगुजा रियासत का भी भारत संघ में शामिल हुई। इस दौरान कुछ रियासतों ने भारत संघ में शामिल होने का विरोध भी किया लेकिन सरगुजा रियासत के महाराज रामानुजशरण सिंहदेव ने सरगुजा रियासत को भारत संघ में शामिल होने के समय को बदलाव का अद्भूत तरीके से प्रदर्शित किया। जनवरी 1948 के दिन जब सरगुजा रियासत की सत्ता हस्तांतरित की गई तो महाराजा एमएस सिंहदेव ने इसकी स्मृति में भारत सरकार के प्रतिनिधि के रूप में तत्कालीन कलेक्टर जीडी के रावाला को बरगद के पौधे का आदान-प्रदान किया तथा कोर्ट के प्रवेश द्वारा के समक्ष इसे सम्मिलित रूप से रोपित किया। 77 साल पूर्व सरगुजा महाराज रामानुजशरण सिंहदेव एवं तत्कालीन कलेक्टर श्री केरावाला रोपित बरगद का पौधा आज विशाल वृक्ष बन गया है। इसे संयोग ही कहेंगे कि यही वटवृक्ष वर्ष 1981 में मध्यप्रदेश सरकार ने राजकी वृक्ष का चिन्ह घोषित किया। इसके पूर्व मध्यप्रदेश सरकार का कोई संबल निर्धारित नहीं था। सत्ता हस्तांतरण के प्रतीक यह बरगद 7 फीट से अधिक गोलाई का है।

भारतीय संस्कृति में प्रकृति एवं पर्यावरण का अत्यंत गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त है। यही कारण है कि हर धार्मिक एवं सांस्कृतिक अनुष्ठानों को पर्यावरण से जोड़ने की परम्परा आज भी कायम है। भारतीय जीवन पद्धति में पंचवटी का महत्व आज तक बना हुआ है। पंचवटी में शामिल बरगद, पीपल, आंवला, अशोक एवं बेल के अतिरिक्त आम एवं जामुन जैसे फलदार वृक्षों के बाग-बगीचे लगाने की परम्परा आज के आधुनिक युग में भी जीवित है। इसी परम्परा के अनुरूप आजादी के पूर्व सरगुजा रियासत में इस्टर्न स्टेट एजेंसी (ईएसए) के हाई कोर्ट का निर्माण किया था तथा हाईकोर्ट परिसर में पंचवटी के साथ ही विभिन्न प्रजाति के फलदार पौधे लगाए गए जो आज भी अपनी समृद्धि को बयां कर रहे हैं।

सरगुजा रियासत के महाराजा एवं प्रथम कलेक्टर ने रोपा था पौधा

महाराजा करते थे मामलों की सुनवाई

इस्टर्न स्टेट एजेंसी के हाई कोर्ट का निर्माण सरगुजा रियासत के तत्कालीन महाराज रामानुजशरण सिंहदेव ने कराया था तथा इसका उद्घाटन 17 मई 1936 के दिन किया गया। महाराजा रामानुजशरण सिंहदेव को द्वितीय श्रेणी न्यायाधीश का दर्जा प्राप्त था। वे हाईकोर्ट में विभिन्न रियासतों के मामलों की सुनवाई करते थे साथ ही कोरिया, चांगभखार, रायगढ़ सहित आसपास की रियासतों द्वारा पारित न्यायालयीन आदेशों को भी पारित करते थे। महाराजा रामानुज शरण सिंहदेव का न केवल तत्कालीन कांग्रेस संगठन में दबदबा था। तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू, सरदार बल्लभ भाई पटेल, सुभाष चन्द्र बोस सहित तत्कालीन अन्य केन्द्रीय मंत्रियों एवं वरिष्ठ नेताओं से प्रगाढ़ संबंध थे। उनके बुलावे पर तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद सरगुजा के भ्रमण पर भी आए थे तथा कुमार पैलेस में रात्रि विश्राम किया था। सरगुजा के इतिहासकार गोविन्द शर्मा बताते हैं कि तब महाराजा को भारत द्वारा पारित हर अध्यादेश को उनकी अनुशंसा के लिए भेजा जाता था।

अर्जुन सिंह सरकार ने बनाया सिंबल

वर्ष 1980 में अर्जुन सिंह सरकार में सरगुजा रियासत की महारानी देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव वन एवं पर्यावरण मंत्री थीं,वहीं महाराजा एमएस सिंहदेव सचिव थे तथा दोनों लोगों का काफी प्रभाव था। बताया जाता है कि सत्ता हस्तांतरण के यादगार पल को ऐतिहासिक बनाने की दृष्टि से महारानी देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव ने पहल की जिसे तत्कालीन मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह ने स्वीकार कर लिया तथा वर्ष 1981 में सरगुजा रियासत के हाईकोर्ट के सामने रोपित बरगद वृक्ष को मध्यप्रदेश का सिंबल घोषित किया।

यहां के स्थानीय लोग इसे देव वृक्ष भी कहते हैं

- 410 साल से पर्यावरण बचाने
- का संकल्प लिए खडा है 'कल्प'

मुकेश कुमार शर्मा ▶▶| ब्यावरा

संपूर्ण विश्व में जहां प्र्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। वहीं राजगढ़ के सारंगपुर में 410 सालों से लोगों की आस्था व मन्नतें पूरी होने का प्रतीक रहा कल्पवृक्ष आज के दौर में प्र्यावरण बचाने का संदेश दे रहा है । ऐसी मान्यता है कि इस वृक्ष से जिस वस्तु की अभिलाषा की जाएं वह पूरी हो जाती है। स्थानीय निवासी बताते हैं कि जहां इसके आस पास लगे पेड़ों की बलि दे दी गई वहीं सिर्फ आस्था का प्र्याय माने जाने के कारण यह कल्पवृक्ष सदियों से बचा रह पाया है। आज भी ईश्वर के निवास होने की मान्यता के साथ इसको पीढ़ियों से पूजा जाता रहा है जो आज भी जारी है। सारंगपुर हाइवे के किनारे बार्ड क्रमांक 01 के अंतर्गत खड़ा यह वृक्ष आसपास के लोगों की आस्था का प्रतीक है। यहां पर मांगी जाने वाली मन्नतें पूरी होने कल्पवृक्ष की पूजा अर्चना कर प्रसादी बांटी जाती है। यहां के स्थानीय लोग इसे देव वृक्ष भी कहते हैं। उनका मानना है कि यह देवताओं द्वारा लगाया गया कल्पवृक्ष है जो कल्पांत तक नष्ट नहीं होता है। 2022 में रेडियोमेट्रिक डेटिंग तकनीक द्वारा की गई आयु गणना में इस कल्पवृक्ष की आयु 410 साल मापी गई है। आश्चर्य की बात यह है कि उस कालखंड का कोई और दूसरा पेड़ इस समय वजूद में नहीं है इससे समझा जा सकता है कि इंसान ने लालच के चलते किस तरह प्राकृतिक संसाधनों का दोहन किया है। जिसके चलते पर्यावरण असंतुलन एवं ग्लोबल वॉर्मिंग जैसी समस्या विश्व के सामने खड़ी हुई है।

खरसोता का जंगल : यहां पेड़ काटने पर होता है जुर्माना और सामाजिक बहिष्कार

छत्तीसगढ़ झारखंड राज्य की सीमा पर बसा जशपुर अपनी प्राकृतिक छटा, हरियाली, घने जंगलों और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए जाना जाता है। लेकिन इस पहचान को कायम रखने में यहां के समाज का महत्वपूर्ण योगदान है। यहां पेड़ काटने पर न केवल जुर्माना होता है बल्कि सामाजिक बहिष्कार भी किया जाता है।

एन.नवीन ओझा ▶▶| जशपुरनगर

जशपुर जिला मुख्यालय से लगभग 10 किलोमीटर दूरी पर स्थित ग्राम खरसोता के ग्रामीणों ने एक सराहनीय पहल की है। लगभग 15 वर्ष पूर्व, ग्राम पंचायत के तत्कालीन सरपंच श्याम लाल भगत की पहल पर जंगलों को आग से बचाने के लिए वन अग्नि सुरक्षा समिति एवं वनों को कटाई से बचने के लिए वन सुरक्षा समिति की स्थापना की गई, जो आज भी जंगलों की सुरक्षा में अपनी अहम भूमिका निभा रही है। समिति द्वारा बनाए गए नियमों के तहत यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर या अनजाने में पेड़ काटता है, तो उसे 1 हजार रुपए का जुर्माना देना होता है। अगर वह व्यक्ति दूसरी बार वही गलती दोहराता है, तो उसका सामाजिक बहिष्कार किया जाता है। इन नियमों का कड़ाई से पालन करने का ही परिणाम है कि खरसोता क्षेत्र में वनों का संरक्षण सुनियोजित ढंग से सुनिश्चित हुआ है। समिति की सतत निगरानी और ग्रामीणों की सहभागिता से न केवल वनों की कटाई रुकी, बल्कि वातावरण में शुद्धता आई और भूजल स्तर में भी सुधार देखा गया है। खरसोता के ग्रामीणों को शुद्ध ऑक्सीजन मिल रही है। स्थानीय निवासी जगदीश राम बताते हैं कि अब ग्रामीणों को मकान मरम्मत हेतु लकड़ी के लिए परेशान नहीं होना पड़ता। समिति के नियमों के अंतर्गत तय राशि अदा कर समीप के जंगलों से ही आवश्यकता अनुसार लकड़ी ली जा सकती है।

पर्यावरण संरक्षकों को किया जाएगा सम्मानित

खरसोता जंगल के संरक्षण के प्रणेता एवं मुख्य भूमिका निभाने वाले श्याम लाल भगत ,पूर्व सरपंच, सचिव जगत पाल, अजीत पोद्दार स्थानीय ग्रामीण एवं अन्य ग्रामीणों को विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून के अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

जागरूकता ही सबसे बड़ा समाधान

वन मण्डलाधिकारी जशपुर,शशि कुमार ने कहा कि पर्यावरण प्रदूषण, ग्लोबल वार्मिंग, वनों की कटाई और जल संरक्षण जैसे विषयों पर जनजागरूकता ही सबसे बड़ा समाधान है। इस वर्ष भी 5 जून को हम सभी पर्यावरण के संरक्षण हेतु संकल्पित हैं।

अभियान के जनक श्याम लाल

पूर्व सरपंच श्याम लाल बताते हैं वर्ष 2010 में शुरू किया गया यह प्रयास अब रंग दिखाने लगा है। ग्राम पंचायत के अंतर्गत लगभग 47 हेक्टेयर वन भूमि है, जिसके संरक्षण हेतु वर्षों पूर्व चलाया गया अभियान आज भी अनवरत जारी है। इस अभियान के चलते खरसोता और उसके आसपास का क्षेत्र आज हराभरा, स्वच्छ हवा और पर्यावरण से भरपूर है। इससे न केवल लोगों का स्वास्थ्य बेहतर हुआ है, बल्कि बीमारियाँ भी पहले की अपेक्षा कम हुई हैं। जब यह मुहिम शुरू की गई थी, तब तत्कालीन डीएफओ ने इसकी भूरी-भूरी प्रशंसा की थी। आज यह मुहिम एक प्रेरणादायक उदाहरण बन गई है। ग्रामीण इसे अपनी संपत्ति समझते हुए उसकी रक्षा के लिए पूरी तरह से समर्पित हैं।

खबर संक्षेप

पुस्तक मेले का तृतीय चरण एमएलबी विद्यालय में 14 एवं 15 जून को

दमोह। पुस्तक मेले का तृतीय चरण महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 14 एवं 15 जून 2025 को आयोजित किया जा रहा हैं। मेले में पुस्तके एवं स्टेशनरी के साथ शूज, यूनिफॉर्म, बैग एवं अन्य स्टेशनरी सामग्री उपलब्ध रहेगी। पुस्तक मेले का आयोजन शाम 4 बजे से रात्रि 10 बजे तक किया जाएगा। मेले में कक्षा 1 से 12 वी तक की समस्त पुस्तके उपलब्ध रहेगी। जिला शिक्षा अधिकारी एसके नेमा ने सभी अभिभावकों व विद्यार्थियों से आग्रह करते हुए कहा मेले में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर मेले को सफल बनाए। मेले के आयोजन का प्रमुख उद्देश्य सभी विद्यार्थियों को समय से समस्त प्रकार की पुस्तकें, स्टेशनरी, यूनिफॉर्म आदि उपलब्ध कराना है। जिला शिक्षा अधिकारी श्री नेमा ने सभी अशासकीय/शासकीय विद्यालयों के प्राचार्य एवं स्टाफ से कहा मेले के आयोजन की सूचना सभी अभिभावकों एवं विद्यार्थियों तक पहुंचाएं ताकि अधिक से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित हो सकें।

उर्वरकों के उपयोग के लिए दिया प्रशिक्षण

दमोह। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर द्वारा एपीसी (apc) विभागों की बैठक में दिए गए निर्देशों के तहत जिले की समस्त 102 सेवा सहकारी समितियों के समिति प्रबंधकों को जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित दमोह के सभाकक्ष में बैठक का आयोजन किया गया। उप संचालक कृषि जे.एल. प्रजापति ने डी.ए.पी. उर्वरक के विकल्पों, नैनो डी.ए.पी., नैनो यूरिया के उपयोग एवं महत्व के बारे में प्रशिक्षण दिया। समितियों को डी.ए.पी. विकल्प के बैनर एवं पम्पलेट उपलब्ध कराए गए। साथ ही सभी समितियों से समिति स्तर पर सदस्य कृषकों हेतु दिनाँकवार कार्यक्रम बनाकर कृषक प्रशिक्षण के लिए कहा गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में महाप्रबंधक जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित दमोह एवं इफको प्रतिनिधि मनोज गर्ग उपस्थित रहे।

पंचायत में मची भर्राशाही अनेक निर्माण कार्य चढ़े भ्रष्टाचार की भेंट

जलहरी में हरिजन मोहल्ला के लोगों को नही मिल रहा पीने को भी पानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ जबेरा

जनपद पंचायत जबेरा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत जलहरी के हरिजन मोहल्ला के निवासियों को इतनी भीषण गर्मी में भी विगत 15 दिनों से पीने को भी पानी नहीं मिल रहा है। जिसको लेकर लोगों ने जनपद उपाध्यक्ष प्रतिनिधि सुजान सिंह को बुलाकर अपनी समस्या सुनाते हुए बताया की ग्राम जलहरी में नल जल मिशन से आने वाला पानी विगत 15 दिनों से बंद है।

जब इस संबंध में जनपद उपाध्यक्ष प्रतिनिधि ने सरपंच जीवन सिंह से जानकारी ली तो उन्होंने बताया कि मुझे इससे कोई मतलब नहीं नल जल मिशन का काम है और जब नल जल मिशन के योगेश जी से इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने बताया की टंकी भरना हमारा काम है बाकी गांव में सप्लाई करना पंचायत का काम है। ग्राम के लोगों ने बताया कि जब गांव के ग्रामीण यशपाल ने ऑपरेटर जसवंत सिंह से कहा तो उन्होंने स्पष्ट कहा कि आपके मोहल्ले में पानी नहीं आएगा आप जहां चाहे शिकायत कर लो पानी नहीं आएगा। वही जबेरा जनपद पंचायत सीईओ डॉ आरपी पटेल से उपाध्यक्ष प्रतिनिधि सुजान सिंह ने बात कि उन्होंने कहा मैं दिखवाता हूं अभी टंकी खाली है मैं अभी टैंकर भिजवाता हूं। जनपद उपाध्यक्ष प्रतिनिधि ने कहा कि अगर ग्रामीणों की समस्या को नहीं सुना गया तो ग्रामीण धरने पर बैठने को मजबूर हो जाएंगे। जनपद उपाध्यक्ष प्रतिनिधि सुजान सिंह ने आरोप लगाते हुए कहा है कि इसी तरह ग्राम पंचायत जलहरी में जमकर भर्राशाही मची हुई है निर्माण कार्य भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गए।

पुराने चबूतरा को लीपापोती कर नया बना दिया गया और 100000 रुपए की राशि निकाली गई। इसी प्रकार फर्जी सीसी बना दी गई जो सीसी 12 साल पहले बनाई गई थी सुंदर रजक के घर से राम मंदिर तक लगभग 30 मी उसमें 367000 रुपए की राशि निकाल ली गई है और काम कुछ भी नहीं हुआ। इसी तरह 5 वे वित्त से वृद्ध जनों हेतु चबूतरा निर्माण करवाया गया नीम के पेड़ के पास जबकि गांव में कहीं भी किसी भी नीम के पेड़ के पास कोई चबूतरा नहीं बनवाया गया है। इसमें भी 100000 रुपए की राशि निकाल ली गई। जनपद उपाध्यक्ष प्रतिनिधि सुजान सिंह ने मांग की है कि ग्राम पंचायत जलहरी के संपूर्ण कार्यों की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाए।

अग्निवीर घर आया तो हुआ भव्य स्वागत

हरिभूमि न्यूज ⏭ तेंदूखेडा

एक गरीब घर के लड़के ने अपने परिवार के सहयोग एवं स्वंय की मेहनत से सेना में अग्निवीर की परीक्षाओ में सफला पाकर एवं अपनी टेaaनिंग कर जब घर वापिस आया तो नगर के लोगो ने भव्य स्वागत किया। शुक्रवार को शाम 6 बजे अग्निवीर आजाद साहू पिता रूपचंद साहू का नगर आगमन होने पर नगर की जनता एवं गणमान्य नागरिकों ने आजाद का दिल खोलकर स्वागत किया। विघानगर स्थित ज्वाला मंदिर में पूजा अर्चना के बाद आजाद का फूलमाला तिलक एवं डीजे ढोल के साथ स्वागत जुलूस निकाला गया जो आजाद के घर संपंन हुआ। 7 माह पूर्व आजाद का अग्निवीर में सिलेक्शन हुआ था पुणे के अहमदनगर में ट्रेनिंग पूरी करने के बाद नगरामन पर नगरवासियों ने ह्रदय से स्वागत किया। आजाद कहते हैं कि मेरे परिवार ने मेरा पूरा सहयोग किया हैं पिता रूपचंद्र साहू की आर्थिक स्थिती ठीक नहीं थी फिर भी उन्होनें मुझे किसी भी चीज की कभी कोई कमी महसूस नहीं होने दी मेरी पढ़ाई में उन्होनें पूरी मेहनत लगा दी। तब जाकर आज ये मुकाम हासिल हुआ हैं। सभी नगरवासियों को बहुत बहुत धन्यवाद। इस दौरान नगर परिषद अध्यक्ष सुरेश जैन, उपाध्यक्ष लक्ष्मी नामदेव, सांसद प्रतिनिधी मूरत सिंह लोधी, रामकुमार साहू, विवेक जैन, मनीष साहू, हरि साहू, लक्ष्मण यादव, प्रदीप जैन, पप्पू घोषी, दीपक कटारे, रघुवीर सिंह लोधी, बहादुर ठाकुर के अलावा नगर के गणमान्य नागरिकों ने आजाद का स्वागत किया।

केमिस्टों ने वितरित की फूड बॉस्केट

हरिभूमि न्यूज ⏭ हटा

भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मनसा अनुसार टीवी मुक्त भारत अभियान निर्धन गरीब वर्ग के टीवी मरीजों को औषधि विक्रेताओं ने नि-क्षय मित्र बनकर 6 माह के लिए 50 टीवी मरीजों को गोद लिया। जिन्हें दाल, चावल, चना, सोयाबीन, तेल, दूध पाउडर वितरित करने का लक्ष्य तय किया। जिसके तहत दमोह नगर के साथ ही जिले की समस्त तहसीलों में फूड बास्केट वितरण कार्यक्रम किया गया।इसी श्रृंखला में सिविल अस्पताल हटा परिसर स्थित नि-क्षय कक्ष में औषधि विक्रेता हटा तहसील ने टीवी के 10 मरीजों को किट प्रदान की साथ ही मरीजों को दवा के सेवन के साथ ही किट में दी गई सामग्री को सेवन करने एवं धूम्रपान से दूर रहने की सलाह दी।

पृथक पृथक 10 केमिस्टों ने एक-एक टीवी मरीज को 6 माह के लिए गोद लिया। आयोजित कार्यक्रम में प्रभारी बीएमओ डॉक्टर उमाशंकर पटेल, डॉ क्षितिज चौरसिया, टीवी यूनिट प्रभारी हरिकृष्ण दहायत, अनिल नामदेव, लैब टेक्नीशियन हरिशंकर साहू, औषधि विक्रेता लखन मोदी, सुधीर पाठक, सुशील बजाज, श्याम नायक, मनीष सिंघई, अज्जू हसन, योगेश अग्रवाल, रविकांत बिदोल्या, दीपांशु सोनी, धर्मेंद्र साहू, राजेंद्र मोदी के साथ ही केमिस्ट बंधुओं एवं स्वास्थ्य अमला की उपस्थिति रही।

स्वास्थ्य विभाग ने माना आभार

स्वास्थ्य विभाग ने केमिस्ट बंधुओं का आभार मानते हुए कहा कि आप सभी ने नि-क्षय मित्र बनकर जिम्मेदार नागरिक होने का कर्तव्य पूरा किया है आशा है आप सभी की तरह अधिक से अधिक लोग नि-क्षय मित्र बनाकर प्रत्येक छय रोगी जो गरीबी, मानसिक स्थिति से कमजोर है उनका हमेशा साथ देंगे उनका मनोबल बढ़ाते हुए जल्द स्वस्थ्य होने में सहयोग करेंगे। सभी केमिस्ट साथियों का बहुत-बहुत धन्यवाद।

गली गली में कट रही सट्टा पर्ची....

बेरोक-टोक गांव-गांव में बिक रही अवैध शराब, जिम्मेदार अनजान

हरिभूमि न्यूज ⏭ गेसाबाद

क्षेत्रीय जनता की शिकायतों एवं आए दिन अखबारों में अवैध शराब बिक्री के खिलाफ समाचार प्रकाशित होने के बाद भी क्षेत्र में खुलेआम चल रहा अवैध शराब बिक्री का कारोबार से आबकारी विभाग एवं पुलिस प्रशासन पर प्रश्न चिन्ह लगा रहा है। प्राप्त जानकारी अनुसार एवं क्षेत्रीय जनता की जुबानी गैसाबाद ग्रामीण क्षेत्र के ग्राम मुहरई ,खमरगौर, कचनारी, शराफ चोपरा, भैंसा जैसे अनेक गांव में धड़ले से शराब की बिक्री चाय पान की तरह की जा रही है। जबकि शासन की लाइसेंसी दुकाने हिनौता कला एवं गैसाबाद में है इन्हीं दुकानों की आड़ में शराब माफिया गांव गांव में अपने एजेंट बिठाकर घर-घर शराब पहुंचाने का कार्य कर रहा है। इतना ही नहीं प्रिंट रेट से अधिक दामों पर शराब बेची जाने की भी शिकायतें लोगों द्वारा की जा रही है। इसके बावजूद भी पुलिस प्रशासन एवं आबकारी विभाग द्वारा शराब माफिया के खिलाफ कोई ठोस कार्यवाही नहीं किये जाने की चर्चा लोगो की दबी जुबान सुनी जा रही हैं। मुमकिन नहीं की गांव-गांव बिक रही अवैध रूप से शराब बिक्री की जानकारी आबकारी विभाग और पुलिस प्रशासन को ना?हो अवैध शराब के कारोबार से जहां लोगों को शराब पीने की लत लग रही है। वहीं दूसरी ओर शराब के नशे में कई घर बर्बाद हो रहे हैं। ठीक इसी तरह से क्षेत्र में सट्टा का अवैध कारोबार भी अमरबेल की तरह फैलता ही जा रहा है ग्राम मुहरई के लोग बताते हैं कि हमारे गांव मुहरई में बस स्टैंड पर खुलेआम सट्टा की बुकिंग की जाती है। सट्टा के इस खेल में कई घर परिवार बर्बाद हो चुके हैं लोग एक के 80 रुपया पाने की लालच में रोज सट्टा लगाते हैं लेकिन उन्हें निराशा ही हाथ लगती है जबकि सट्टा खिलाने वाले मुख्य सटोरिया की हर रोज जीत होती है, ग्राम गैसाबाद के बस स्टैंड पर भी सट्टा बुकिंग कीये जाने की चर्चा जोरों पर है। ग्रामीण जनो ने अवैध शराब बिक्री एवं अवैध सट्टे के कारोबार पर अंकुश लगाए जाने की मांग की है। इस विषय पर जब पुलिस विभाग के उच्च अधिकारियों से बात की जाती है तो हमेशा यही जवाब दिया जाता है कि पुलिस समय-समय पर अवैध शराब बिक्री एवं सटोरियों के खिलाफ कार्रवाई करती है।

आवासों की निष्पक्ष जांच के लिए जनपद सीईओं को आवेदन दिया

पथरिया-जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम खजरी पंचायत के ग्राम करैया में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास प्लस सूची जारी हुई जिसमें शासन की योजना अंतर्गत जो पात्रता के लिए तय दायरा किया है उसके दरकिनार करके आवास दें दिए गए जिसकी जांच के लिए जनपद पंचायत सीईओं को आवेदन 28 मई को देकर निष्पक्ष जांच की मांग ग्राम के रामप्रसाद अठया ने की है।

जिला स्तरीय नोडल अधिकारी नियुक्त

दमोह। कलेक्टर सुधीर कोचर ने जिले में विभिन्न विभागों के उपविभागों में लंबित सी.एम. हेल्पाईन शिकायतों के निराकरण एवं नियमित समीक्षा हेतु जिले के विभाग प्रमुखों को जिला स्तरीय नोडल अधिकारी नियुक्त किये है। उन्होंने कहा नोडल अधिकारी उप विभागों के संबंधित अधिकारियों से समन्वय एवं पत्राचार करते हुए जिले की लंबित शिकायतों के निराकरण आदि के उत्तरदायी होंगे।

पुस्तकों का विमोचन एवं सेवानिवृत्ति समारोह का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ दमोह

दमोह। श्रीमती पदमा ओजेन्द्र तिवारी की सेवा अवधि पूर्ण हो जाने पर उनके सम्मान में सेवानिवृत्ति का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रथम चरण में साहित्यिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें तीन पुस्तकों का विमोचन किया गया। वह कौन है लघुकथा संग्रह, चहकता आंगन बाल काव्य संग्रह, कल मिलने को आना काव्य संग्रह, विमोचन किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ सुरेश पचौरी, विशिष्ट अतिथि राम शर्मा आचार्य बीना, मुख्य अतिथि हरिश्चंद्र जी शर्मा, राजस्थान नगर डींग राजस्थान, कार्यक्रम में लेखक ओजेंद्र तिवारी का परिचय, पीएस परिहार पिम्मी द्वारा दिया गया। प्रारंभ में सरस्वती पूजन के उपरांत राम कुमार तिवारी द्वारा सरस्वती वंदना की गई । हरिश्चंद्र शर्मा द्वारा पदमा तिवारी एवं ओजेन्द्र तिवारी को अभिनंदन पत्र बृजवानी सेवा समिति द्वारा प्रदान किया गया। पदमा तिवारी एवं ओजेन्द्र तिवारी को दिए गए अभिनंदन पत्र का वाचन बी एम दुबे द्वारा किया गया। पदमा तिवारी का साहित्यिक परिचय मनोरमा रतले द्वारा दिया गया। कार्यक्रम अध्यक्ष डॉक्टर सुरेश पचौरी द्वारा लघुकथा संग्रह वह कौन है के संदर्भ में विचार प्रस्तुत किए गए और कहा लघुकथाएं बहुत सुंदर हैं। समाज को रास्ता दिखाने का काम कर रही हैं। मंच पर उपस्थित जनों द्वारा कवि-कवियत्री का सम्मान किया गया। वैभव तिवारी ने अपने माता-पिता को अपने हृदय के उद्गार प्रस्तुत किये। कार्यक्रम का सफल संचालन इंजीनियर अमर सिंह राजपूत अध्यक्ष मध्य प्रदेश लेखक संघ दमोह ने किया। उन्होंने कहा गौरव की बात है कि थाईलैंड के बैंकॉक में इनका सम्मान करते हुए डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में शहर के गणमान्य नागरिकों सहित अनेक पत्रकार भी शामिल हुए। सभी ने अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की। आभार वैभव तिवारी ने किया।

दमोह के बच्चों के प्रोजेक्ट का राष्ट्रीय स्तर पर चयन

हरिभूमि न्यूज ⏭ दमोह

नीति आयोग द्वारा टेकथान 2025 प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें राष्ट्र स्तर पर कुल 25 विद्यालयों का चयन किया गया है, जिसमें दमोह के विद्या भारती द्वारा संचालित सरस्वती विद्या विहार सीनियर सेकेंडरी स्कूल इंग्लिश मीडियम केशवनगर की कक्षा 8 में अध्ययनरत बहन चंचल ठाकुर एवं कक्षा 6 में अध्ययनरत चारू ठाकुर के द्वारा बनाए गए इनोवेटिव प्रोजेक्ट का चयन हुआ है। इसमें विद्यालय की प्राचार्या डॉ. स्वप्ना तिवारी के कुशल नेतृत्व एवं। प्रभारी विवेक प्रजापति एवं सह प्रभारी शिवाली मिश्रा के साथ विद्यालय के समस्त शिक्षक एवं शिक्षिकाओं का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। यह उपलब्धि संपूर्ण जिले एवं राज्य के लिए गौरव का विषय है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर मधुकर शिक्षा समिति के सचिव लालजीराम पटेल द्वारा समस्त विद्यालय परिवार को बधाई प्रेषित की गई। विद्यालय की ओर से विद्या भारती मध्य क्षेत्र के अध्यक्ष विवेक जी शेंडे ने विद्यालय की उपलब्धियों के बारे में जानकारी साझा की। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्य डॉ. स्वप्ना तिवारी जी के साथ समस्त स्टाफ एवं समिति के सदस्यों की उपस्थिति रही।

उल्लेखनीय है कि अटल टिंकरिंग लैब भारत सरकार के अटल इनोवेशन मिशन के तहत एक उपमिशन है, जो नीति आयोग के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में कार्य करता है। सम्पूर्ण भारत देश में लगभग 10000 अटल टिंकरिंग लैब 2016 से संचालित हो रहीं हैं। अटल टिंकरिंग लैब का मुख्य उद्देश्य छात्रों में नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देना है। ये लैब छात्रों को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इजीनियरिंग और गणित की अवधारणा को प्रयोगात्मक तरीके से समझने के लिए उपकरणों और संसाधनों की सुविधा प्रदान करती है एवं छात्रों में तकनीकी ज्ञान विकसित हो सके इस हेतु मंच प्रदान करते हैं।

रैली निकालकर स्कूल में किया पौधरोपण

हटा। पर्यावरण के प्रति एक दृढ़ संकल्प के साथ रक्षा भाव तथा समाज में जागरूकता लाने के लिए राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम संस्था के जिला कार्यक्रम अधिकारी महेंद्र मिश्रा के मार्गदर्शन में पर्यावरण के प्रति किशोरों में सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने के उद्देश्य को लेकर सनकुईया गांव में जागरूकता रैली निकालकर स्कूल में पौधे लगाए गए। इस दौरान मास्टर ट्रेनर अमजद कुरैशी ने जागरूकता का संदेश देते हुए कहा कि पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए पेड़-पौधे जरूरी है ये हमें जीवन के लिए आक्सीजन, खाने के लिए फल और गर्मी में छांव देते हैं। धरा को हरा-भरा करने एवं जीवन को बचाने के लिए सबको पौधरोपण का संकल्प लेने की जरूरत है। पौधरोपण सबकी जिम्मेदारी है हम सबको अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए। जिससे अपने दैनिक जीवन में पर्यावरण के अनुकूल व्यवहार अपना सकें। वहीं स्कूल प्राचार्य मनोज नामदेव ने कहा कि हर साल 5 जून को मनाया जाने वाला 'विश्व पर्यावरण दिवस' हमें याद दिलाता है कि मानवता ने प्रकृति को कितना नुक़सान पहुंचाया है और साथ ही ये आगाह भी करता है कि अब आगे इस संकट से किस तरह से निपटना है। यह एक चेतावनी है कि अगर हमने अभी क़दम नहीं उठाए, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए पृथ्वी रहने योग्य नहीं बचेगी। किशोर किशोरियों को पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। रैली निकाली गई जिसमें पेड़ लगाने और पृथ्वी बचाने जैसे नारे दिए गए। इस अवसर पर राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के संस्था प्रतिनिधि नितेश कुसम्हा, मास्टर ट्रेनर अमजद कुरैशी, वर्षा राजपूत, शिक्षक मुकेश रैकवार, कमलेश ताम्रकार, आशा दुर्गा प्यासी साथिया अमित पटेल सहित किशोर किशोरियों सहित ग्रामीणों की उपस्थिति रही।

पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता अभियान का समापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ दमोह

हीडलबर्ग सीमेंट नरसिंहगढ़ में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता का भव्य समापन कार्यक्रम कारखाना प्रमुख सुरेश दुबे के मार्गदर्शन से एवं मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण मंडल क्षेत्रीय कार्यालय सागर के सानिध्य में संपन्न किया गया। हीडलबर्ग सीमेंट, नरसिंहगढ़ द्वारा विगत 10 दिनों से चलाए जा रहे पर्यावरण दिवस जागरूकता कार्यक्रम का भव्य समापन समारोह अत्यंत उत्साह और जागरूकता के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर 1000 से अधिक कर्मचारियों एवं श्रमिकों को पॉलिथीन और सिंगल यूज़ प्लास्टिक के उपयोग पर रोक लगाने तथा पर्यावरण अनुकूल विकल्प अपनाने हेतु शपथ दिलाई गई। कॉलोनी रेजिडेंट्स को ऑडियो-विजुअल प्रस्तुतियों एवं नाटक प्रतियोगिताओं के माध्यम से प्लास्टिक के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया। इस दौरान प्लांट हेड सुरेश दुबे ने अपने संबोधन में दैनिक जीवन से पॉलिथीन एवं सिंगल यूज़ प्लास्टिक को त्यागने की अपील की। उन्होंने हर व्यक्ति से 'एक पेड़ मां या परिवार के नाम' लगाने और उसे वर्षभर जीवित रखने का संकल्प लेने का आग्रह किया, जिसे सभी ने सहर्ष स्वीकार किया। पर्यावरण प्रमुख अशोक तिवारी ने अपने वक्तव्य में पौधों की जीवन में उपयोगिता, प्लास्टिक के खतरनाक प्रभाव, एवं उसके विकल्पों के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने बीते 10 दिनों में हुई समस्त गतिविधियों की एक विस्तृत विजुअल प्रेजेंटेशन के माध्यम से जानकारी दी। इस समापन समारोह में बच्चों, महिलाओं, पुरुष स्टाफ और श्रमिक बंधुओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों ने भी कार्यक्रम की खुले दिल से सराहना की, विशेष रूप से पक्षी संरक्षण के लिए चलाए जा रहे प्रयासों को खूब सराहा गया। हीडलबर्ग सीमेंट द्वारा समाज में इस प्रकार के पर्यावरणीय जागरूकता कार्यक्रम न केवल प्रेरणादायक हैं, बल्कि प्राकृतिक संतुलन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। अंततः 10 दिनों मे किए गए जागरूकता कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जमीनी स्तर पर सुधार लाना है इसलिए ग्रामीण जनों ने बताया कि जागरूकता कार्यक्रम के दौरान प्रेजेंटेशन सामग्री डिस्ट्रीब्यूशन किया गया तथा घर-घर जाकर भीड़भाड़ एरिया में जाकर रेलवे स्टैंड में जाकर बस स्टैंड में जाकर गैदरिंग वाले एरिया में जाकर जमीनी स्तर पर सुधार हेतु या जागरूकता हेतु कार्य किया गया जिसकी प्रशंसा आसपास के गांव द्वारा की जा रही है 1 इस व्यापक प्रयास की आसपास के गाँवों के निवासियों ने भूरी-भूरी प्रशंसा की और इसे एक सकारात्मक सामाजिक पहल बताया। हीडलबर्ग सीमेंट, नरसिंहगढ़ का यह प्रयास न केवल कंपनी की सामाजिक और पर्यावरणीय प्रतिबद्धता को दर्शाता है, बल्कि यह भी सिद्ध करता है कि संगठित प्रयासों से ग्राम्य एवं शहरी क्षेत्रों में स्थायी पर्यावरणीय परिवर्तन लाना संभव है।

आम आदमी से लेकर बिजनेस करने वालों तक को मिलेगा रेपो रेट कटौती का फायदा

क्रेडाई और व्यापारिक संगठनों ने कहा आरबीआई ने उठाया साहसिक कदम

- आरबीआई द्वारा रेपो दर में 0.50 फीसदी की कटौती
- होम लोन, कार लोन एजुकेशन लोन सहित अन्य लोन की ईएमआई होगी कम

हरिभूमि चर्चा

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

आरबीआई द्वारा रेपो दर में 0.50 फीसदी की कटौती किए जाने का चौतरफा स्वागत हुआ है और कहा गया है कि घरेलू मांग को बढ़ावा देने की दिशा में आरबीआई का यह एक साहसिक कदम है। इससे आम जनता से लेकर बिजनेस करने वालों को बड़ा फायदा मिलेगा। रेपो दर में कमी का सीधा असर सभी प्रकार के लोन खासकर फ्लोटिंग रेट वाले लोन पर पड़ेगा। मतलब साफ है कि होम लोन, कार लोन, एजुकेशन लोन सहित अन्य लोन की ईएमआई कम हो होगी।

आरबीआई के निर्णय से ग्राहकों की धारणा में सुधार होगा

रियल एस्टेट क्षेत्र के शीर्ष संगठन क्रेडाई के अनुसार रेपो दर में 0.5 प्रतिशत की कटौती के आरबीआई के फैसले को साहसिक कदम बताया और कहा कि इससे आवासीय संपत्तियों की बिक्री बढ़ाने में मदद मिलेगी। आरबीआई के निर्णय से ग्राहकों की धारणा में सुधार होगा, जिससे मध्यम आय और किफायती आवास क्षेत्रों को सबसे ज्यादा फायदा होगा, जो पिछले कुछ सालों से संघर्ष कर रहे हैं। हम आरबीआई के फैसले का स्वागत करते हैं और इसे घरेलू मांग को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक साहसिक और समयोचित कदम मानते हैं।

अर्थव्यवस्था की गति बनाए रखने के लिए आवश्यक था: वासिक

क्रेडाई मध्यप्रदेश के अध्यक्ष वासिक हुसैन ने कहाकि आरबीआई द्वारा लगातार तीसरी बार रेपो दर में कटौती करने का फैसला स्पष्ट रूप से चुनौतीपूर्ण वैश्विक वातावरण में वृद्धि को समर्थन देने के उसके इरादे को दर्शाता है। कम ब्याज दरों का मतलब है लोन तक आसान पहुंच, बेहतर नकदी और उपभोक्ता खर्च को बढ़ावा देना, जो अर्थव्यवस्था की गति बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

घर खरीदारों की एफोर्डेबिलिटी बढ़ेगी: पी.राजू

वेस्टर्न ग्रुप के डायरेक्टर पी.राजू ने कहाकि कम ब्याज दरों से केवल खरीददारों को ही नहीं, बल्कि डेवलपर्स को भी लाभ होगा। क्योंकि उनकी फाइनेंसिंग लागत घटेगी। इससे घर खरीदारों की एफोर्डेबिलिटी बढ़ेगी और नई लॉन्चिंग को भी गति मिल सकती है।

अब बैंकों को अपने ब्याज दरों में कटौती करने की बारी : शर्मा

आराध्य भूमिका कंस्ट्रक्शन के डायरेक्टर विकास शर्मा ने आरबीआई के इस कदम को स्वागत योग्य बताया है। लगातार 3 बार की समीक्षा में अभी तक 100 बैसिस पॉइंट की कटौती से स्पष्ट है कि नियामक अपनी नीति पर कायम है और अब बैंकों को अपने ब्याज दरों में कटौती करने की बारी है। उन्होंने कहाकि रेपो दर को 50 आधार अंकों की कटौती के साथ 5.5 फीसदी करना देश की अर्थव्यवस्था के लिए खासतौर पर रियल एस्टेट सेक्टर के लिए, एक सकारात्मक कदम है।

कम ब्याज दरों ने बेहतर बिक्री पर योगदान दिया: पांडे

फाडा मध्य प्रदेश के अध्यक्ष आशीष पांडे ने कहा कि इस कैलेंडर वर्ष के चार महीनों के बाद मध्यप्रदेश ने टू व्हीलर, पैसेंजर व्हीकल और समग्र उद्योग में बेहतर बिक्री दर्ज करते हुए वापसी की है। मध्य प्रदेश में रबी की अच्छी फसल की पैदावार, एक जीवंत विवाह सीजन, राजनीतिक स्थिरता, कम आयकर स्लैब और आरबीआई द्वारा हाल ही में दो किस्तों में 50बीपीएस रेपो दरों को समायोजित करने के बाद कम ब्याज दरों ने भी मध्य प्रदेश में बेहतर बिक्री भावनाओं में कुछ हद तक योगदान दिया है।

तेज होगी अर्थव्यवस्था की रफ्तार: पाली

व्यापारियों की शीर्ष संस्था भोपाल चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष तेजकुल पाल सिंह पाली ने कहाकि आरबीआई द्वारा रेपो रेट में लगातार तीसरी बार और जून की पॉलिसी में 0.50 फीसदी की बड़ी कटौती का स्वागत करते हुए कहा कि इस कदम से भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार तेज करने में मदद मिलेगी। रेपो रेट में इस बड़ी कटौती के बाद बैंक लोन सस्ता करेंगे। इससे होम लोन, कार लोन समेत सभी तरह के लोन सस्ते होंगे। लोन सस्ता होने से इंडियन इकोनॉमी में मांग बढ़ेगी, जो जीडीपी की रफ्तार बढ़ाने में मदद करेगी।

अर्थव्यवस्था को और गति मिलेगी, सस्ते लोन का रास्ता बना : राणा

वॉयस ऑफ बैंकिंग फाउंडर अश्वनी राणा ने कहा कि एक साल में तीसरी बार आरबीआई ने रेपो रेट में कमी की है और इस बार 0.50 अंकों की कमी करके बड़ी राहत दी है। इस रेट कट से महंगी ईएमआई भरने वालों को बहुत बड़ी राहत मिलेगी। रेपो रेट अब 6 फीसदी से घटकर 5.50 परसेंट हो जाएगी। एसडीएफ को भी 5.25 कर दिया है। बैंक रेट को भी 5.75 कर दिया है इससे बैंकों को जरूरी होने पर आरबीआई से लोन लेने में भी राहत मिलेगी। आरबीआई का मानना है कि महंगाई दर 4 फीसदी से नीचे बनी हुई है और जीडीपी ग्रोथ भी संतोषजनक बनी हुई है। आरबीआई का रेट कम करने के निर्णय से मार्केट में खपत बढ़ेगी, जिससे अर्थव्यवस्था को और गति मिलेगी। आरबीआई का कहना है कि टैरिफ वार और युद्ध से उत्पन्न हुई स्थिति पर भी उसकी नजर बनी हुई है।

नीतिगत रुख 'न्यूट्रल', प्रस्तावों पर सकारात्मक प्रभाव

टियर-2 शहरों में रुके हुई प्रोजेक्ट्स को मिलेगी वित्तीय गति

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

आरबीआई ने अपने नीतिगत रुख को अकोमोडेटिव से न्यूट्रल में परिवर्तित करते हुए यह संकेत दिया है कि आगे दरों में सीमित बदलाव की संभावना रहेगी। यह कदम वैश्विक व्यापार अस्थिरता और अंतराष्ट्रीय ब्याज दरों के उतार-चढ़ाव के बीच घरेलू आर्थिक वृद्धि को समर्थन देने के उद्देश्य से लिया गया है। आरबीआई द्वारा रेपो रेट में की गई कटौती के संदर्भ में क्रेडाई भोपाल अध्यक्ष मनोज मीक ने कहाकि इससे भोपाल और मध्यप्रदेश में रियल एस्टेट को राहत मिलेगी। बैंकों द्वारा होम लोन की ब्याज दरें घटाई जा सकती हैं, जिससे आवास क्षेत्र में खरीदारी को बढ़ावा मिलेगा। क्रेडाई के डेवलपर्स की मांग को मजबूती मिलेगी, खासकर मिड-सेगमेंट और अफोर्डेबल हाउसिंग में। भोपाल जैसे टियर-2 शहरों में रुके हुई प्रोजेक्ट्स को वित्तीय गति मिल सकती है।

व्यापार और निवेश वातावरण में सुधार

मीक ने कहाकि ब्याज दरों में गिरावट से उद्योगों और एमएसएमई सेक्टर को कार्यशील पूंजी सस्ती दरों पर मिलेगी। राजधानी क्षेत्र में चल रही स्मार्ट इंडस्ट्री, लॉजिस्टिक्स पार्क और एआई इंफ्रास्ट्रक्चर की कमाल का भोपाल रिपोर्ट में प्रस्तावित योजनाओं के लिए यह निर्णय सकारात्मक वातावरण तैयार करेगा।

कृषि और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए संकेत

उन्होंने कहाकि ब्याज दरों में गिरावट से कृषि ऋण आसान हो सकते हैं, विशेषकर जब मानसून सामान्य रहने की उम्मीद हो। रेपो दर में कटौती रियल एस्टेट और क्रेडिट आधारित निवेश गतिविधियों को पुनर्जीवित करने में सहायक होगी। मध्यप्रदेश के लिए यह निर्णय विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि यहां अब भी अफोर्डेबल हाउसिंग की मजबूत मांग है।

जैविक खेती के साथ बढ़ रही अन्नदाताओं की आय भी

किसानों का नया सहारा बनी पतंजलि की तकनीक

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत की जानी-मानी स्वदेशी कंपनी पतंजलि आयुर्वेद का दावा है कि वह किसानों की मदद और गांवों की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में बड़ा योगदान दे रही है। कंपनी का कहना है कि हम जैविक खेती को बढ़ावा देते हैं और निष्पक्ष व्यापार के जरिए किसानों की जिंदगी बेहतर बना रहे हैं। कंपनी ने बताया है कि पतंजलि का 'किसान समृद्धि कार्यक्रम' किसानों को जैविक खाद, अच्छे बीज और कीटों से बचाव के तरीके देता है, इससे मिट्टी की ताकत बढ़ती है और पर्यावरण को भी नुकसान नहीं होता। कंपनी का दावा है कि पतंजलि का व्यापार मॉडल किसानों को उनकी फसल का सही दाम दिलाता है। कंपनी बिचौलियों को हटाकर सीधे किसानों से फसल खरीदती है, जिससे उनकी कमाई बढ़ती है। साथ ही पतंजलि की अनुबंध खेती योजना किसानों को आर्थिक सुरक्षा देती है। इससे न सिर्फ किसानों को फायदा होता है, बल्कि गांवों में रोजगार और विकास को भी बढ़ावा मिलता है।

कंपनी ने तकनीक के क्षेत्र में भी बढ़ाए कदम: पतंजलि

कंपनी का कहना है कि पतंजलि ने तकनीक के क्षेत्र में भी कदम बढ़ाए हैं। कंपनी ने किसानों के लिए डिजिटल एप्लिकेशन बनाए हैं, जो जमीन की जानकारी मौसम का हाल और बाजार के दाम बताते हैं। ये उपकरण किसानों को बेहतर खेती करने और बाजार में टिकने में मदद करते हैं। पतंजलि का जैविक प्रोम जैसे उत्पाद मिट्टी को पोषण देते हैं और हर तरह की फसल के लिए उपयोगी हैं।

किसानों को हो रहा है आर्थिक फायदा

कंपनी का दावा है कि पतंजलि का यह प्रयास खेती को बदल रहा है और पर्यावरण की रक्षा भी कर रहा है। कंपनी की योजनाओं से किसानों को आर्थिक फायदा हो रहा है और उनकी सामाजिक जिम्मेदारियां भी पूरी हो रही हैं। इस तरह पतंजलि के नए तरीके और निष्पक्ष व्यापार भारतीय खेती को नई ऊंचाइयों तक ले जा रहे हैं।

वर्ष 2030 तक भारत बन सकता है 7-8 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था

आईजीआईसी में विशेषज्ञों ने ग्रामीण एवं टेक्नोलॉजी और औद्योगिक सुधारों में तेजी की वकालत की

एजेंसी ▶▶ बेंगलूरू

आईजीआईसी 2025 के समापन के अवसर पर आरियन कैपिटल के चेयरमैन मोहनदास पाई, स्मादजा एंड स्मादजा स्ट्रैटेजिक एडवाइजरी के चेयरमैन क्लॉड स्मादजा टीआईई बेंगलूरू के अध्यक्ष और टीआईई ग्लोबल के ट्रस्टी मदन पाडकी व कर्नाटक डिजिटल इकोनॉमी मिशन (केडीईएम) के सीईओ संजीव कुमार गुप्ता जैसे प्रख्यात वक्ताओं ने भारत को 2030 तक 7-8 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था में तब्दील करने के लिए एक साहसिक रणनीतिक विजन की रूपरेखा पेश की। इस वार्ता ने महत्वपूर्ण कारकों के तौर पर डिजिटल टेक्नोलॉजीज, ग्रामीण आर्थिक सशक्तिकरण, औद्योगिक वृद्धि और वैश्विक व्यापार के एकीकरण की भूमिका पर सबका ध्यान आकर्षित किया।

भारतीय नवप्रवर्तन को वैश्विक स्तर पर ले जाने की रणनीतियों पर भी विचार किया

आईजीआईसी 2025 में 300 से अधिक वैश्विक नेता और उद्योग जगत के विशेषज्ञ एकत्र हुए और उन्होंने प्रतिभागियों के साथ आगे की सोच वाले व्यापक विषयों पर चर्चा की, जिसमें स्टार्टअप्स के लिए नए फंडिंग के रास्ते और रक्षा एवं सुरक्षा का भविष्य से लेकर एआई नवप्रवर्तन को गति देना, स्वच्छ ऊर्जा में तेजी लाना और टेक्नोलॉजी की भू-राजनीतिक की दिशा में चलना शामिल है। इस दौरान बातचीत में यह संभावना भी तलाशी गई कि कैसे नवप्रवर्तकों द्वारा अत्याधुनिक एआई का उपयोग किया जा रहा है। वहीं, वर्ष 2030 तक 7-8 ट्रिलियन डॉलर की भारतीय अर्थव्यवस्था की रूपरेखा तैयार की गई और सीमा पार नवप्रवर्तन को बढ़ावा देने और भारतीय नवप्रवर्तन को वैश्विक स्तर पर ले जाने की रणनीतियों पर भी विचार किया गया।

फोनपे से बिना इंटरनेट के मिलेगी यूपीआई पेमेंट की सुविधा, जीएसपे तकनीक लगी 'हाथ'

नई दिल्ली। यूपीआई पेमेंट के लिए पॉपुलर एप 'फोनपे' बहुत जल्द एक बड़ा काम करने जा रहा है। इसके बाद लोग बिना इंटरनेट के भी यूपीआई पेमेंट कर पाएंगे। यह सब मुमकिन होगा जीएसपे टेक्नोलॉजी की मदद से। कंपनी ने ऐसे लोगों को डिजिटल पेमेंट से जोड़ने की तैयारी की है, जो अभी तक फीचर फोन चला रहे हैं और यूपीआई का इस्तेमाल नहीं करते। इसे मुमकिन बनाने के लिए कंपनी के हाथ तकनीक लगी है। उसने गपशप की जीएसपे टेक्नोलॉजी को खरीदा है। बताया गया है कि आने वाले दिनों में फीचर फोन के लिए एक यूपीआई पेमेंट एप को लाया जाएगा। बताया गया है कि जीएसपे एक मोबाइल एप्लीकेशन है। यह एनपपीसीआई यानी नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के यूपीआई पेमेंट सिस्टम पर बना है। इसकी मदद से फीचर फोन के जरिए यूपीआई पेमेंट किया जाता है।

अवीवा इंडिया ने जारी किए वित्त वर्ष 2024-25 के मजबूत नतीजे

नई दिल्ली। अवीवा इंडिया ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अपने वित्तीय नतीजे जारी कर दिए हैं। इन नतीजों से कंपनी की निरंतर प्रगति और सतत विकास के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता स्पष्ट होती है। बीता वित्त वर्ष केवल आंकड़ों पर निर्भर रहने का नहीं, बल्कि स्थिर और मजबूत पकड़ बनाने का साल था। कंपनी का हर फैसला विशेष उद्देश्य से लिया गया और हर परिणाम लॉन्ग टर्म वैल्यू के अनुरूप था। वित्त वर्ष 2023-24 में तैयार की गई नींव पर आगे बढ़ते हुए अवीवा के एमडी एवं सीईओ असित रथ ने कहाकि वित्त वर्ष 2024-25 सार्थक प्रगति और स्पष्ट उद्देश्यों का वर्ष रहा है।

भारत ब्रांड के खाद्य उत्पादों की बिक्री बंद होने की संभावना

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विभिन्न आवश्यक उपभोक्ता खाद्य उत्पादों की कीमतों में स्थिरता का माहौल बनने तथा खाद्य महंगाई में आई गिरावट को देखते हुए केंद्र सरकार भारत सरकार 'भारत ब्रांड' के खाद्य उत्पादों की बिक्री बंद करने पर विचार कर सकती है। उल्लेखनीय है कि अप्रैल 2025 में खाद्य महंगाई की दर घटकर महज 1.78 प्रतिशत बढ़ रही जो अप्रैल 2024 में 8.7 प्रतिशत के ऊंचे स्तर पर चल रही थी। भारत ब्रांड के खाद्य उत्पादों की बिक्री वर्ष 2023 में उस समय शुरू की गई थी जब खाद्य उत्पादों का खुला बाजार भाव उछलकर काफी ऊंचे स्तर पर पहुंच गया था। इस योजना के तहत तीन एजेंसियों- नैफेड, एनसीसीएफ तथा केन्द्रीय भंडार के खुदरा आउटलेट्स के माध्यम से आम लोगों को रियायती मूल्य पर गेहूं का आटा, चावल, साबुत चना एवं कुछ अन्य दालों की आपूर्ति की जा रही है।

राशिफल

- **मेष** — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकता है। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। भाग-दौड़ अधिक रहेगी।
- **वृष** — बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं। परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। अनियोजित खर्च बढ़ेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।
- **मिथुन** — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से मान-सम्मान की
- **कर्क** — परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जाना हो सकता है। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ बढ़ेगी। लाभ के अवसर मिलेंगे।
- **सिंह** — मन अशान्त रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। अफसरों का सहयोग मिलेगा। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। सफलता के योग बन रहे हैं।
- **कन्या** — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। सुस्वादु खान-पान में रुचि बढ़ेगी। सेहत का ध्यान रखें। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी।
- **तुला** — शैक्षिक कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। भागदौड़ अधिक रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।
- **वृश्चिक** — किसी पैतृक सम्पत्ति के लिए विवाद की स्थिति बन सकती है। वाहन के रख-रखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। नए कारोबार की शुरुआत हो सकती है।
- **धनु** — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा। लाभ के अवसर मिल सकते हैं। परिवार में सद्भाव बनाये रखें। क्रोध की अधिकता रहेगी।
- **मकर** — मन अशान्त रहेगा। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चिकित्सीय खर्च बढ़ेंगे। भाग-दौड़ अधिक रहेगी। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।
- **कुंभ** — मन शान्त रहेगा। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। जीवनसाथी के परिवार के किसी बुजुर्ग से धन की प्राप्ति हो सकती है।
- **मीन** — संयत रहें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। परिवार के साथ यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है ।नए कारोबार की शुरुआत हो सकती है।

भोपाल दुग्ध संघ का 'दूध का दूध, पानी का पानी' अभियान

एमडी डॉ.गोवाणी और सीईओ जोशी ने 'सांची रथ' को हरी झंडी दिखाई

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) एमपी. स्टेट कोआपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड (एमपीसीडीएफ) भोपाल से संबद्ध भोपाल सहकारी दुग्ध संघ द्वारा दूध का दूध, पानी का पानी अभियान शुरू किया गया। इस मौके पर एमपी. स्टेट कोआपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड के प्रबंध संचालक डॉ. संजय गोवाणी और भोपाल सहकारी दुग्ध संघ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रतीश जोशी ने सांची रथ को हरी झंडी दिखाई। एमपीसीडीएफ में आयोजित दूध का दूध और पानी का पानी अभियान में एनडीडीबी अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे। प्रबंध संचालक डॉ. संजय गोवाणी ने बताया कि दूध का दूध, पानी का पानी

अभियान के तहत सांची रथ यानी चलित प्रयोगशाला सभी दुग्ध उत्पादों की शुद्धता परीक्षण करेगा और दूध एवं दुग्ध उत्पादों की शुद्धता की जांच उपभोक्ताओं के सामने लाएगा, ताकि उपभोक्ता को मालूम हो सके कि उनके घर जो दूध और दुग्ध उत्पाद आ रहा और वे उपयोग कर रहे हैं कितना शुद्ध और गुणवत्तापूर्ण है।

उपभोक्ताओं को दी जाएगी प्रारंभिक गुणवत्ता की जानकारी

सीईओ प्रतीश जोशी ने बताया कि उपभोक्ताओं द्वारा नियमित रूप से उपभोग किए जाने वाले दूध और दुग्ध उत्पाद जैसे घी, पनीर एवं दही का परीक्षण विशेष रूप से तैयार एवं आधुनिक उपकरणों से युक्त चल प्रयोगशाला के माध्यम से उपभोक्ताओं के समक्ष किया जाएगा। इन जांचों में दूध में फैट, एसएनएफ, प्रोटीन, लैक्टोज, पानी, यूरिया, सुक्रोज, ग्लूकोस, नमक, वेजिटेबल स्टार्च, न्यूट्रलाइजर, ऑयल तथा अमोनियम सल्फेट की संदिग्धता की जांच की जाएगी। पनीर में स्टार्च तथा दही में स्टार्च, ग्लूकोज, सुक्रोज, यूरिया एवं माल्टीज की संदिग्धता का भी परीक्षण किया जाएगा। इसी तरह घी की प्रारंभिक गुणवत्ता की जानकारी भी तत्समय ही उपभोक्ताओं को दी जाएगी तथा संदिग्ध पाए जाने पर विस्तृत जानकारी 48 घंटे के अंदर व्हाट्सएप के माध्यम से संबंधित उपभोक्ता को दी जाएगी।

आवश्यकता

आवश्यकता है- सीधी भर्ती नौकरी बैंक, एयरपोर्ट पोस्टमैन जिलानुसार लड़के-लड़कियां 8वी- ग्रेजुएट (30500-70500) फीस- 600/- (रहना खाना+ मेडिकल फ्री) आवेदन करें:- 7434907396 (भोपाल/08/मार्च 25)

अब आप पायेंगे अपना सच्चा हमसफर
हरिभूमि वैवाहिकी
प्रत्येक रविवार को प्रकाशित

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
08116592844

हरिभूमि की एजेंसी एवं प्रतियों के लिये संपर्क करें
मों. 9340637789

शब्द पहेली - 5890

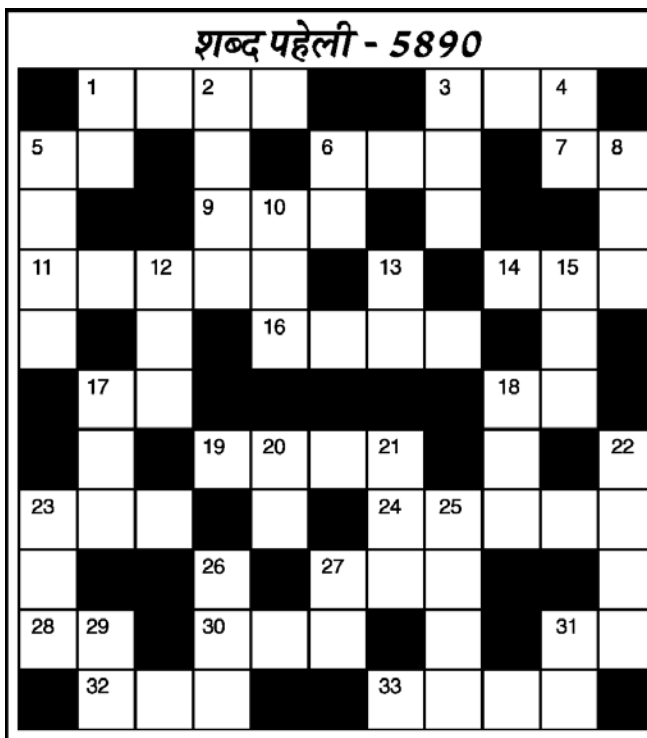

बाएँ से दाए

1. मूर्ख, बुद्धिहीन-4
3. रुई की फसल-3
5. वंश, खानदान-2
6. आह, पीड़ा भरी ध्वनि-3
7. जी, इच्छा, चित्त-2
9. पहनना-3
11. दास, नौकर, सेवक-5
14. अग्नि, आग-3
16. चयनित, स्वीकृत-4
17. जाति, संप्रदाय-2
18. उस समय-2
19. आदत, व्यवहार-4
23. माला का मोती-3
24. लालन-पालन-5
27. पूर्णिमा-3
28. वश, अधीन-2
30. खबर देने वाला-3
31. खदान, माइन-2
32. आश्रय, पनाह-3
33. संपत्ति-4

ऊपर से नीचे

1. घोड़े के पांव में लगने वाला लोहे का टुकड़ा-2
2. धारा के बीच में, अधर में-2,2
3. आफत, आपदा-3
4. एक समान-2
5. गृहपति, चांसलर-4
6. दाना-2
8. प्रतिकृति, प्रतिरूप-3
10. रोकर धनराशि-3
12. प्रेम, आसक्ति-3
13. नीर, जल-2
15. भाग्य, तकदीर-3
17. जंबुल, जांब-3
18. टेंशन, परेशानी-3
20. काया, बदन-2
21. उष्णता-3
22. नाश होने योग्य-4
23. साम्राज्ञी, रानी-3
25. रमण करने योग्य-4
26. अदा, चोंचला-3
27. पूड़ी, गोलगप्पा-2
29. पिता की बहन-2
31. उर्वरक, गाय के गोबर से बना पदार्थ जो खेत में डाला जाता है-2

शब्द पहेली- 5889 का हल

सूडोकू नवताल - 5900

***** कठिनतम

			4				3	
		6		2		4		
		8			5			
	3						7	
7				4				9
	9						5	
			2			1		
		1		7		6		
	5				3			

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल - 5899 का हल

7	8	5	4	2	9	6	3	1
3	6	4	1	5	7	8	9	2
9	2	1	6	3	8	7	4	5
6	5	3	2	8	4	9	1	7
1	7	2	3	9	6	4	5	8
4	9	8	7	1	5	2	6	3
2	4	7	5	6	1	3	8	9
5	3	9	8	4	2	1	7	6
8	1	6	9	7	3	5	2	4

उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी ठग लाइफ, पहले दिन रही धीमी शुरुआत

मुंबई। कमल हासन की 'ठग लाइफ' अपनी रिलीज से पहले ही काफी चर्चाओं में है। कमल हासन के एक बयान को लेकर विवाद भी उठा, जिसके बाद फिल्म और भी चर्चाओं में आ गई। ऐसे में उम्मीद थी कि फिल्म रिलीज के बाद गर्दा उड़ा देगी। हालांकि, पहले दिन की कमाई देखकर ऐसा नहीं लगता है। ठग लाइफ ने पहले दिन 17 करोड़ की कमाई के साथ शुरुआत की है। कमल हासन और मणिरत्नम जैसे दिग्गजों को देखते हुए फिल्म की शुरुआत थोड़ी धीमी ही कही जाएगी। ठग लाइफ के जरिए निर्देशक मणिरत्नम और कमल हासन लगभग 37 साल बाद एक साथ वापस लौटे हैं। नायकन जैसी हिट फिल्म देने के बाद दोनों के एकसाथ वापस आने से फैंस को ठग लाइफ से काफी उम्मीदें थीं।

लाइफ Style

अनन्या

पार्टनर के लिए बदल जाते हैं लोग

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे इन दिनों अपनी आगामी रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। इसी बीच एक इंटरव्यू के दौरान अनन्या ने खुलकर रिलेशनशिप को लेकर अपनी राय पेश की।

एजेंसी ⏭ मुंबई

अनन्या पांडे ने बताया कि वह अक्सर अपने पार्टनर को खुश करने के लिए खुद को बदल लेती थीं, जैसे उनकी पसंद की फिल्में देखना या उनके जैसा कपड़े पहनना। अनन्या ने इसे अपने लोगों को खुश करने वाले व्यक्तित्व का हिस्सा बताया। इसके साथ ही उन्होंने रिलेशनशिप में धोखा देना, झूठ बोलना, और अपने पार्टनर को सार्वजनिक रूप से नीचे दिखाने को लेकर भी बात की। अनन्या के लिए सबसे बड़ा खतरा यह है कि अगर कोई पार्टनर उनकी सफलता से खुश न हो। उन्होंने कहा कि रिलेशनशिप में ईमानदारी और एक-दूसरे को वैसे ही स्वीकार करना जरूरी है।

कथित तौर पर पहले अनन्या का नाम ईशान खट्टर, कार्तिक आर्यन और आदित्य रॉय कपूर के साथ जोड़ा गया था। अब अफवाह है कि वह पूर्व मॉडल वॉकर ब्लैंको को डेट कर रही हैं, लेकिन उन्होंने इस पर कोई चर्चा नहीं की। हाल ही में अनन्या एक्टर अक्षय कुमार और आर माधवन के साथ फिल्म केसरी चैप्टर 2 में नजर आईं, जिसे दर्शकों और आलोचकों ने पसंद किया। वह जल्द ही रोमांटिक ड्रामा फिल्म चांद मेरा दिल में लक्ष्य के साथ और कार्तिक आर्यन के साथ रोमांटिक कॉमेडी फिल्म तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी में नजर आएंगी। फिल्म तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी 13 फरवरी, 2026 को रिलीज होगी।

हॉलीवुड मसाला

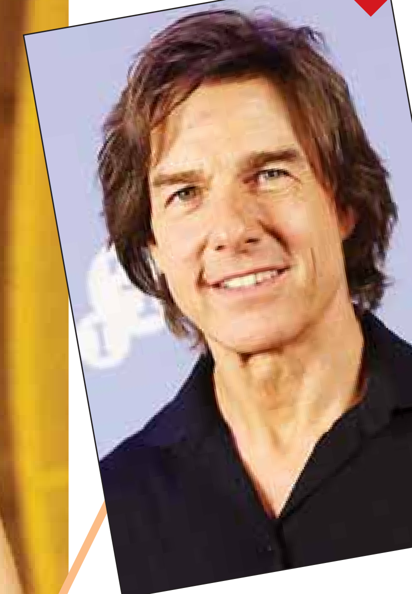

दर्ज हुआ एक और गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम

टॉम क्रूज फिल्मों में स्टंट करने के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में उन्होंने एक बेहतरीन स्टंट किया है जिसके लिए उनका नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में एक बार फिर दर्ज किया गया है। 'मिशन इंपॉसिबल' फ्रेंचाइजी की आठवीं किस्त 'मिशन इम्पॉसिबल- द फाइनल रेकनिंग' (2025) में उन्होंने जो एक्शन किए हैं, वह तारीफ के काबिल हैं। फिल्म में टॉम क्रूज ने शानदार स्टंट करते हुए जलते हुए पैराशूट पर जंप किया है। टॉम ने जलते हुए पैराशूट पर 16 बार हेलीकॉप्टर से छलांग लगाई, फिर पैराशूट के जले हुए हिस्से को काटकर सुरक्षित किया। इस स्टंट को करने के लिए उनका नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज हो गया है। रिकॉर्ड में उनका नाम 4 जून को दर्ज किया गया।

सलमान और संजय की एक झलक ने बनाया दीवाना

मुंबई। सलमान खान और संजय दत्त की जोड़ी एक्शन फिल्म 'गंगा राम' में जब आएगी तब आएगी। उससे पहले दोनों '7 डॉग्स' में नजर आने वाले हैं। सउदी अरब की इस फिल्म का टीजर रिलीज हुआ है। इसे 'बैड बॉयज फॉर लाइफ' के मेकर्स ने बनाया है। सलमान खान और संजय दत्त की जोड़ी को एकसाथ देखना हमेशा उत्साह से भर देता है। इसकी वजह ये है कि दोनों असल जिंदगी में बड़े पक्के यार हैं। बीते साल एपी ढिल्लों के गाने 'ओल्ड मनी' में यह नजारा दिखा था। जबकि इस बार मामला देश और देसी कलाकार से आगे विदेश का है। हॉलीवुड में 'बैड बॉयज फॉर लाइफ' और 'मिस मार्वल' जैसी फिल्मों के लिए मशहूर आदिल एल अरबी और बिलाल फल्लाह के डायरेक्शन में बनी नई फिल्म '7 डॉग्स' का टीजर आया है। वैसे तो यह सऊदी अरब की एक्शन-कॉमेडी फिल्म है, इसलिए भाषा भी समझ से परे है। लेकिन टीजर में संजय दत्त और सलमान खान की एक झलक ने फैंस के चेहरे पर मुस्कान बिखेर दी है। '7 डॉग्स' का एक मिनट का टीजर मारधाड़ और एक्शन से भरपूर है। जबकि बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान और संजय दत्त इसमें कैमियो करते नजर आएंगे। हालांकि, फिल्म में दोनों का किरदार क्या है, इसको लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

स्पिरिट के बाद अब कल्कि 2 से बाहर हुईं दीपिका

मुंबई। दीपिका पादुकोण, जिन्होंने हाल ही में अपने पहले बच्चे का स्वागत किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक पर्सनल लाइफ में असफलताओं का सामना कर रही हैं। एक्ट्रेस को संदीप रेड्डी वांगा की स्पिरिट से हटाए जाने के बाद, ताजा चर्चा है कि उन्हें प्रभास स्टारर कल्कि 2 से भी हटाया जा सकता है। बॉलीवुड.मोबी की एक रिपोर्ट के अनुसार, मां बनने के बाद दीपिका द्वारा "कम काम के घंटे" मांगे जाने के कारण "सेट पर तनाव" पैदा हो रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कल्कि 2 के निर्माता अब उन्हें पूरी तरह से फिल्म से हटाने पर विचार कर रहे हैं। हालांकि, अभिनेत्री या निर्माताओं द्वारा अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इससे पहले, दीपिका पादुकोण को फीस पर असहमति और गैर-पेशेवर व्यवहार के आधार पर संदीप रेड्डी वांगा की स्पिरिट से हटा दिया गया था।

रणबीर कपूर के क्लीन-शेव लुक ने चौंकाया

नई दिल्ली। बॉलीवुड स्टार रणबीर कपूर इन दिनों फिल्म रामायण को लेकर सुर्खियों में हैं। नितेश तिवारी की रामायण में वो राम के अवतार में नजर आने वाले है। हाल ही में रणबीर मुंबई में क्लीन-शेव और लीन बॉडी में नजर आए। रणबीर का ये अवतार देखने के बाद फैंस हैरान हो गए। एक्टर की ये नया लुक देख फैंस ने संजय लीला भंसाली की अपकमिंग फिल्म 'लव एंड वॉर'की चर्चाएं शुरू कर दी है। वहीं, कुछ एक्टर को उनके नए क्लीन-शेव लुक में देखा कहने लगे 'उम्र सिर्फ एक नंबर है। रणबीर कपूर ने रोमांटिक हो या फिर एक्शन अपने पिता ऋषि कपूर और दादा राज कपूर की तरह अपने हर किरदार में जान फूंकी है। हाल ही में उनका नया लुक देख फैंस ने उनकी अपकमिंग फिल्म लव एंड वॉर की चर्चाएं शुरू कर दी है। कुछ फैंस तो पूछ रहे हैं कि क्या यह फिल्म के लिए उनका नया लुक है?

टीवी मसाला

पिता लगाते थे समोसे का ठेला बेटी आज है करोड़ों की मालकिन

नई दिल्ली। बॉलीवुड सिंगिंग सुपरस्टार और कई म्यूजिक शो की जज नेहा कक्कड़ 6 जून को अपना 37 वां जन्मदिन मनाया। वह बॉलीवुड की सबसे मशहूर सिंगर्स में से एक हैं और एक गाने का करोड़ों रुपए चार्ज करती हैं। लेकिन, बहुत कम लोग जानते हैं कि कभी जागरण में वह 100 के लिए गाना गाया करती थीं। इतना ही नहीं, उनके पिता को भी कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा और एक समय वह समोसे का ठेला भी लगते थे। 6 जून 1988 को उत्तराखंड के ऋषिकेश में जन्मी नेहा कक्कड़ दरअसल एक अनवांटेड चाइल्ड थीं, क्योंकि जब वह पैदा होने वाली थीं, तो पैसों की कमी के चलते उनके पेरेंट्स उन्हें अबॉर्ट करना चाहते थे। लेकिन, 8 हफ्ते का गर्भ होने के कारण अबॉर्शन नहीं हो पाया और नेहा कक्कड़ ने इस दुनिया में कदम रखा। तीन बच्चों का पालन पोषण करना नेहा कक्कड़ के पिता के लिए बहुत मुश्किल था। वह अपने पूरे परिवार के साथ एक कमरे में रहते थे, उत्तराखंड के ऋषिकेश में नेहा कक्कड़ के पिता घर चलाने के लिए समोसे से बेचते थे और रात में जागरण किया करते थे। नेहा ने अपनी बड़ी बहन और पिता को रात-रात भर जागरण करते हुए देखा और 4 साल की उम्र से उन्होंने भी काम करना शुरू कर दिया। ऋषिकेश से उनका परिवार दिल्ली आ गया और वहां पर जागरण करने लगा. जागरण से उनके म्यूजिक का सफर शुरू हुआ और इंडियन आइडल में उन्होंने अपनी किस्मत आजमाई, लेकिन वह जीत नहीं पाई।

बिग बॉस 19 के लिए बबीता जी को किया गया अप्रोच

नई दिल्ली। टीवी का फेमस और कॉन्ट्रोवर्शियल रियलिटी शो 'बिग बॉस' हमेशा से ही दर्शकों का फेवरेट रहा है। इस शो का हर सीजन काफी पसंद किया गया था। 'बिग बॉस 18' के खत्म होते ही दर्शक इसके अगले सीजन

का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। ऐसे में अब 'बिग बॉस 19' अपनी स्ट्रीमिंग को लेकर चर्चा में आ गया है। 'बिग बॉस 19' में हिस्सा लेने को लेकर हम जिस स्टार की बात कर रहे हैं वो कोई और नहीं, बल्कि तारक मेहता का उल्टा चश्मा शो की बबीता जी हैं। शो में बबीता जी का किरदार निभाने वाली मुनमुन दत्ता को सलमान खान के शो के लिए अप्रोच किया गया गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, मनुमन इस शो का हिस्सा बन सकती हैं। उन्हें शो में देख फैंस काफी खुश हो जाएंगे। लेकिन, ऐसे में सवाल ये है कि बिग बॉस की वजह से वो तारक मेहता को अलविदा कह देंगी। अगर ऐसा हुआ तो ये असित मोदी के शो और दर्शकों के लिए तगड़ा झटका होगा। बिग बॉस 19 कंटेस्टेंट लिस्ट में मुनमुन दत्ता के अलावा अपूर्वा मखीजा, राम कपूर, गौतमी कपूर, मून बनर्जी, शशांक व्यास, अरहान अंसारी, डेजी शाह, खुशी दुबे, नील मोटवानी, शरद मल्होत्रा का नाम सामने आ चुके हैं।

'तेरे इश्क में' से वायरल हुआ धनुष का भारतीय वायुसेना लुक

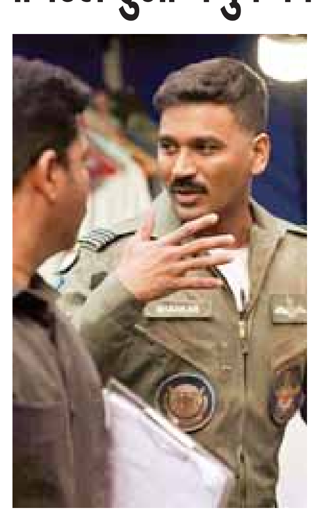

मुंबई। अभिनेता धनुष और एक्ट्रेस कृति सेनन स्टारर आनंद एल रॉय की फिल्म 'तेरे इश्क में'का दर्शक बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म से धनुष और कृति सेनन के लुक्स का टीजर पहले ही जारी किया जा चुका है। जिन्हें लोगों ने काफी पसंद किया था। फिल्म को 'रांझणा' से भी जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि, मेकर्स ये साफ कर चुके हैं कि 'तेरे इश्क में'रांझणा का सीक्वल नहीं है। अब फिल्म के सेट से धनुष के लुक की कुछ तस्वीरें लीक हुई हैं। जिनके सामने आने के बाद धनुष के किरदार को लेकर अंदाजा लगाया जा रहा है। शूटिंग से धनुष की जो तस्वीरें सामने आई हैं, उनको देखकर ऐसा लगता है कि धनुष फिल्म में भारतीय वायु सेना के अधिकारी की भूमिका में नजर आएंगे। वायरल तस्वीरों में धनुष वायु सेना की वर्दी पहने मूंछों वाले लुक में नजर आ रहे हैं। फिल्म में धनुष जहां शंकर के किरदार में नजर आएंगे, तो वहीं कृति सेनन मुक्ति की भूमिका में दिखाई देंगी। फिल्म 29 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म से धनुष का जो पहला लुक टीजर मेकर्स द्वारा जारी किया गया था, उसमें एक्टर बड़े बाल और दाढ़ी में नजर आ रहे थे। हालांकि, उसके बाद शूटिंग से धनुष और कृति की और भी तस्वीरें सामने आई हैं। अब ये नई तस्वीरें धनुष की सामने आई हैं, जो फिल्म में उनकी भूमिका का खुलासा करती हैं।

रिलीज के कुछ ही घंटों बाद लीक हुई हाउसफुल 5

मुंबई। अक्षय कुमार, रितेश देशमुख और अभिषेक बच्चन अभिनीत फिल्म 'हाउसफुल 5' शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। दर्शक फिल्म का काफी दिनों से इंतजार कर रहे थे। ऐसे में यह फिल्म अवैध साइटों पर ऑनलाइन लीक हो गई है। हाउसफुल फ्रैंचाइजी की पांचवीं किस्त का निर्देशन तरुण मनसुखानी ने किया है। 'हाउसफुल 5' पूरी मूवी ऑनलाइन लीक हो गई है। 'हाउसफुल 5' के पायरेटेड संस्करण कई साइटों जैसे कि फिल्मीजिला, मूवीरूलेज, टेलीग्राम, तमिलरॉकरज और दूसरी साइटो पर एचडी प्रिंट में लीक हो गई है। अक्षय कुमार की इस फिल्म में भारी भरकम कास्ट है। इसमें अक्षय के अलावा फरदीन खान, डिनो मोरिया, संजय दत्त, चंकी पांडे, जैकलीन फर्नांडीज, जॉनी लीवर, नरगिस फाखरी, नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, चित्रांगदा सिंह, रंजीत, निकितिन धीर, सोनम बाजवा और सौंदर्या शर्मा भी हैं। पायरेटेड कंटेंट को डाउनलोड या स्ट्रीम करना एक अपराध है। इसके गंभीर कानूनी परिणाम हो सकते हैं। पायरेटेड फिल्में देखने पर भारी जुर्माना देना पड़ सकता है। इससे जेल भी हो सकती है। आपको बता दें ऑनलाइन लीक हुई फिल्में देखना आपके लिए जोखम भरा हो सकता है। इससे डेटा और वित्तीय नुकसान हो सकता है। पायरेटेड फिल्में देखने से निर्माताओं की कड़ी मेहनत पर पानी फिर सकता है। फिल्म का निर्माण नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट ने किया है। फिल्म 240 करोड़ के भारी भरकम बजट में बनी है।

2 साल तक पाकिस्तान के जेल में बंद रहा ये सुपरस्टार

नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा में कई दशकों तक काम करने वाले अभिनेता ए.के. हंगल, शोले और दीवार जैसी ऐतिहासिक फिल्मों में अपनी यादगार सहायक भूमिकाओं के जरिए घर-घर में मशहूर हो गए। हंगल का जन्म अविभाजित भारत में हुआ था। उन्हें अपने कम्युनिस्ट विचारों के कारण कराची में जेल जाना पड़ा और पाकिस्तानी नागरिकों से मेलजोल रखने के कारण शिवसेना ने उन पर प्रतिबंध लगा दिया था। उन्हें पूर्व राष्ट्रपति ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने पद्म भूषण से सम्मानित किया था। लेकिन, अपने जीवन के अंतिम समय में, उन्हें आर्थिक रूप से बहुत परेशानी हुई। उनके कई पुराने सहयोगियों ने उनकी मदद की। लेकिन, उनके अंतिम संस्कार में कई बड़े सितारे शामिल नहीं हुए, जिनके साथ उन्होंने वर्षों तक काम किया था। हंगल का 2012 में 98 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

20 रुपए से किया पद्म भूषण तक का सफर

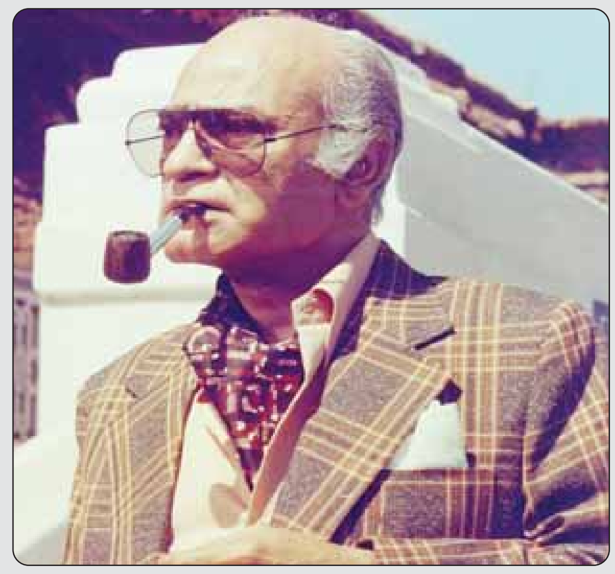

कम्युनिस्ट विचारधारा के कारण किया गिरफ्तार

रेडिफ के साथ 1997 के एक इंटरव्यू में एके हंगल ने कहा था, विभाजन के बाद मैं पाकिस्तान में ही रहा, लेकिन कम्युनिस्ट विचारधारा के कारण मुझे गिरफ़्तार कर लिया गया। मैंने दो साल जेल में बिताए। मुझे अक्सर पीटा जाता था। मुझे पाकिस्तान छोड़कर भारत जाने के लिए कहा गया। मुझे पाकिस्तान छोड़ने के लिए 12 घंटे का समय दिया गया।

झेली आर्थिक तंगी

1993 में, पाकिस्तानी नागरिकों के साथ बातचीत करने और वीजा मांगने के लिए शिवसेना ने उन पर प्रतिबंध लगा दिया था। जिंदगी के आखिरी पड़ाव में उन्हें आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ा। तब अमिताभ बच्चन और करण जौहर जैसे लोगों ने उनकी मदद की थी।

20 रुपए लेकर आए मुंबई

उन्होंने आगे कहा, मैं अपनी बहन के पास नई दिल्ली जाना चाहता था, लेकिन मेरे पास पैसे नहीं थे। मैं अपनी जेब में 20 रुपए लेकर मुंबई आया था। तब मेरी उम्र 21 साल थी। मैं कराची के कुछ दोस्तों से मिला और उन्होंने मेरे परिवार और मेरा ख्याल रखा। जल्द ही, मुझे एक दर्जी की नौकरी मिल गई और मुझे 500 रुपए प्रति माह मिलते थे। 1949 के उन दिनों में, यह एक बड़ी रकम थी। मेरे पास पटौदी के नवाब और अंग्रेजों जैसे अमीर ग्राहक हुआ करते थे। मुझे हर समय आकर्षक दिखना था, इसलिए मैं हमेशा काम पर सूट पहनता था।

ये रहीं यादगार फिल्में

इसके बाद एक अभिनेता के रूप में हंगल का कॅरियर आगे बढ़ा। वह अभिमान, अनुभव, दीवार, शोले, आंधी, नमक हराम, आप की कसम, शागिर्द, मेरे अपने, परिचय, दाग, जोशीला, हीरा पन्ना, जवानी दीवानी, गरम हवा, बावर्ची, कोरा कागज, चित चोर और सत्यम शिवम सुंदरम जैसी फिल्मों में नजर आए। उनकी कुछ सबसे यादगार अंतिम भूमिकाएं फ़िल्म लगान और पहेली में आईं। कहा जाता है कि अपने कॅरियर के दौरान उन्होंने 300 फिल्मों में काम किया।

फ्रेंच ओपन : गॉफ और सबालेंका के बीच होगा खिताबी मुकाबला

एजेंसी ▶▶| पेरिस

अमेरिका की कोको गॉफ का सामना शनिवार को फ्रेंच ओपन महिला एकल फाइनल में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी एरिना सबालेंका से होगा।

तीन साल पहले फ्रेंच ओपन में पदार्पण करने वाली 18 साल की गॉफ फाइनल में हार गई थी। उन्होंने इस बार फ्रांस की वाइल्ड कार्डधारी लोई बोइसों को 6-1, 6-2 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। सबालेंका ने मई में मैड्रिड ओपन में गॉफ को हराया था। इस बार उन्होंने सेमीफाइनल में गत चैंपियन इगा स्वियाटेक को 7-6, 4-6, 6-0 से मात दी।

वाणी आखिरी नौ होल में चार बर्डी के दम पर बनीं चैंपियन

बेंगलुरु। वाणी कपूर ने खराब शुरुआत से उबरते हुए आखिरी नौ होल में चार बर्डी लगाकर हीरो महिला पेशेवर गोल्फ टूर के आठवें चरण में शानदार जीत दर्ज की। यह मौजूदा सत्र में वाणी का चौथा खिताब है। वाणी तीसरे दौर में आठ होल के बाद दो ओवर के स्कोर के साथ पिछड़ रही थी लेकिन उन्होंने नौवें होल में बर्डी लगाने के बाद 12वें से 15वें होल में लगातार चार बर्डी के दम पर शानदार वापसी कर तीन अंडर 67 का कार्ड खेला। वाणी ने कुल पांच अंडर 205 (67-71-67) का स्कोर कर तीन शॉट से जीत दर्ज की। एमेच्योर जारा आनंद (67) ने पेशेवर सर्किट पर अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ दूसरे स्थान पर रही। उन्होंने दो अंडर 208 का स्कोर किया। नेहा त्रिपाठी एक अंडर 209 (76-68-65) के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रही।

खबर संक्षेप

टेस्ट संन्यास का फैसला बदल सकते हैं कोहली

नई दिल्ली। आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क का मानना है कि टेस्ट क्रिकेट को सर्वोपरि मानने वाले विराट कोहली इस प्रारूप से संन्यास का फैसला बदल सकते हैं अगर भारत को इंग्लैंड दौरे पर पांच टेस्ट की श्रृंखला में करारी हार का सामना करना पड़ता है। कोहली ने पिछले महीने टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया। उन्होंने 123 टेस्ट खेलकर 30 शतक समेत 9230 रन बनाए। क्लार्क ने 'बियोंड23' क्रिकेट पॉडकास्ट पर कहा, 'मुझे ऐसा लगता है। अगर भारतीय टीम इंग्लैंड में 5-0 से हार जाती है तो प्रशंसक यही चाहेंगे कि विराट संन्यास का फैसला बदलकर टेस्ट क्रिकेट फिर खेलें।'

मैं कैपिटल्स के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध

लंदन। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग के 10 दिनों के ब्रेक के बाद दोबारा शुरू होने पर उनके वापस नहीं आने का परिणाम चाहे

जो भी हो वह अपनी टीम दिल्ली कैपिटल्स के लिए 'पूरी तरह से प्रतिबद्ध' हैं। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले में 26 नागरिकों की हत्या के बाद भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों के शिविरों को निशाना बनाकर सैन्य अभियान 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाया था। इसके बाद दोनों देशों के बीच सैन्य टकराव के कारण इस लीग को 10 दिनों के लिए रोकना पड़ा था।

वॉलीबॉल महासंघ का चुनाव आज

नई दिल्ली। भारतीय वॉलीबॉल महासंघ दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देश के बाद शनिवार को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में अपने बहुप्रतीक्षित चुनाव कराने जा रहा है।

यह तदर्थ समिति की देख रेख में जारी शासन के बाद निर्वाचित शासी निकाय को बहाल करने की दिशा में एक अहम कदम होगा। वीएफआई से संबद्ध 33 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के कुल 66 प्रतिनिधि नयी शासी निकाय का चुनाव करने के लिए मतदान करेंगे। कार्यकारी समिति की पांच पदों सहित 12 प्रमुख पदों के लिए 29 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं।

सप्तक की स्विस चैलेंज गोल्फ में अच्छी शुरुआत

ल्यूसर्न। भारतीय गोल्फर सप्तक तलवार ने यहां स्विस चैलेंज गोल्फ टूर्नामेंट के पहले दौर में दो अंडर

69 का कार्ड खेला और वह संयुक्त 39वें स्थान पर हैं। तलवार ने बैक नाइन से शुरुआत की और 11वें, 16वें और 18वें होल में बर्डी हासिल की। उन्होंने छठे होल में दिन का अपना एकमात्र शॉट गंवाया और 69 का कार्ड बनाया। यह 26 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी पिछले सप्ताह चैलेंज डे कैडिज़ में कट से चूकने के बाद इस सप्ताह अपनी गलती सुधारना चाहेगा।

फुटबॉल : फाइनल में पुर्तगाल से होगा मुकाबला

स्पेन ने नेशंस लीग के फाइनल में बनाई जगह फ्रांस को रोमांचक मुकाबले में 5-4 से हराया

एजेंसी ▶▶| स्टटगार्ट

युवा खिलाड़ी लेमिन यमाल के दो गोल की मदद से स्पेन ने नेशंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में फ्रांस को 5-4 से हरा दिया। सत्रह वर्षीय यमाल ने गुरुवार को फ्रांस के डिजायर डू और ओसमान डेम्बेले जैसे युवा खिलाड़ियों के सामने खुद को बेहतर साबित किया, जिससे स्पेन ने डिडिएर डेसचैम्प्स की टीम के खिलाफ शुरू में दबदबा बनाते हुए रविवार को पुर्तगाल के खिलाफ होने वाले फाइनल में जगह बना ली। पुर्तगाल ने बुधवार को मेजबान देश जर्मनी को 2-1 से हराया था। यह नेशंस लीग के इतिहास में सर्वाधिक स्कोर वाला मैच था। फ्रांस ने चार में से तीन गोल तब किए जब यमाल ने स्कोर 5-1 कर दिया था और स्पेन के खिलाड़ी अपनी जीत को पक्की मान चुके थे।

चीन बाहर, उज्बेकिस्तान और जॉर्डन पहली बार विश्व कप के लिए क्वालीफाई

सियोल। चीन का 2002 के बाद पहली बार विश्व कप फुटबॉल में जगह बनाने का सपना गुरुवार को इंडोनेशिया के हाथों हार के साथ टूट गया जबकि उज्बेकिस्तान और जॉर्डन ने पहली बार इस प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया। चीन को जहां करारा झटका लगा वहीं दक्षिण कोरिया ने लगातार 11वीं बार विश्व कप में अपनी जगह पक्की की। विश्व कप फुटबॉल अगले साल अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में आयोजित किया जाएगा। अबू धाबी में संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ गोल रहित ड्रॉ उज्बेकिस्तान के लिए ग्रुप ए में ईरान के बाद दूसरा स्वतः क्वालीफिकेशन स्थान हासिल करने के लिए पर्याप्त था। ग्रुप बी में दक्षिण कोरिया ने इराक को 2-0 से हराकर विश्व कप मे अपना स्थान पक्का किया। दक्षिण कोरिया की दो गोल के अंतर से जीत जॉर्डन के लिए पहली बार विश्व कप में जगह बनाने के लिए पर्याप्त थी। जॉर्डन की तरफ से तीनों गोल अली ओलवान ने किए। ग्रुप सी में चीन को जकार्ता में इंडोनेशिया के हाथों 1-0 से हार का सामना करना पड़ा।

ऑस्ट्रेलिया ने जापान को 1-0 से हराया

इस ग्रुप के एक अन्य मैच में अज़ीज़ बेहिच के अंतिम मिनट में किए गए गोल से ऑस्ट्रेलिया ने पर्थ में पहले से ही क्वालीफाई कर चुकी जापान की टीम को 1-0 से हराया। इससे ऑस्ट्रेलिया की टीम लगातार छठी बार विश्व कप में खेलने के करीब पहुंच गई। ऑस्ट्रेलिया की जापान के खिलाफ 16 वर्षों में यह पहली जीत थी।

तीरंदाजी

भारतीय कंपाउंड तीरंदाज विश्व कप से बाहर, अब तक नहीं खुला खाता

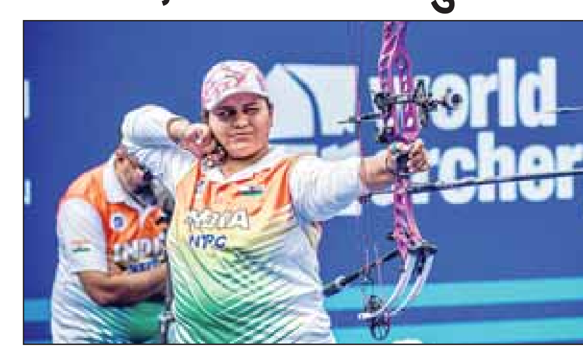

एजेंसी ▶▶| अंताल्या

भारतीय कंपाउंड तीरंदाजों ने शुक्रवार को यहां तीरंदाजी विश्व कप के तीसरे चरण में निराशाजनक प्रदर्शन किया तथा कोई भी खिलाड़ी व्यक्तिगत वर्ग में पदक दौर तक नहीं पहुंच सका।

शंघाई में पिछले चरण में दो स्वर्ण, एक रजत और चार कांस्य पदक के साथ दक्षिण कोरिया के बाद दूसरे स्थान पर रहने वाला भारत यहां अभी तक पदकों का खाता नहीं खोल पाया है। चौथी वरीयता प्राप्त और पिछले विश्व कप की विजेता मधुरा धामनगांवकर को क्वार्टर फाइनल में मैक्सिको की पांचवीं वरीयता प्राप्त मारियाना बर्नल ने हराया। मधुरा को महिला व्यक्तिगत वर्ग में 152-159 से हार का सामना करना पड़ा। विश्व चैंपियन अदिति स्वामी भी अंतिम आठ चरण में मैक्सिको की दूसरी वरीयता प्राप्त एंड्रिया बेसेरा से 147-152 से हारकर बाहर हो गईं। पुरुष वर्ग में 13वीं वरीयता प्राप्त ऋषभ यादव क्वार्टर फाइनल में फ्रांस के 28वीं वरीयता प्राप्त निकोलस गिरार्ड से 149-157 से हार गए। यादव ने इससे पहले प्री क्वार्टर फाइनल में अपने सीनियर साथी अभिषेक वर्मा को 157-154 से हराया था। विश्व चैंपियन ओजस देवताले को पहले ही दौर में अमेरिका के जेम्स लुट्ज़ से 157-161 से हार का सामना करना पड़ा।

न्यूजीलैंड ने वाल्टर को मुख्य कोच नियुक्त किया

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड ने गैरी स्टीड के स्थान पर रॉब वाल्टर को अपनी पुरुष क्रिकेट टीम के तीनों प्रारूपों का कोच नियुक्त किया है। वाल्टर जनवरी 2023 से इस साल अप्रैल तक दक्षिण अफ्रीका की वनडे और टी20 टीमों के कोच रहे। वाल्टर के कोच रहते हुए दक्षिण अफ्रीका ने वनडे विश्व कप 2023 और इस साल चैंपियंस ट्रॉफी के सैमी फाइनल में जगह बनाई थी। यही नहीं उन्होंने पिछले साल दक्षिण अफ्रीका को टी20 विश्व कप के फाइनल में पहुंचाने में भी अहम भूमिका निभाई थी। स्टीड 2018 से तीनों प्रारूपों में न्यूजीलैंड के मुख्य कोच थे।

एक दौर की बाजी बाकी

गुकेश जीते, कार्लसन के साथ नॉर्वे शतरंज खिताब के दावेदार

एजेंसी ▶▶| स्टावेंजर

मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश ने नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट के नौवें दौर में चीन के वेई यी को हराकर तीन अंक हासिल किए और नॉर्वे के स्टार मैग्नस कार्लसन के साथ खिताब के लिए शीर्ष दावेदार बन गए।

अब जब कि केवल एक दौर की बाजी खेली जानी बाकी है तब गुकेश 14.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं, जबकि पांच बार के विश्व चैंपियन कार्लसन छह खिलाड़ियों के डबल राउंड-रॉबिन टूर्नामेंट में उनसे केवल आधा अंक आगे हैं। कार्लसन ने हारने की स्थिति से वापसी करते हुए अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारुआना को हराया और पूरे अंक हासिल किए। अंतिम दौर में गुकेश का मुकाबला कारुआना से, जबकि कार्लसन का मुकाबला भारत के एक अन्य खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी से होगा। दोनों ही खिताब और 69,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि जीतकर अपनी श्रेष्ठता साबित करना चाहेंगे।

अमेरिका के एक अन्य खिलाड़ी हिकारू नाकामुरा के 13 अंक हैं और उनके पास भी खिताब जीतने का मौका है। नाकामुरा ने एरिगैसी को आर्मागेडन टाई-ब्रेक में हराया। भारतीय खिलाड़ी के 11.5 अंक हैं।

महिला वर्ग में हम्पी भी दावेदार

महिला वर्ग में दो बार की विश्व रैपिड चैंपियन कोनेरू हम्पी काले मोहरों से खेलते हुए चीन की लेई टिंगजी से हार गई। हम्पी अब 13.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं, जबकि यूक्रेन की अन्ना मुजीचुक ने चीन की विश्व चैंपियन जू वेनजुन (12.5) को हराकर भारतीय खिलाड़ी पर दो अंकों की बढ़त ले ली है। प्रतियोगिता में भाग ले रही भारत की एक अन्य खिलाड़ी आर वैशाली (9.5) स्पेन की सारा खादेम (09) से हार गईं।

प्रो लीग : भारत की नजरें विश्व कप में सीधे जगह बनाने पर

एजेंसी ▶▶| एम्सटेलवीन

बेल्जियम और नीदरलैंड में अगले साल होने वाले विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करने की कवायद में भारतीय पुरुष हॉकी टीम एफआईएच प्रो लीग के यूरोपीय चरण में अधिकतम अंक जुटाने की कोशिश में होगी। हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली टीम इस समय प्रो लीग की तालिका में आठ मैचों में 15 अंक लेकर तीसरे स्थान पर है।

बेल्जियम और इंग्लैंड के 16 अंक हैं। प्रो लीग के यूरोपीय चरण में अच्छे प्रदर्शन से भारत की अगले साल होने वाले विश्व कप में सीधे क्वालीफाई करने की संभावना बढ़ जाएगी। इस साल की शुरुआत में भुवनेश्वर में खेले गए प्रो लीग के घरेलू चरण में भारत ने आठ में से पांच मैच जीतकर 15 अंक बनाए थे। यूरोप चरण में भारत को शनिवार को मेजबान नीदरलैंड से खेलना है और दूसरा मैच नौ जून को होगा। इसके बाद 11 और 12 जून को अर्जेंटीना से, 14 और 15 जून को आस्ट्रेलिया से और 21 और 22 जून को एंटवर्प में बेल्जियम से खेलना है। भारतीय टीम की कमान ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह के हाथ में है जबकि मिडफील्डर हार्दिक सिंह उपकप्तान हैं।

पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर
सामग्री प्रबंधन विभाग
(भंडार आपूर्ति हेतु 'ई'-निविदा सूचना, संख्या ईपीएस/79/2025)

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल, भारत के राष्ट्रपति की ओर से, ई-खरीद प्रणाली के जरिए निम्नलिखित विज्ञापन निविदाएं आमंत्रित करते है। कोई भी हस्तलिखित/डाक प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे। पूर्ण विवरण/विनिर्देशन के लिए website https://ireps.gov.in" पर 'ई' निविदा संबंधी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

क्र.	टेंडर नं.	संक्षिप्त विवरण	निविदा मात्रा
1.	40255018बी	हार्ड ड्रान राउंड कॉपर ड्रॉपर वायर	25000 किलोग्राम
2	38252550	स्प्रिंग प्लान्क फॉर 22 HS बोगी	1086 नंबर
3	62251123	ECo फ्रेंडली डिस्पोजेबल नैपकिन्स कॉटन	14399912 नंबर
4	38252168	बोल्स्टर लाइनर	51997 नंबर
5	38252144	ब्रेक सिलिंडर	466 नंबर
6	61251202	ब्रूशेस पेंट एण्ड वार्निश फ्लैट साइज 50 एमएम रबर सेट	8859 नंबर

50 लाख रुपये से कम अनुमानित मूल्य वाली निविदाओं के लिए, इच्छुक फर्मों को www.ireps.gov.in पर जाने की सलाह दी जाती है।

उपरोक्त निविदाओं की नियत तारीख क्रम संख्या-1 की नियत तारीख -26.06.2025, क्रम संख्या-2 की नियत तारीख -03.07.2025, क्रम संख्या-3 की नियत तारीख -04.07.2025, क्रम संख्या-4 की नियत तारीख -10.07.2025, क्रम संख्या-5 की नियत तारीख -21.07.2025, क्रम संख्या-6 की नियत तारीख -11.08.2025 है।

(हस्ता.)
कृते प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पमरे/जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान, एक कदम स्वच्छता की ओर

MP POORV KSHETRA VIDYUT VITARAN CO. LTD.
BLOCK NO.7 SHAKTI BHAWAN, RAMPUR, JABALPUR (M.P.)
Tel No: 0761 2702473, Fax no: 0761-2660048 CIN: U40109MP2002SGC015120 email: cepurez@yahoo.in

No. CGM(S&P)/EZ/GM-II/III/574 **ONLINE TENDER** Jabalpur, dtd: 02.06.2025

Online Tenders are invited for following items:-

S. No.	TS No. (For e-Tendering Discom/ EZ/Pur	NAME OF ITEMS	Approx. Value (Rs. in Lakhs)	Tender fee (in Rs)	Due date & time of Opening of Tender online from15:00 Hrs(*)
1	TS-1576 (E-Tender No. 2025_PKVVC_425954_1)	Appointment of Chartered Account Firm as Income Tax Auditor for MPPKVVCL, Jabalpur	0.71	590	25.06.2025

For updated/ extended due dates for opening fo tender (EMD in Cover-1 & Techno-Commercial bin in cover -2) Phase refer to the online key dates. For other details visit company website: www.mpez.co.in or https:// mptenders.gov.in

SAVE ENERGY FOR BETTER TOMORROW "बिजली संबंधी शिकायतों के निराकरण के लिए 1912 डायल करें" CGM (S&P)

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड मण्डला (म.प्र.)
दूरभाष - 07642-252443 ई-मेल — eephedmal@mp.nic.in फैक्स 07642-253622

निविदा क्र. 34/2025-26 / नि.शा. / लो.स्वा.या. / 2025 मण्डला, दिनॉक 04.06.2025

निम्नानुसार कार्य हेतु ऑनलाईन वेबसाईट http://mptenders.gov.in/nicgep/app पर निविदा आमंत्रित किये जाते है। ऑन लाईन निविदा प्रस्तुत किये जाने की अंतिम तिथि 13/06/2025 सायं 17.30 बजे तथा निविदा खुलने का दिनांक 16/06/2025 सायं 12.00 बजे के पश्चात है। निविदा से सम्बंधित कोई भी संशोधन ई-टेण्डरिंग पोर्टल पर प्रदर्शित है। विस्तृत निविदा एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाईट http://mptenders.gov.in/nicgep/app पर देखा जा सकता है।

Driling of 150/125/115 mm dia 120 mtr. Deep Telescopic Tube Well

S. N.	NIT No.	Tender ID No.	Block	No. of Tube well	Probable Amount	EMD	Tender Doc. Fee	Time
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	35/ 25-26	2025_PHED _428745_1	Ghughri	80	82.49	82490	10000	04 Month E/R

नोट :- निविदा प्रपत्र उपरोक्त वेबसाईट पर केश कार्ड, ए.टी.एम. कम डेबिट कार्ड या इंटरनेट बैंकिंग एकाउण्ट के माध्यम से ऑनलाईन भुगतान पर क्रय किया जा सकता है।

G-13983/25 "स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता"
कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, मण्डला

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY
(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

NOTICE INVITING TENDER No. 349/MTN/2025
(Flood Damage-SR)

No./7087/22/D-12/NIT-Maint./2025 **Bhopal, Dated : 06.06.2025**

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below.

- **SSR Applicable :-** SSR issued by M.P Rural Road Development Authority effective from 01.01.2024 and amendments upto issue date of NIT.
- **Name of Work -** Special Repair of Roads/Culverts (Flood Damage)

S.No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Dhar	1	4339864.00
2	Jabalpur	1	2938407.00
3	Singrauli	1	4614366.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **10.06.2025 from 17:30 hrs.** and last date for online bid submission is **01.07.2025 (17:00 hrs.).**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER (Tender)
M.P. Madhyam/120501/2025

"मेरी सड़क" ऐप डाउनलोड कर, फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

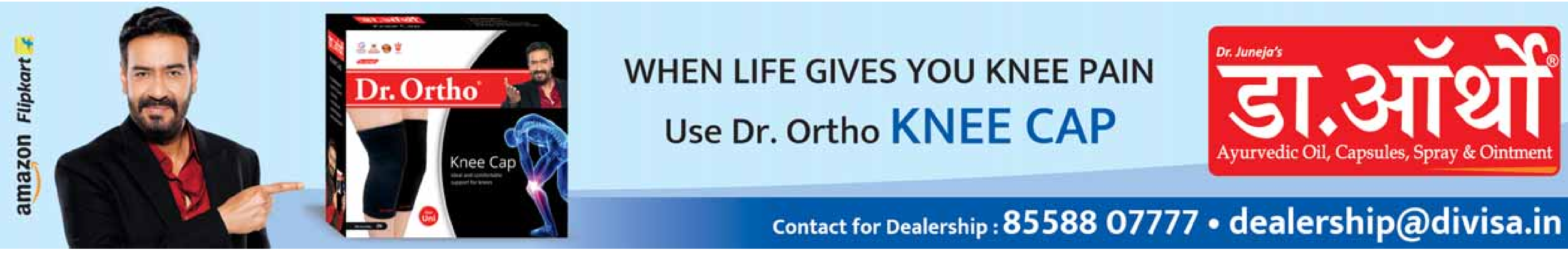

29 लाख के फर्जीवाड़े के बाद आगजनी की घटना संदिग्ध

वेयर हाउस के बाहर रखी धान की बोरियों में लगी भीषण आग

हरिभूमि जबलपुर।

जिला मुख्यालय से 40 किलोमीटर दूर कटंगी कुसली लुहारी गुरुजी वेयरहाउस के बाहर रखी धान की बोरियों में गुरुवार की देर रात भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। यह आग कैसे लगी यह मामला अभी संदिग्ध है। आग लगी या लगाई गई इसकी जांच की जा रही है। बताया गया है कि गुरूजी वेयर हाउस पहले से ही विवादित है7 समिति पर धोखाधड़ी किए जाने का मामला लंबित है। समिति प्रबंधक और केन्द्र प्रभारी फरार हैं। समिति पर एक करोड़ 29 लाख रुपए का फर्जीवाड़ा किए जाने का आरोप है।

1 हजार बोरियां जलकर राख हो गई

आग लगने की सूचना मिलते ही कटंगी पुलिस सहित फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और उन्होने आग पर काबू पाया। कटंगी पुलिस के मुताबिक शुक्रवार को गुरुजी वेयरहाउस के बाहर रखी धान की बोरियों में आग लगाए जाने को लेकर अमृत कुमार प्यासी ने एक लिखित शिकायत दी हैं। जिसकी जांच की जा रही है। शिकायत में प्रथम दृष्टया यह बात सामने आई है कि किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा जानबूझकर 5 जून के रात करीबन 11 बजे गुरुजी वेयरहाउस के सामने परिसर में बोरियों में रखी हुई धान के चारों तरफ से आग लगाई गई है। यहां लगभग कुल 5 हजार 528 धान की बोरियां रखी थी जिनमें करीब 1 हजार बोरियां जलकर राख हो गई। जिसकी कीमत लगभग 9 लाख रुपये है। कटंगी पुलिस ने लिखित शिकायत के बाद अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ धारा 326 (च), 324 (5), बी. एन. एस. के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया है।

एक माह पूर्व कलेक्टर ने दिए थे नीलामी के आदेश

फर्जीवाड़ा के बाद जिला कलेक्टर दीपक सक्सेना द्वारा लगभग 1 माह पूर्व वेयर हाउस के बाहर रखी हुई धान को नीलामी करने के आदेश दिए गए थे। हाल ही में 5 जून को नीलामी की प्रक्रिया के पूर्व पाटन तहसीलदार एवं कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी आभा शर्मा, धान की बोरियों की गिनती की गई एवं पंचनामा तैयार किया गया था।

फर्जीवाड़ा पर पर्दा डालने की कोशिश

सूत्रों का कहना है कि वेयरहाउस के बाहर रखी धान में आग लगना संदिग्ध माना जा रहा है। धान खरीदी में किए गए फर्जीवाड़ा पर पर्दा डालने के लिए आग लगवाई गई। अमृत कुमार प्यासी द्वारा दी गई लिखित शिकायत के आधार पर पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

एफआईआर के बाद बाहर रखी थी बोरियां

यहां गौरतलब है कि गुरुजी वेयर हाउस के बाहर सामने परिसर में 5 माह पूर्व से कटंगी सेवा सहकारी समिति केन्द्र क्र. 1 के समिति प्रबंधक द्वारा किसानों से खरीदी गई 5 हजार 528 बोरियां धान खरीदी 23 जनवरी 2025 के बाद (खरीदी बंद होने के बाद) रखी गई थी। जिस संबंध में खाद्य विभाग कलेक्ट्रेट जिला जबलपुर के खाद्य अधिकारियों के द्वारा जांच की गई जांच उपरांत अनियमितताएं पाए जाने पर कटंगी थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई थी। लिहाजा धान वेयर हाउस के अंदर न रखकर समिति के द्वारा वेयरहाउस के बाहर ही रखी गई थी। इस मामलें पर समिति प्रबंधक और केंद्र प्रभारी अभी फरार चल रहे हैं।

पारे में उछाल की संभावना, मानसून लापता

अगले 5 दिनों में बढ़ेगी गर्मी

हरिभूमि जबलपुर।

शिपछले 1 पखवाड़े से पारा भले ही नीचे चल रहा था लेकिन गर्मी का असर बरकरार रहा। अब गर्मी भी बढ़ेगी और पारा भी बढ़ेगा। मौसम विभाग का कहना है के बादलों की वजह से उमस भरी गर्मी थी, लेकिन अब तीखी गर्मी पड़ेगी। अगले 5 दिनों मे मौसम शुष्क रहेगा और पारा 40 से 41 डिग्री के पार पहुंचने की संभावना है। मानसून की हलचल अभी नहीं देखी जा रही है। शुक्रवार का दिन मौसम तल्ख स्वभाव से बेजार रहा। सबकी निगाह आसमान पर छाये बादलों की ओर टकटकी लगायी रही। उमस और गर्मी से बेजार लोग इंद्र देव से राहत की बारिश के लिए प्रार्थना करते रहे। शुक्रवार की सुबह से ही गर्मी ने अपने तेवर दिखाये।

अभी और तड़पायेगी गर्मी

गर्मी अभी और तड़पायेंगी आज 7 जून को भी मप्र में कहीं भी मानसून की दस्तक की आहट नहीं मिली है। लिहाजा जबलपुर में मानसून 20 जून के आसपास के आगमन की संभावना बन रही है। अभी फिलहाल गर्मी बढ़ने के संकेत मिल रहे है।

लोगों को अब बस मानसून का ही आसरा है क्योंकि पिछले एक पखवाड़े से चिपचिपाहट वाली गर्मी पड़ रही है इंसान तो इंसान पशु पक्षी भी परेशान है। कूलर, पंखे दम तोड़ चुके है न वो ठंडक दे रहे न राहत।

अब बढ़ेगा पारा

दिनभर की तपन के बाद शाम को उमस हलाकान करने लगी। न दिन में चेन न रात में सुकून वाली स्थिति निर्मित हो गई। उमस ने जनजीवन के हाल बेहाल कर दिये कूलर, पंखों के सामने भी लोगों को चैन नहीं मिला। अब पारे में बढ़त के संकेत मिल रहे है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले 5 दिन में मौसम शुष्क रहेगा और तापमान बढ़ेगा।

शुक्रवार को अधिकतम तापमान 38.9 डिग्री सेल्सियस समान्य से 2 डिग्री कम दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान 25.04 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 3 डिग्री कम दर्ज किया गया। हवा में नमी प्रातःकाल 46 प्रतिशत और सायंकाल 24 प्रतिशत दर्ज की गई। सूर्योदय सुबह 5.24 मिनिट पर सूर्यास्त शाम 6.55 मिनिट पर हुआ। गत वर्ष आज के दिन अधिकतम तापमान 41.05 डिग्री और न्यूनतम तापमान 29.03 डिग्री दर्ज किया गया। प्रदेश में सबसे अधिक तापमान 40.2 डिग्री खजुराहों में दर्ज किया गया। उत्तर पश्चिमी हवाएं 5 से 6 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली। अगले 24 घंटे के दौरान मौसम शुष्क रहने की संभावना है।

सडक़ों और फ्लायओवरों के निर्माण में अब रेन वाटर हार्वेस्टिंग अनिवार्य

जबलपुर। 8 से 10 जून तक लोक निर्माण विभाग द्वारा राज्यव्यापी सडक़ निरीक्षण अभियान चलाया जाएगा, जिसमें सभी इंजीनियर सडक़ों की स्थिति, जलभराव, गड्ढों और उनके रख-रखाव की जरूरतों का आकलन कर उसकी रिपोर्ट 11 जून तक ऑनलाइन पोर्टल पर देंगे और आवश्यक मरम्मत के कार्य 20 जून तक पूर्ण कर लिए जाएंगे। विभागीय मंत्री राकेश सिंह के मुताबिक सडक़ किनारे 10 हजार रिचार्ज बोर निर्मित करने के साथ सभी फ्लायओवर और एलिवेटेड कॉरिडोर पर भी रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम अनिवार्य रूप से अपनाया जाएगा। विभाग ने जल संरक्षण और पौधारोपण को लेकर 5 प्रमुख लक्ष्य भी तय किए हैं, जिसमें भू-जल स्तर में गिरावट पर चिंता भी जाहिर की गई है और सडक़ निर्माण में उपयोग होने वाली मिट्टी का युक्तियुक्त उपयोग कर लोक कल्याण सरोवर निर्मित किए जाएंगे। ऐसे 500 लोक कल्याण सरोवरों के निर्माण का लक्ष्य है। इंदौर की मिसाल देते हुए उन्होंने कहा कि पीएम गति शक्ति पोर्टल के माध्यम से दो किलोमीटर रेडियस में सरकारी जमीन और नीचले क्षेत्र चिन्हित कर 200 से अधिक स्थानों की पहचान की गई है।

प्राचार्यों से मांगी रिपोर्ट, कक्ष नहीं तो कैसे होता है प्रयोगशाला और लाइब्रेरी का काम

हायर सेकेंडरी, हाईस्कूलों में निर्माण कार्य कराने की तैयारी

हरिभूमि जबलपुर।

प्रदेश सरकार अब जिलों में भवन विहीन स्कूलों में भवन सुविधा उपलब्ध कराने के साथ उन विद्यालयों में इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट पर फोकस करने जा रही है जहां एक दो कमरों के अभाव में स्टूडेंट्स को पढ़ाई, लाइब्रेरी और लैब की सुविधा ठीक से नहीं मिल पा रही है या फिर ऐसे स्कूलों में पढऩे वाले बच्चों को इस सुविधा का लाभ मिल ही नहीं पा रहा है। इसके लिए सभी जिलों के जिला शिक्षा अधिकारियों के माध्यम से

जानकारी मंगाई गई है। सरकार सीएम राइज (सांदीपनि) स्कूलों को पहले ही मॉडर्न सुविधाओं से लैस करने का काम कर रही है।

प्रदेश में स्कूलों का हायर सेकेंडरी और हाईस्कूल के रूप में उन्नयन कर दिया गया है लेकिन उसके मुताबिक इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलप नहीं किए गए हैं। स्कूल शिक्षा विभाग का मानना है कि इसकी अनिवार्यता न होने से ऐसे हालात बने हैं। इसलिए अब वर्तमान में ऐसे सभी स्कूलों में जरूरी इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कराए जाने की तैयारी है। इसी के मद्देनजर जिला शिक्षा अधिकारियों को पत्र लिखकर कहा गया है कि वे संकुल प्राचार्यों के माध्यम से पूरी जानकारी तय फार्मेट में भेजें। इसमें संकुल प्राचार्य यह बताएंगे कि संबंधित विद्यालय में कितने अतिरिक्त कक्ष या प्रयोगशाला कक्ष की जरूरत है। संकुल प्राचार्यों की रिपोर्ट पर लोक शिक्षण संचालनालय इस पर फैसला करेगा। स्कूल शिक्षा विभाग ने संकुल प्राचार्यों से पूछा है कि जिन विद्यालयों में स्टूडेंट्स की संख्या के हिसाब से कमरों की संख्या कम है, वहां वर्तमान में क्लास और प्रयोगशाला का संचालन कैसे किया जाता है? साथ ही विद्यालय के पास कितनी रिक्त जमीन है, इसकी भी जानकारी देने के लिए कहा गया है। प्रदेश में कुल 4425 हायर सेकेंडरी और 4850 हाईस्कूल हैं।

द्वितीय अवसर की बोर्ड परीक्षा 48 परीक्षा केंद्र में होगी

जबलपुर। इस वर्ष से माशिमं भोपाल द्वारा दसवीं एवं बारहवी की वर्ष मे दो बार बोर्ड परीक्षा आयोजित की जा रही है। जिला शिक्षा अधिकारी. घनश्याम सोनी ने बताया कि पहली परीक्षा मे फेल बच्चें 17 जून से आयोजित होने वाली द्वितीय बोर्ड परीक्षा मे बैठ सकते है। इस परीक्षा मे अभी भी फॉर्म भर सकते है, फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 8 जून है। आज भोपाल

कल तक भरे जायेंगे परीक्षा फॉर्म

से ऑनलाइन मीटिंग के माध्यम से परीक्षा के सम्बन्ध मे आवश्यक दिशा निर्देश प्राप्त हुए है। वर्तमान मे जिला जबलपुर मे द्वितीय परीक्षा मे कक्षा दसवीं मे 8725 परीक्षार्थी, कक्षा बारहवी मे 7167 परीक्षार्थी ने परीक्षा फॉर्म भरा है। इस प्रकार जबलपुर जिले से कुल 15892 परीक्षार्थियों के द्वारा परीक्षा फॉर्म भरा गया है, जबलपुर जिले मे परीक्षा हेतु कुल 48 परीक्षा केंद्र बनाये गये है। इस परीक्षा मे सभी केंद्रों मे केन्द्राध्यक्ष, सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं कलेक्टर प्रतिनिधि कि नियुक्ति होंगी। बोर्ड परीक्षा मे एमपीबीएसई एप के माध्यम से थाने से लेकर परीक्षा केंद्र तक सतत निगरानी होंगी।

शिक्षकों की एक भी तबादला सूची नहीं आई

जबलपुर। मप्र में तबादलों का दौर चल रहा है। सभी विभाग गाइडलाइन के अनुसार तबादले कर रहे हैं। लेकिन स्कूल शिक्षा विभाग की एक भी तबादला सूची जारी नहीं हुई है। जबकि तबादला अवधि पूरी होने में अब सिर्फ 5 दिन बचे हैं। जानकारों का कहना है कि शिक्षकों के स्वैच्छिक तबादलों में विभाग की ट्रांसफर पॉलिसी के कारण पेंच फंस गया है। स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों का कहना है कि वर्ष 2022 में विभाग की ट्रांसफर पॉलिसी को मंजूरी मिलने के 3 साल बाद पहली बार कर्मचारियों के तबादलों से बैन हटा है।

मेडिकल की लिफ्ट बंद होने से पैदल जाने गर्भवती महिलाएं मजबूर

आयोग ने संज्ञान लेकर मांगा प्रतिवेदन

जबलपुर। नेता जी सुभाष चन्द्र बोस मेडिकल कॉलेज अस्पताल के जिम्मेदारों की मनमानी और निकम्मी व्यवस्था से आम नागरिक व मरीज त्रस्त है। सरकार द्वारा करोड़ों रुपए दवा, उपकरण, मेंटेनेंस और साफ-सफाई पर खर्च कर रही हैं, परंतु मरीजों को इसका लाभ बहुत मुश्किल से मिल पाता है। पिछले तीन दिन से मेडिकल अस्पताल की तीनों लिफ्ट बंद हैं और बुजुर्ग, बच्चों और मरीजों को रैम्प से पैदल चलकर वार्ड तक जाना पड़ रहा है। सबसे ज्यादा पीड़ादायी प्रसंग यह है कि यहां पर भर्ती होने के लिए आने वाली गर्भवती महिलाएं जिन्हें या तो व्हील चेयर या फिर स्ट्रेचर के माध्यम से सावधानी पूर्वक वार्ड तक ले जाना चाहिए, उन्हें भी ये सुविधा मुहैया नहीं हो पा रही है। बंद लिफ्ट देखकर हताश-निराश गर्भवती महिलाएं रैम्प से पैदल चलकर वार्ड तक जाने के लिए मजबूर हैं। मप्र मानव अधिकार आयोग के क्षेत्रीय कार्यालय प्रभारी फरजाना मिर्जा ने बताया कि, समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचार के आधार पर, जनहित में मामले में संज्ञान लेकर मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग की मुख्य पीठ भोपाल में प्रकरण की सुनवाई करते हुए, सदस्य राजीव कुमार टण्डन की एकलपीठ ने मानव अधिकारों के उल्लंघन का मामला मानकर, मेडिकल कॉलेज के डीन से मामले की जांच कराकर, की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन दो सप्ताह में मांगा है।

ब्लैक स्पॉट के साथ रेड और हॉट स्पॉट भी होंगे चिंहित

अब सड़क हादसों पर लगेगी लगाम

हरिभूमि जबलपुर।

लगातार बढ़ रही सडक़ दुर्घटनाओं पर रोक लगाने के लिए सरकार ने नया कदम उठाया है। अब सिर्फ ब्लैक स्पॉट ही नहीं, बल्कि जबलपुर सहित मप्र के सभी जिलों में रेड स्पॉट और हॉट स्पॉट भी चिन्हित किए जाएंगे। ये ऐसे स्थान होंगे जहां सबसे ज्यादा सडक़ हादसे होते हैं। इसके लिए मापदंड भी तय किए जा रहे हैं। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने हाल ही में जिला सडक़ सुरक्षा समिति की बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि हर जिले में रोड सेफ्टी प्लान तैयार किया जाए और ऐसे खतरनाक स्थानों की पहचान कर वहां सुधार कार्य किया जाए।

सरकार ने साफ कर दिया है कि जो लोग लापरवाही से वाहन चलाते हैं, उनके ड्राइविंग लाइसेंस को तीन महीने के लिए निलंबित किया जाएगा। यह नियम सख्ती से लागू किया जाएगा। 2024 में मध्य प्रदेश में 14 हजार लोगों की सडक़ हादसों में मौत हुई, जबकि करीब 56 हजार लोग घायल हुए। अब तक प्रदेश में केवल ब्लैक स्पॉट की पहचान होती थी, लेकिन अब उनका दायरा बढ़ाया जा रहा है। वर्ष 2021 में प्रदेश में 395 ब्लैक स्पॉट थे जो अब बढक़र 480 हो गए हैं। ये भी सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती है। सभी जिलों में यह कार्य कलेक्टरों की निगरानी में किया जाएगा और संबंधित विभाग जैसे पीडब्ल्यूडी, ट्रैफिक पुलिस, नगर निगम आदि की मदद ली जाएगी।

रेड और हॉट स्पॉट होंगे चिन्हित

पुलिस मुख्यालय के अनुसार, रेड और हॉट स्पॉट चिन्हित करने से जिला स्तर की सडक़ सुरक्षा समितियों को यह समझने में मदद मिलेगी कि किस स्थान पर बार-बार दुर्घटनाएं क्यों हो रही हैं। इसके बाद वहां जरूरी सुधार किए जा सकेंगे। इन सुधारों में सडक़ डिजाइन, संकेतक, स्ट्रीट लाइट या स्पीड ब्रेकर जैसे काम शामिल हो सकते हैं। रेड स्पॉट ऐसा स्थान जहां दुर्घटनाएं लगातार हो रही हों और जिनमें घातक चोट या मौत की संभावना अधिक हो। हॉट स्पॉट किसी बड़े क्षेत्र जैसे कस्बे या कॉलोनी को माना जाता है जहां पूरे क्षेत्र में दुर्घटनाएं बार-बार हो रही हों। ब्लैक स्पॉट ऐसा क्षेत्र (आधा किमी तक) जहां एक साल में कम से कम 5 बड़ी दुर्घटनाएं हुई हों और उनमें 10 या अधिक मौतें हुई हों।

रेलवे ने 1 माह में टिकट चेकिंग से कमाए 7.28 करोड़

जबलपुर। रेल मंडल द्वारा यात्री गाडियों में चलाये जा रहे सघन टिकिट जाँच अभियान के तहत चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के द्वितीय माह (1मई से 31 मई 2025) तक मंडल के टिकिट जांच अभियान ने रिकार्ड 7.28 करोड़ रूपये का राजस्व एकत्रित किया है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ. मधुर वर्मा के मार्गदर्शन एवं शशांक गुप्ता के नेतृत्व पर जबलपुर रेल मंडल में मंडल वाणिज्य प्रबंधक नितेश कुमार सोने एवं सहायक वाणिज्य प्रबंधक गुन्नार सिंह ,धर्मेंद्र कुमार सिंह की टीम के द्वारा चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में चलाए गए विभिन्न जांच अभियानों के अंतर्गत तथा नियमित टिकट जांच के दौरान टिकट चेकिंग स्टाफ द्वारा बिना टिकट/अनुचित टिकट एवं बिना बुक कराए सामान लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों की सघन जांच की गई। जाँच के दौरान चालू वित्तीय वर्ष के द्वितीय माह में बिना टिकट यात्रा के 44 हजार 943 मामले पकड़े गए, जिनसे रेलवे को रुपये 4.29 करोड़ से अधिक का रेल राजस्व प्राप्त हुआ। इसी तरह निम्न दर्जे की टिकिट पर उच्च दर्जे में यात्रा करते हुए 48 हजार 104 यात्री पकड़े गए, जिनसे रेलवे को रुपये 2.97 करोड़ का रेल राजस्व प्राप्त हुआ। इसी प्रकार यात्रा में निर्धारित मानक से अधिक भार के लगेज को लेकर यात्रा करने के 808 मामले पकड़े गए, जिनसे रुपये 1.28 लाख का रेल राजस्व प्राप्त हुआ ।इस प्रकार दिनांक 01 मई 2025 से 31 मई 2025 तक की गई टिकट जांच के दौरान बिना टिकट/अनियमित टिकट एवं बिना बुक कराए समान लेकर यात्रा करने के पकड़े गए कुल 93 हजार से अधिक मामले से रेलवे को रुपये 7.28 करोड़ राजस्व की प्राप्ति हुई।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240